देशबन्धु
जबलपुर, गुरुवार 12 जून 2025 | वर्ष – 69 | अंक – 207 पृष्ठ – 12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ आपदा में एक और .. ■ सोनम के बहाने स्त्री .. 04
■ देश में फजीहत झेल रहे यूनुस का लंदन .. ■ यहूदी केन्द्र पर आतंकी हमले की साजिश रचने ... 09
■ फ्री यूपीआई सर्विस होगी खत्म... ■ अमेरिका-चीन को पछाड़कर भारतीय.. 11
■ भारतीय जूनियर.. ■ टी-20 रैंकिंग वरुण.. 10

सार संक्षेप

बुनियादी ढांचे का विकास, जीवन को आसान बना रहा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पिछले 11 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डालते हुए बुधवार को कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन को आसान' बना रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी सरकार के 10 जून को अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष, यानी कुल 11 वर्ष पूरे करने के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे में भारत की उत्कृष्ट प्रगति पर जोर दिया।

लक्ष्मण सिंह छह वर्ष के लिए कांग्रेस से निष्कासित

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश से पार्टी के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है। कांग्रेस अनुशासन समिति के सदस्य तारिक अनवर ने बुधवार को बताया कि श्री सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने छह वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। श्री सिंह गांधी परिवार के खिलाफ विवादित बयान देने के कारण पिछले कुछ समय से चर्चा में हैं।

जासूसी मामला : ज्योति की जमानत याचिका खारिज

हिसार। हरियाणा के हिसार की एक अदालत से यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को बड़ा झटका लगा है। अदालत ने ज्योति की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका उनके वकील कुमार मुकेश की ओर से दाखिल की गई थी। पाकिस्तान के लिए कथित तौर पर जासूसी के आरोपों में यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को गिरफ्तार किया गया था, वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए फिलहाल उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-अविश्वास प्रस्ताव गिराने के लिये सरपंच ने पंचों को लाठी लेकर खदेड़ दिया।

चुहिया- हां प्रिये-लोकतंत्र की चादर में इन दिनों ऐसे ही पैबंद लगते जा रहे हैं।

भीषण तपन

समूचे उत्तर भारत में भीषण तपन का दौर जारी है। पंजाब के बठिंडा और राजस्थान के श्रीगंगा नगर में पारा 47 डिसे. पार चला गया है। वहीं म.प्र. के नवगांव में 46.4 डिसे दर्ज हुआ।

अमेरिका ने एक बार फिर मध्यस्थता की बात दोहराई

वाशिंगटन, (एजेंसियां)। भारत के द्विपक्षीय कश्मीर विवाद में बाहरी हस्तक्षेप की बात को बार-बार खारिज करने के बावजूद अमेरिका ने एक बार फिर कश्मीर मामले पर मध्यस्थता की बात दोहराई है। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यस्थता करने की कोशिश करते हैं, तो इसमें कोई हैरानी नहीं होगी। अपनी नियमित ब्रीफिंग में रिपोर्टर ने ट्रंप की मध्यस्थता की पेशकश के बारे में सवाल किया।

इसके जवाब में टैमी ब्रूस ने कहा, जाहिर है, मैं यह नहीं बता सकती कि राष्ट्रपति के दिमाग में क्या है, या उनकी क्या योजना है। हम सभी मानते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने हर कदम में देशों के बीच पीढ़ीगत मतभेदों और पीढ़ीगत युद्ध को सुलझाने की कोशिश करते हैं। इसलिए किसी को भी हैरत में नहीं पड़ना चाहिए कि ट्रंप इस तरह की किसी चीज (कश्मीर विवाद) को मैनेज करना चाहते हैं। ब्रूस ने कहा कि जब शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में डिप्टी सेक्रेटरी क्रिस्टोफर लैंडौ से मुलाकात की, तो अमेरिका ने 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के मजबूत समर्थन और उन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी' की पुष्टि की।

दुनिया ट्रंप के स्वभाव को जानती है- ब्रूस ने कहा, मैं उनकी (ट्रंप) योजनाओं के बारे में बात नहीं कर सकती। दुनिया उनके स्वभाव को जानती है। मैं इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दे सकती कि उनके पास इस संबंध में क्या हो सकता है। आप व्हाइट हाउस को कॉल कर सकते हैं। मुझे लगता है कि उनके पास कहने के लिए बहुत कुछ होगा। यह एक रोमांचक समय है कि अगर हम उस विशेष संघर्ष (भारत-पाकिस्तान मामला) में किसी बिंदु पर पहुंच सकते हैं, तो भगवान का शुक्र है, लेकिन सचिव (विदेश मंत्री मार्को) रुबियो और राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति का भी शुक्रिया अदा करना चाहिए।

भारतीय नागरिक को वापस भेजा जाएगा

अमेरिका में न्यूजर्सी के नेवार्क हवाई अड्डे पर हिरासत में लिए गए भारतीय नागरिक के बारे में पता चला है कि हरियाणा का रहने वाला वह व्यक्ति बिना वैध वीजा के अमेरिका गया था जिसके बाद हुई कानूनी कार्यवाही के परिणामस्वरूप उसे भारत भेजा जाएगा।

संघर्ष विराम कराने का फिर किया दावा

ब्रूस ने इस दावे को दोहराया है कि अमेरिका ने पिछले महीने भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिवसीय संघर्ष में युद्ध विराम लाने के लिए हस्तक्षेप किया था। हालांकि, भारत इसे खारिज कर चुका है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री कह चुके हैं कि अमेरिका ने भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम में मध्यस्थता नहीं की थी। उन्होंने एक भारतीय संसदीय समिति को बताया कि दोनों देशों ने सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए द्विपक्षीय स्तर पर निर्णय लिया।

अमरनाथ यात्रा: ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ के 1200 जवानों को मिली जर्जर ट्रेन

जवानों ने गाड़ी में चढ़ने से किया मना

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ के जवानों की वीरता को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी माना है। बीएसएफ जवानों ने सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया था।

अब उसी बीएसएफ के जवानों को भारतीय रेलवे ने एक ऐसी ट्रेन मुहैया करा दी कि उसकी जर्जर हालत देखकर जवानों ने उसमें चढ़ने से इनकार कर दिया। ट्रेन की हालत देखकर ऐसा लग रहा था कि जैसे उसे लंबे समय से इस्तेमाल ही न किया गया हो। खिड़की, दरवाजे, बिजली उपकरण व टॉयलेट, सब जर्जर हालत में थे। बीएसएफ जवानों के विरोध के चार दिन बाद मंगलवार को एनएफआर जोन ने दूसरी ट्रेन उपलब्ध कराई। बीएसएफ जवानों को अमरनाथ यात्री की ड्यूटी के लिए कश्मीर पहुंचना था। कमान्डर ने जब ट्रेन का निरीक्षण किया तो हैरान रह गये क्योंकि ट्रेन के डिब्बे बेहद खस्ता हालत में थे, जो यात्रा करने लायक ही नहीं थे। यह स्पेशल ट्रेन उदयपुर रेलवे स्टेशन से 6 जून को जम्मू-तवी रेलवे स्टेशन के लिये रवाना होना थी।

5 दिन बाद 4 रेलवे अफसर निलंबित

5 दिन पुराने इस मामले में रेल मंत्रालय ने 4 रेल अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। 6 जून को जवानों को त्रिपुरा से अमरनाथ जाना था। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई, उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे हुए थे। ट्रेन का सीसीटीवी भी अब सामने आया है। इसमें टॉयलेट टूटा है, लाइट नहीं है।

मुख्यमंत्री श्रमिक परिवारों के खातों में संबल योजना की राशि करेंगे अंतरित

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संबल योजना में, अनुग्रह सहायता के 6821 प्रकरणों में 150 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे।

शुक्रवार को जबलपुर के बरगी में होने वाले इस कार्यक्रम में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। प्रदेश में संबल योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। योजना अन्तर्गत प्रारंभ से अब तक 1 करोड़ 76 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया गया है। पंजीयन प्रक्रिया निरंतर जारी है। योजना में अनुग्रह सहायता अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये प्रदान किये जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रुपये तथा अंत्येष्टि सहायता के लिए 5 हजार रुपये प्रदान किये जाते हैं।

संबल योजना में जहां एक ओर महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के लिये 16 हजार रुपये दिये जाते हैं, तो वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा के लिये सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

सड़क हादसे में दुल्हन सहित 5 की जान गई

जयपुर। राजस्थान के जयपुर जिले से दर्दनाक और दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ है। जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के जमवारामगढ़ के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 148 (दौसा-मनोहरपुर हाईवे) पर बुधवार सुबह एक कंटेनर और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में शादी करके लौट रहे दुल्हन समेत 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि दूल्हा सहित 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

हाईवे पर लग गया लंबा जाम – हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही रायसर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया।

कार में कुल 14-15 लोग सवार थे। हादसे में दुल्हन समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति ने निम्स अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है,

4 मृतकों की हुई पहचान- दुल्हन भारती (18) पत्नी विक्रम मीणा, निवासी मंडोली, जिला शहडोल, मध्य प्रदेश- जीतू (33) पुत्र हरदयाल कुमावत, निवासी हासपुरा, श्रीमाधोपुर, सीकर। सुभाष (28) पुत्र मालीराम मीणा, निवासी हासपुरा, श्रीमाधोपुर, सीकर। रवि कुमार (17) पुत्र छोटूराम मीणा, निवासी बुगाला गुढागौड़जी, झुंझुनूं।

एमपी से शादी करके लौट रहा था परिवार

जानकारी के अनुसार, दूल्हा-दुल्हन अपने परिजनों और रिश्तेदारों के साथ मध्य प्रदेश से शादी समारोह के बाद वापस लौट रहे थे। तभी भटकाबास गांव के पास उनकी कार की सामने से आ रहे कंटेनर से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई।

बहू से अजीबोगरीब मांग

ससुरालवालों ने दहेज में मांगी किडनी

मुजफ्फरपुर। दहेज में कार, घर, सोना और संपत्ति मांगने का चलन पुराने समय से ही चला आ रहा है। हालांकि दहेज लेना कानूनन अपराध है, लेकिन शादी में चोरी-छिपे दहेज आज भी लिया ही जाता है। इतना ही नहीं महिला जब ससुराल आ जाती है, उसके बाद भी उससे दहेज की मांग की जाती है। दहेज न लाने पर महिला को ससुराल वाले प्रताड़ित करते हैं, लेकिन क्या आपने सुना है कि दहेज में किसी महिला से उसकी किडनी मांग ली जाए। जाहिर है नहीं सुना होगा, लेकिन ऐसा बिहार में हुआ है।

उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर में एक महिला द्वारा अपने बेटे के लिए दहेज में अपनी बहू से उसकी किडनी मांगने का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। दीप्ति नाम की महिला ने इस संबंध में मुजफ्फरपुर महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता दीप्ति अब अपने मायके में है। पुलिस को अपने साथ हुए अत्याचारों के बारे में बताते हुए दीप्ति ने कहा कि मेरी शादी 2021 में हुई। मेरा ससुराल मुजफ्फरपुर के बोचहा थाना क्षेत्र में है।

दहेज नहीं ला सकती तो किडनी दो- *पीड़िता ने बताया कि शादी के बाद शुरू में सब ठीक था। लेकिन फिर मेरे ससुराल वालों ने पैसे, बाइक और जेवर लाने के लिए मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया और मेरे साथ मारपीट की। जब मैं अपने ससुराल वालों की मांगें मानने को तैयार नहीं हुई, तो उन्होंने मुझ पर अपने बीमार पति को अपनी एक किडनी देने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया।*

महिला ने पुलिस में रिपोर्ट कराई

पुलिस ने की समझौते की कोशिश- *महिला ने बताया कि मुझे अपने पति की किडनी की बीमारी के बारे में शादी के दो साल बाद पता चला। ससुराल वालों ने मुझ पर किडनी देने के लिए दबाव डाला। मुझे मारा-पीटा और प्रताड़ित किया। दीप्ति इसके बाद अपने माता-पिता के घर आ गईं और महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी दीप्ति ने अपने पति से तलाक मांगा, लेकिन उसके पति ने उसे तलाक देने से मना कर दिया। महिला थाने में 38/25 का मामला दर्ज किया है और उसके पति समेत ससुराल पक्ष के चार लोगों को आरोपी बनाया है।*

रेलवे ने आरक्षण को लेकर दी नई व्यवस्था

अब 24 घंटे पहले बन जाएगा चार्ट, राजस्थान में शुरुआत भी हो गई

नई दिल्ली, देशबन्धु। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत की है। अब वेटिंग लिस्ट में होने वाले यात्रियों को उनकी टिकट की स्थिति ट्रेन रवाना होने से 24 घंटे पहले ही पता चल जाएगी। अभी तक यह जानकारी केवल 4 घंटे पहले मिलती थी। यह जानकारी रेलवे मंत्रालय ने बुधवार को दी।

इस नई व्यवस्था का ट्रायल बीकानेर डिवीजन में 6 जून, 2025 से शुरू हो चुका है। यह कदम यात्रियों की आखिरी समय की अनिश्चितता को कम करने और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। रेलवे बोर्ड के सूचना और प्रचार निदेशक दिलीप कुमार ने बताया, हमने इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत बिकानेर डिवीजन में की है, जहां ट्रेन के रवाना होने से 24 घंटे पहले चार्ट तैयार किया जा रहा है। अभी तक यह चार्ट केवल 4 घंटे पहले बनाया जाता था।

उन्होंने कहा कि इस बदलाव का मकसद यात्रियों की उन चिंताओं को दूर करना है, जो वेटिंग टिकट होने के कारण अपनी यात्रा की योजना को लेकर अनिश्चित रहते हैं। रेलवे अधिकारी ने कहा, अगर यात्रियों को पहले ही यह पता चल जाए कि उनका टिकट कन्फर्म हुआ है या नहीं, तो वे यात्रा की बेहतर योजना बना सकते हैं। हालांकि, रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया कि यह नई व्यवस्था तभी नीति का हिस्सा बनेगी जब यात्रियों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी।

रद्द करने पर जुर्माना

रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि टिकट कन्फर्म होने के बाद अगर यात्री उसे रद्द करते हैं, तो उन्हें रिफंड में बड़ी कटौती झेलनी पड़ सकती है।

पंचायत राज | बजाग जनपद की ग्राम पंचायत पिपरिया में लोकतंत्र का काला दिन

वोट डालने से रोका, 17 पंचों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

डिंडोरी, देशबन्धु। बजाग जनपद की ग्राम पंचायत पिपरिया में सरपंच के विरुद्ध लाया गया अविश्वास प्रस्ताव मंगलवार को हिंसक हो गया। सरपंच के विरोध में मतदान करने जा रहे महिला और पुरुष पंचों को कुछ लोगों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। आरोप है कि सरपंच पति, उसके भाई सहित अन्य ने कार से मतदान करने जा रहे 17 महिला-पुरुषों पंचों को रोककर बुरी तरह पिटाई की।

आरोपितों ने वाहनों के शीशे भी तोड़े और कई को वाहनों के अंदर ही पीटा। इस हमले में तीन पंचों को अधिक चोट आई है। डर के मारे तीन पंच जंगल की ओर भाग गए। घायल पंच किसी तरह बजाग थाने पहुंचे।

आदिवासी सरपंच के ओबीसी पति चमरू यादव ने अपने बाहुबल से पास नहीं होने दिया अविश्वास प्रस्ताव

देर रात पुलिस ने सरपंच पति चमरू यादव, उनके भाई लोकनाथ यादव, रोहित पड़वार सहित अन्य के विरुद्ध मारपीट और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। >>शेष पृष्ठ 2 पर

इनका कहना है-

पुलिस कर गिरफ्तारी के प्रयास *– पुलिस मतदान केंद्र ग्राम पंचायत में मौजूद थी। विवाद कुछ दूर हुआ है, इसलिए समस्या आई। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।*

–अमृतलाल तिग्गा, थाना प्रभारी

बजाग सरपंच के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गिर गया है। सुरक्षा मौके पर दी गई थी। आवश्यक कार्रवाई हो रही है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

- रामबाबू देवांगन, एसडीएम, बजाग

देश-विदेश

ताइवान ने चालक दल के सदस्यों को बचाने पर भारत का जताया आभार

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। ताइवान ने बुधवार को सिंगापुर के मालवाहक जहाज वान हाई 503 के 18 चालक दल के सदस्यों को बचाने के लिए भारत का आभार व्यक्त किया है। हाल ही में केरल तट से लगभग 70 समुद्री मील दूर मालवाहक जहाज में आग लग गई थी। जहाज पर सवार 22 लोगों में से 18 चालक दल के सदस्यों को समुद्र में कूदने के बाद बचा लिया गया था, जबकि जहाज के अग्नि और सुरक्षा विभाग से जुड़े चार अन्य सदस्यों का पता लगाया जा रहा है। भारत में ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र ने कहा कि लापता चार चालक दल के सदस्यों में दो ताइवानी, एक इंडोनेशिया और एक म्यांमार के नागरिक शामिल हैं।

म्यांमार में चीन को तगड़ा झटका

72 करोड़ के चीनी फाइटर जेट को लड़ाकों ने मशीन गन से उड़ाया

म्यांमार में सेना और विरोधी गुटों के बीच की लड़ाई में चीन की भद्द पिट गई है। दरअसल म्यांमार की सेना चीन के फाइटर जेट से अपने विरोधियों पर बम बरसा रही है, लेकिन मंगलवार को विरोधी गुटों ने इस जेट पर शिकंजा कस दिया। म्यांमार के स्थानीय मीडिया के मुताबिक विरोधी गुट के लोगों ने म्यांमार सेना के इस चीनी फाइटर जेट को मार गिराया। इस जेट की कीमत 72 करोड़ के करीब बताई जा रही है। एसोसिएटेड प्रेस ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के हवाले से लिखा है कि चीनी फाइटर जेट के जरिए जैसे ही म्यांमार की सेना बम बरसाने के लिए मैदान में उतरी, लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने जेट को मार गिराया। घटना पर न तो चीन ने कोई आधिकारिक टिप्पणी अब तक की है और न ही म्यांमार की सेना ने।

चीन के लिए यह झटका क्यों है?- पीएलए के दावे अगर सही है तो यह चीन के लिए झटका है। क्योंकि पीएलए के लड़ाकों के पास कोई आधुनिक हथियार नहीं है। पीएलए के लड़ाके मशीन गन और गुरिल्ला वार के जरिए ही सेना से मैदान पर जंग लड़ रहे हैं। चीन के हथियार को लेकर बने क्रेडिबिलिटी को भी इससे झटका लगेगा। चीन ने 2023 में म्यांमार को 1 बिलियन डॉलर का हथियार दिया था। म्यांमार के अलावा चीन पाकिस्तान जैसे देशों को भी हथियार बेचता है। एक अंग्रजी अखबार ने हाल ही में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। इसके मुताबिक चीन के कहने पर पीएलए के लड़ाकों ने म्यांमार सेना से जीती हुई एक जमीन को छोड़ दिया था। अब जिस तरीके से लड़ाकों ने फिर से चीनी फाइटर जेट को मार गिराया है। उससे सवाल उठ रहे हैं कि क्या अब म्यांमार में चीन का हुकुम नहीं चलने वाला है?

दावा- मशीन गन से मारा गया फाइटर जेट- घटना को लेकर एक दावे ने और भी ज्यादा ध्यान खींचा है। चश्मदीद के हवाले से स्थानीय अखबार द इरावड्डी ने लिखा है कि मशीन गन के जरिए फाइटर जेट को मार गिराया गया है।

हमले के वक्त कर रहा था बमबारी

पीएलए ने जानकारी दी कि 4 जून को उन्होंने सागाइंग के पाले टाउनशिप स्थित कान दौक पुलिस स्टेशन पर कब्जा करने के लिए अभियान छेड़ा था। इस दौरान म्यांमार की सेना ने फाइटर जेट और वाय-12 विमान से भारी बमबारी की। इसी जवाबी कार्रवाई में पीएलए ने .50 कैलिबर की Mw ब्राउनिंग मशीन गन से उस फाइटर जेट को मार गिराया जो ऊपर से बम बरसा रहा था।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

शाखाः आनंद नगर, जबलपुर, 2048 अ/2048 ब, आनंद नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.)- 482004
Ph: 0761-2432077, 9109173112, Email: dbajab@bankofbaroda.com

सूचना

(वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत नोटिस (सरफेसी एक्ट)

बैंक ऑफ बड़ौदा, आनंद नगर शाखा, जबलपुर के माध्यम से प्राप्त किये गये ऋण जो कि दिनांक 11/05/2025 को एन.पी.ए. हो चुका है व जिसमें निम्न वर्णित दिनांक को निम्न वर्णित बकाया राशि शेष थी, उसकी विस्तृत मांग सूचना निम्न वर्णित ऋणी को वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत निम्न वर्णित दिनांक 29/05/2025 को पंजीकृत डाक पावती सहित द्वारा आप सभी को भेजी गई थी। जो कि प्राप्तकर्ता उपलब्ध नहीं होने के कारण/अस्वीकृत कर देने के कारण वापस कर दी गई है। निम्न वर्णित मांग सूचना दिनांक में हमने इस आशय को स्पष्ट कर दिया है, कि आपके द्वारा सूचना में दर्शाई राशि 60 दिनों के अंदर जमा नहीं कराई गई तो उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार बैंक में दृष्टिबंधक प्रतिभूति एवं बंधक संपत्ति जो कि निम्नलिखित ऋणी/जमानतदार के नाम है, उसका आधिपत्य ले लिया जाएगा। बकाया राशि का उल्लेख निम्नानुसार है-

ऋणी/जमानतदार का नाम व पता	(₹) मांग सूचना दिनांक / बकाया राशि	संपत्ति का विवरण
ऋणी- श्रीमति रानू अवस्थी पत्नि कृष्ण कांत अवस्थी, कचनार क्लब के सामने, कचनार सिटी, फर्स्ट फ्लोर, वार्ड नं. 72, जबलपुर (म.प्र.)- 482001	29/05/2025 (₹) 31,33,887/- + ब्याज + अन्य खर्चे 10/01/2025	साम्य बंधक आवासीय सम्पत्ति स्थित मौजा बैतला, बंदोबस्त नं. 52, प.ह.नं. 25, पुराना आर.आई. सर्किल जबलपुर-1, नया आर.आई. सर्किल- जबलपुर, आनंद नगर, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस वार्ड, वार्ड नं.- 42, तहसील अधारताल एवं जिला जबलपुर, भूमि खसरा नं. 189/3 एवं 191/2, नामांतरण पश्चात खसरा नं. 189/3/46, सोसाइटी प्लाट नं. डी.एस. 90, कुल एरिया- 40X60= 2400 वर्गफुट। सम्पत्ति स्वामी- श्रीमति रानू अवस्थी। चतुर्सीमा- उत्तर- प्लाट नं. 89 का भाग, दक्षिण- प्लाट नं. 91, पूर्व- प्लाट नं. 93, रोड, पश्चिम- कॉलोनी रोड।

अतः आप सभी को सुझाव दिया जाता है कि उक्त मांग सूचना पत्र/लिफाफा जो कि आप को डाक द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा, आनंद नगर शाखा, जिला जबलपुर (म.प्र.) से भेजा गया था। (1) आप नोटिस की कॉपी बैंक से प्राप्त कर लें ताकि आपको सूचना की संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाये एवं (2) मांग सूचना में दर्शाई गई बकाया राशि ब्याज एवं खर्च आदि सहित मांग सूचना की दिनांक के 60 दिनों के भीतर जमा करें ताकि सरफेसी अधिनियम के तहत कार्यवाही से बच सकें।

स्थानः जबलपुर, दिनांकः 12/06/2025 **प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा**

कार्यालय नगर परिषद, साांईखेड़ा, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

Main Road, Sainkheda Phone: 07791-250320
Email: cmosaikheda@mpurban.gov.in)

पत्र क्र. 972/ ई-टेण्डर/ 2025-26 साांईखेड़ा, दिनांक - 11.06.2025

द्वितीय दुकान ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद सांईखेड़ा के स्वामित्व की मेन मार्केट में निर्माणाधीन काम्पलेक्स की दुकानों को म.प्र. नगरपालिका (अचल संपत्ति का अंतरण) नियम 2016 तथा संशोधित नियम 04 मई 2021 एवं दिनांक 28.03.2023 (निविदा दिनांक तक हुए समस्त संशोधनों सहित) में उल्लेखित एवं विरचित प्रावधानों के अधीन आवंटन हेतु लमसम दर पर ऑनलाईन निविदा ऑफर आमंत्रित किया जाता है। दुकानों से संबंधित विवरण निम्नानुसार है :-

सं. क्र.	टेन्डर आई.डी.नं. जारी दिनांक	दुकान क्र.	क्षेत्रफल वर्गफीट	दुकानों का वर्ग (आरक्षण)	न्यूनतम प्रीमियम राशि	प्रतिभूति निक्षेप/अर्नेस्ट मनी राशि (2.5 प्रतिशत)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_UAD_ 421196_2 12/06/2025	1	12x9.8	अनारक्षित	369852.00	9250.00	2000.00	27/06/2025
2	2025_UAD_ 421197_2 12/06/2025	2	12x10.8	अन्य पिछड़ा वर्ग	407592.00	10190.00	2000.00	27/06/2025
3	2025_UAD_ 421200_2 12/06/2025	3	12x10.8	अनुसूचित जाति	407592.00	10190.00	2000.00	27/06/2025
4	2025_UAD_ 421201_2 12/06/2025	4	12x18	अनारक्षित	679320.00	16990.00	2000.00	27/06/2025
5	2025_UAD_ 421205_2 12/06/2025	7	12x20.9	अनारक्षित	788766.00	19720.00	2000.00	27/06/2025
6	2025_UAD_ 421206_2 12/06/2025	8	12x20.9	अनुसूचित जाति	788766.00	19720.00	2000.00	27/06/2025
7	2025_UAD_ 421207_2 12/06/2025	9	12x20.9	अनारक्षित	788766.00	19720.00	2000.00	27/06/2025
8	2025_UAD_ 421208_2 12/06/2025	10	12x20.9	अनारक्षित	788766.00	19720.00	2000.00	27/06/2025
9	2025_UAD_ 421214_2 12/06/2025	16	12x15	अनारक्षित	566100.00	14155.00	2000.00	27/06/2025
10	2025_UAD_ 421216_2 12/06/2025	18	12x15	अनारक्षित	566100.00	14155.00	2000.00	27/06/2025
11	2025_UAD_ 421217_2 12/06/2025	19	12x25.8	अनारक्षित	973692.00	24350.00	2000.00	27/06/2025

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑन लाईन https://www.mptenders.gov.in की बेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

अध्यक्ष, नगर परिषद, साांईखेड़ा **मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद, साांईखेड़ा**

निविदा/ नियुक्ति/ जाहिरात

पश्चिम मध्य रेल
वाणिज्य विभाग जबलपुर मंडल
पश्चिम मध्य रेल क्र. जबल/सी/170/ ई-ऑक्शन/विविध/25
दिनांक:05-06-2025

वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक जबलपुर द्वारा IREPS पर पंजीकृत संस्थाओ से ई-ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापन एवं एसएलआरलीजिंग ठेके हेतु बोलियाँ आमांत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर प्रकाशित किया जा चुका है जबलपुर मंडल के आगामी ई-. ऑक्शन का विवरण निम्नवत है। :- **श्रेणी** - पार्सल लीजिंग **कैटेलाग : JBP-C-Par-53** **एसेट विवरण :** जबलपुर मंडल की गाड़ी संख्या 12160 (जबलपुर-अमरावती), 11651 (जबलपुर -सिंगरौल),18245 (रीवा - बिलासपुर), 12187 (जबलपुर -सी.एस.एम. टी.) 22190 (रीवा - जबलपुर), 12186 (रीवा - आर.के.एम.पी.), 22188 (अधारताल- आर. के.एम.पी.), 22162 (दमोह- भोपाल), 20906 (रीवा - एकता नगर), 22189 (जबलपुर - रीवा), 11706 (रीवा -जबलपुर), 11751 (रीवा-चिरमरी), 12192 (जबलपुर - निजामुद्दीन), 19014 (कटनी - भुसावल), 12062 (जबलपुर- RKMP), 11449 (जबलपुर - श्री माता वैश्णो देवी कटरा) के एसएलआर एवं 121878 - 12188 (जबलपुर - सी.एस.एम.टी. - जबलपुर) के पार्सल वैन लीजिंग हेतु। **ऑक्शन प्रारंभ** - 20-06-2025 11:00 hrs **ऑक्शन समापन :** 20-06-2025 14:20 hrs **1.** बोलीदाताओ को सलाह दी जाती है कि ई-ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिए रेलवे की वेबसाइट निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाईट www.ireps.gov.in. देखे। **2.** उक्त ई-ऑक्शन आई.आर.ई.पी.एस (IREPS) के ई-ऑक्शन मोडयूल के माध्यम से आमांत्रित किया गया है। **3.** ई-ऑक्शन सम्बन्धित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, का दायरा ठेके की अवधि, नियम एवं शर्ते आदि आ. ई.आर.ई.पी.एस (IREPS) की वेबसाईट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है। **4.** बोलीदाता IREPS में उल्लेखित दिनांक एवं समय ही ई-ऑक्शन में भाग ले सकते है। **5.** सभी संभावित बोली दाताओ से अनुरोध है कि ई-ऑक्शन से सम्बन्धित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रुप से वेबसाईट www.ireps.gov.in. का अवलोकन करते रहे।

(हस्ता.)
कृते मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य),
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

लॉस एंजिलिस में बवाल

जगह-जगह आगजनी और तोड़फोड़, मेयर ने लगाया कर्फ्यू

वाशिंगटन। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में विरोध प्रदर्शन के चलते शहर के बीच में कर्फ्यू लगा दिया दिया है। लॉस एंजिलिस के मेयर ने ये कर्फ्यू लगाया है।

पश्चिम मध्य रेल
विद्युत (सामान्य शाखा)
खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत सामान्य), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा सूचना कं.** - जबल/एल/टी न 09/2025 दिनांक 05.06.2025 **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** DSD जबलपुर, कोचिंग डिपो रीवा, जीएम ऑफिस जबलपुर और बॉक्स -एन आरओएच शेड एनकेजे में नवीकरण कार्य । (I) स्टोर डिपो- डीएसडी/जेबीपी के बुनियादी ढांचे में सुधार (ii) रीवा कोचिंग डिपो में वंदे भारत स्टोर भवन का निर्माण (iii) जबलपुर में जीएम ऑफिस में लेखा विभाग के अधिकारी कक्षों का नवीनीकरण (iv) आरओएच शेड एनकेजे में अतिरिक्त गोदाम भवन के प्रावधानों के साथ स्टोर डिपो बॉक्स-एन/एनकेजे के बुनियादी ढाचे में सुधार । **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत लाखों में) :** रू. 49,54,042.74/-, **निविदा फार्म की कीमत (रूपये में)** - 0.00/-, **कार्यालय का पता जहां टेण्डर फार्म खरीदा जा सकता है।** वरि.मंडल विद्युत अभियंता/जबलपुर **बयाना राशि रूपये :** रू. 99100.00 **समापन अवधि (माह/वर्ष)** - 06 माह **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** - 27.06.2025 **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** - 27.06.2025, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेब साइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है । पूर्व निविदा प्रपत्र उक्त वेब साईट से डाउनलोड की जा सकती है ।

(हस्ता.)
वरि.मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

मेयर करेन बास ने कहा, मैंने लोकल इमरजेंसी का एलान किया है और लॉस एंजिलस के डाउनटाउन में तोड़फोड़ और लूटपाट को रोकने के लिए कर्फ्यू जारी किया है।

मेयर के अनुसार, कर्फ्यू मंगलवार रात 8 बजे (स्थानीय समयानुसार) बुधवार सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा। करेन बास ने कहा कि कर्फ्यू कई दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। मेयर करेन बास ने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के अप्रवासी नागरिकों के घरों पर चल रहे छापों के विरोध में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ।

सिएटल, ऑस्टिन, शिकागो और वॉशिंगटन, डी.सी। जैसे शहरों में प्रदर्शन भड़क उठे हैं, जहां प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए। इस वजह से फेडरल बिल्डिंग के पास यातायात ब्लॉक रहा। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में विरोध प्रदर्शन को शांति, सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय संप्रभुता पर एक पूर्ण हमला बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर अपने भाषण में ये बात कही है।

हिंसा से निपटने के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती- प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए ट्रंप प्रशासन ने लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड को तैनात किया। हालांकि, ट्रंप के इस फैसले की काफी आलोचना हो रही है। वहीं, ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्होंने कैलिफोर्निया में नेशनल गार्ड की तैनाती करके 'बहुत बढ़िया फैसला' लिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नेशनल गार्ड सैनिकों और मरीन को तैनात करने के कराण ये विरोध प्रदर्शन और हिंसक हो गया।

Amarpatan Nagar Parishad

संपत्ति आईडी 7002003838 जावक नं. 3713
प्रकरण क्र. शहरी स्थानीय निकाय-PT3713 दिनांक 03-06-2025

नामान्तरण आपत्ति का सूचना पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **MR. SHUBHAM SONI, S/O SANTOSH SONI, S/O SANTOSH SONI** हस्ते **anjul soni S/O pardeshi soni** ने भवन / भूखण्ड क्रमांक 125, **Amarpatan** 485775 **Ward**-15 पिन क्रमांक / पुरानी सम्पत्ति आई.डी- 4040003434 प्लाट एरिया- 892, निर्माण एरिया- 1784.0

क्र. सं.	उपयोग प्रकार	उपयोग कारक	ज़मीन	निर्माण	क्षेत्र
1	आवासीय	स्वयं-उपयोग	पहली मंजिल	आर.सी.सी, आर या पत्थर की छत युक्त पक्के भवन	892.0
2	वाणिज्यिक	किराये से	ग्राउंड फ्लोर	आर.सी.सी, आर या पत्थर की छत युक्त पक्के भवन	892.0

प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर निम्नलिखित नाम/नामो 1. **anjul soni S/O pardeshi soni** पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है।

जिस किसी को उक्त नामान्तरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर **Amarpatan Nagar Parishad** के कार्यालय में नामान्तरण शाखा में लिखित एवं प्रमाण-पत्र सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थनापत्र प्रस्तुतकृत का नाम कर निर्धारण पुस्तिका में अंकित कर दिया जावेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

CMO/RJ/ राजस्व अधिकारी Amarpatan Nagar Parishad

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल- डिण्डौरी (मध्य प्रदेश)

क्रमांकः Q/ निर्वाह /2025 डिण्डौरी, दिनांक 06/06/2025

तृतीय निविदा

तृतीय वार्षिक निविदा (ई-टेन्डंरिग) सूचना वर्ष 2025-2026 का प्रारूपः-

जिला जेल डिण्डौरी में परिरूद्ध बंदियों के स्वास्थ्य व्यवस्था हेतु खण्ड-1 दवाईयों के क्रय एवं पैथालॉजी पर व्यय के लिये द्वितीय वार्षिक निविदा ई-टेन्डर के माध्यम से सीलबंद लिफाफे में दिनांक 05/07/2025 को अपरान्ह 05:30 बजे तक संलग्न निम्न शर्तों अनुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	विवरण	दिनांक	स्थान
1.	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि निविदा फार्म की कीमत 05 लाख तक 500/- रुपये एवं 05 लाख से अधिक की निविदा पर 1000/- प्रति फार्म राशि आनलाईन शीर्ष 0056-800 अन्य प्राप्तियों में जमा किया जावेगा।	04.07.2025 को सांयकाल 5:30 बजे तक	वेबसाइड http://mptenders.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।
2.	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	05.07.2025 को सांयकाल 5:30 बजे तक	वेबसाइड http://mptenders.gov.in पर स्वीकृत की जावेगी।
3.	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज) एवं नमूने की गुणवत्ता परीक्षण	08.07.2025 को सांयकाल 11: 30 बजे तक	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल डिण्डौरी
4.	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	10.07.2025 को दोपहर 01:00 बजे तक	................."...................

निविदा फार्म एवं निविदा से सबंधित जानकारी वेबसाइड http%//mptenders.gov.in पर भी प्राप्त की जा सकती है. निविदा फार्म दर्शित वेबासाइड पर क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन पेमेन्ट कर क्रय किया जा सकता है।

जेल अधीक्षाक

खण्ड - I
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन

कार्यालय वनमण्डल अधिकारी उत्तर (सा.) वनमण्डल बालाघाट मध्य प्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या/03/ई-टेंडरिंग/2025-26 बालाघाट, दिनांक 04.06.2025

1. वनमण्डल अधिकारी उत्तर सा. वनमण्डल बालाघाट द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्न लिखित निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	सामग्री का विवरण	IS Specification	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1.	लोहा/सरिया (ISI Mark TMT) (8 MM)	IS 1786:2008	400000	1000/- Tax
2.	लोहा/सरिया (ISI Mark TMT) (10 MM)	IS 1786:2008		
3.	लोहा/सरिया (ISI Mark TMT) (12 MM)	IS 1786:2008		
4.	लोहा/सरिया (ISI Mark TMT) (16 MM)	IS 1786:2008		
5.	सीमेंट (PPC Cement, 50 kg per Bag.)	IS 1489		
6.	रेत प्रति घ.मी. रेत-साफ सुथरी मानक अनुसार	IS 1542		
7.	गिट्टी 10 एम.एम. प्रति घ.मी.	IS 383		
8.	गिट्टी 20 एम.एम. प्रति घ.मी.	IS 383		
9.	गिट्टी 40 एम.एम. प्रति घ.मी.	IS 383		
10.	स्टोन डस्ट (Stone Dust) प्रति घ.मी.	IS 383		
11.	मुरम (हार्ड) प्रति घ.मी.	IS 2720		
12.	बोल्डर स्टोन प्रति घ.मी.	IS 383		
13.	फर्स्ट क्लास कुम्हारी ईंट (पका भट्टे का) साईज (9"x4"3") इंच प्रति हजार	IS 1077		
14.	ईंट (Fly Ash Brick) साईज (9"x4"3") इंच प्रति हजार	IS 12894 & 13757		

* निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल एवं विभागीय बेवसाईट www.mpforest.gov.in पर निशुल्क देखे और डाउनलोड किये जा सकते है। * इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 05-06-2025, बजे 10:00 AM से दिनांक 18-06-2025, बजे 11: 00 AM तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है। * ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्तवपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी। * निविदा पूर्व बैठक दिनांक 13-06-2025 समय 02-00 PM को उप वनमण्डल कार्यालय उकवा (सा.) उप वनमण्डल बालाघाट में आयोजित की जायेगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं या विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग ले सकते है। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होगें जिन्होंने ई-टेंडर फॉर्म खरीदे है। * ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जायेगा, समाचार पत्रों में नहीं। * ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल - https://mptenders.gov.in

वनमण्डलाधिकारी
जी-14162/25 उत्तर सा. वनमण्डल बालाघाट

14 फिलिस्तीनियों की मौत, 90 घायल

तेलअवीव। गाजा के रफाह में एक बार फिर से इजरायली गोलीबारी में कम से कम 14 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है, जबकि करीब 90 लोग घायल हुए हैं। ये गोलीबारी तब की गई जब लोग खाने के लिए लाइन में लगे थे। भोजन वितरण का काम इजरायल और अमेरिका समर्थित संगठन की तरफ से किया जा रहा था। इसी बीच इस हमले के बाद चारों तरफ चीख-पुकार मच गया।

गाजा में कई घरों में मातम पसरा है। अस्पतालों में शवों के ढेर लगे हुए हैं। कई ऐसे हैं जो अस्पताल में ज़िंदगी की जंग लग रहे हैं। इजरायली सेना ने खाने के लिए लाइन में लगे फिलिस्तीनियों को गोलियों से भून डाला। उनका कसूर इतना था कि भुखमरी झेल रहे ये लोग खाने के लिए रफाह में भोजन वितरण केंद्र पर पहुंचे थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वोट डालने से ....

आदिवासी सरपंच का पति ओबीसी- मंगलवार को सुबह नौ बजे से सरपंच पति ने स्वजन और समर्थकों को पंचायत भवन के मुख्य मार्ग में इकट्ठा कर लिया था। आरोप है कि यहां सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं थी। ग्राम पंचायत की सरपंच आदिवासी महिला सरिता पट्टा हैं, जबकि उनके पति चमरू यादव ओबीसी वर्ग के हैं। पंचों का आरोप था कि पंचायत की कमान सरपंच के पति ही संभाल रहे थे। उनके द्वारा लगातार वित्तीय अनियमितताएं की जा रही थीं।

अविश्वास प्रस्ताव गिरने पर सवाल - 20 वार्ड वाली ग्राम पंचायत में 17 पंच वर्तमान सरपंच के विरोध में थे। दो पंच पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में अविश्वास प्रस्ताव पास होना तय माना जा रहा था। भारी विवाद के बीच अविश्वास प्रस्ताव गिरने पर पीड़ित पंचों ने सवाल खड़े किए हैं।

देश-प्रदेश

उवाच

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का माना आभार

भोपाल,देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत के सामाजिक सुरक्षा कवरेज विस्तार को अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा मान्यता देने पर नागरिकों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सामाजिक सुरक्षा कवरेज में भारत की उल्लेखनीय वृद्धि केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की सार्वजनिक सेवा और समावेशी विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का शानदार उदाहरण है। सामाजिक सुरक्षा कवरेज अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचने और हर नागरिक को सम्मान के साथ मुख्य धारा में शामिल करने के हमारे संकल्प को दर्शाता है।

राजा हत्याकांड : सोनम ने कबूल किया जुर्म

मेघालय पुलिस ने प्रेमी राज से कराया आमना-सामना

8 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

शिलांग, 11 जून (एजेंसियां)। सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी की मौत में अपनी भूमिका को स्वीकार करते हुए बुधवार को अपना जुर्म कबूल कर लिया। मेघालय पुलिस ने जब उसके प्रेमी राज कुशवाहा से उसका आमना-सामना कराकर उससे पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने जब सोनम और राज कुशवाहा का आमना-सामना कराया, तो खून से सनी जैकेट, सोनम का रेनकोट और अन्य सबूत सामने रखे गए थे।

पुलिस ने इन सबूतों के बारे में जब सोनम से सवाल किया, तो वह मौन हो गई। लेकिन इसके बाद सोनम ने सभी सबूतों को देखते हुए अपना गुनाह कबूल कर लिया। सोनम ने कबूल कर लिया कि उसने तीन सुपारी किलर्स आकाश राजपूत, विशाल उर्फ विक्की ठाकुर और आनंद कुर्मी के साथ मिलकर अपने पति राजा रघुवंशी को मौत के घाट उतारा था। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि मेघालय से सोनम लगातार अपने प्रेमी राज को अपने लोकेशन के बारे में पूरी जानकारी देती रही। वह बताती रही कि अब ये लोग कहां पहुंचे हैं और आगे क्या करने जा रहे हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि शादी के बाद ही सोनम ने अपने प्रेमी राज के साथ मिलकर पति राजा रघुवंशी को मौत के घाट उतारने का प्लान बना लिया था। प्लान के अनुसार यह सब कुछ किया गया।

जांच भटकाने की कोशिश की-सोनम ने इस मामले में पुलिस जांच को भटकाने की पूरी कोशिश की। उसने राजा रघुवंशी के फोन से एक सोशल मीडिया पोस्ट भी शेयर की थी, जिसे उसने कैप्शन दिया था 'सात जन्मों का साथ'। हालांकि जब सख्ती से पूछताछ की गई, तो सोनम ने सब सच उगल दिया।

शिलांग में हुए चर्चित राजा रघुवंशी मर्डर केस के सभी आरोपियों को कोर्ट ने 8 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। मेघालय पुलिस ने सोनम समेत सभी पांच आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगी थी। इस पर कोर्ट ने सभी आरोपियों की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली है।

राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

वंचित वर्ग के छात्रों की समस्याओं को हो समाधान

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर वंचित समुदायों के छात्रों को शिक्षा हासिल करने में आ रही समस्याओं का निवारण करने का अनुरोध किया है। कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में बिहार के दरभंगा स्थित अंबेडकर छात्रावास में छात्रों की परेशानियों का भी जिक्र किया है। पीएम मोदी को लिखे पत्र में राहुल गांधी ने दो महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने का अनुरोध किया। दरअसल, राहुल गांधी हाल ही में बिहार दौरे के दौरान दरभंगा पहुंचे थे। यहां वह अंबेडकर छात्रावास पर पहुंचे थे, जहां छात्रों ने अपनी परेशानियों से राहुल गांधी को अवगत कराया था। राहुल ने पीएम मोदी से कहा कि मैं आपसे दो महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने का अनुरोध करता हूं जो वंचित समुदायों के 90 प्रतिशत छात्रों के लिए शिक्षा के अवसरों में बाधा डालते हैं। सबसे पहले, दलित, एसटी, ईबीसी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के लिए आवासीय छात्रावासों की स्थिति बहुत खराब है। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के दरभंगा में अंबेडकर छात्रावास के हाल के दौरे के दौरान छात्रों ने शिकायत की कि एक ही कमरा है जिसमें 6-7 छात्रों को रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है, शौचालय गंदे हैं, पीने का पानी असुरक्षित है, मेस की सुविधा नहीं है और पुस्तकालयों या इंटरनेट तक पहुंच नहीं है।

बिहार के दरभंगा स्थित अंबेडकर छात्रावास में छात्रों की परेशानियों का भी जिक्र किया

निराश्रित गौवंश के आश्रय का होगा स्थाई समाधान : मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश में बनेंगे कामधेनु निवास

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित गौवंश की आश्रय समस्या के निराकरण के लिए स्थाई समाधान निकाला गया है। अब प्रदेश में कामधेनु निवास (स्वावलंबी गौशाला) स्थापित होगी, जहां बड़ी संख्या में गौवंश की देखभाल की जाएगी। इसके लिए सरकार द्वारा मध्यप्रदेश राज्य में स्वावलंबी गौशालाएं (कामधेनु निवास) स्थापना की नीति 2022 को स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है।

इस नीति के तहत प्रदेश में स्वावलंबी गौशालाएं स्थापित की जाएंगी, जिनमें न्यूनतम 5000 गौवंश का पालन अनिवार्य होगा। इनमें से 30 प्रतिशत गौवंश उन्नत दुधारू नस्ल का हो सकता है। सरकार द्वारा अधिकतम 125 एकड़ शासकीय भूमि के उपयोग के अधिकार गौशाला संचालकों को दिए जाएंगे। इन गौशालाओं में 5000 से अधिक गौवंश होने पर प्रति 1000 गौवंश पर 25 एकड़ अतिरिक्त शासकीय भूमि दी जा सकेगी। पशुपालन एवं डेयरी विभाग लैंड बैंक तैयार करेगा। भूमि पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वामित्व में रहेगी तथा विभाग की तरफ से मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड और गोपालक संस्था के मध्य उपयोग अनुबंध निष्पादित किया जाएगा। भूमि जैसी है वैसी के आधार पर उपलब्ध कराई जाएगी। भूमि पर विकास कार्य गोपालक संस्था को करवाना होगा।

कामधेनु निवास की स्थापना के लिए कोई भी पंजीकृत संस्था जैसे कि फर्म, ट्रस्ट, समिति, कंपनी अथवा उनके संघ इस योजना का लाभ ले सकेंगे। संघ अधिकतम पांच संस्थाओं से लिए मान्य होगा, इससे अधिक संख्या वाले संघ को मान्यता नहीं होगी। इन गौशालाओं में गोपालन के साथ ही पंचगव्य निर्माण, बायोगैस, जैविक खाद, नस्ल सुधार, दुग्ध प्रसंस्करण, सौर ऊर्जा, बायोगैस आदि व्यावसायिक गतिविधियां की जा सकेंगी।

निविदा/नियुक्ति /जाहिरात

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, ANURADHA is legally wedded spouse of Army No JC-583421F Rank SUB Name PARSHOTAM KUMAR Presently residing at Vill- BADALI PO-VIJAY-PUR Teh- VIJAYPUR Distt SAMBA (J&K) PIN-184120 शपथ पूर्वक कथन करती हूं कि मेरा नाम ANURADHA to ANU RADHA में परिवर्तन हुआ है इस आशय का शपथ पत्र साथ में संलग्न है द्वारा शपथ पत्र 33AA 136258 दिनांक 11/06/2025 नोटरी जबलपुर म प्र

INCORRECT NAME - ANURADHA
CORRECT NAME - ANU RADHA

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, ARMY NO 13628357K, RANK-L/NK, NAME- VARANIYA MAHESH PRAVINBHAI, UNIT- 115 INF BRIGADE R/O HOUSE NUMBER 10/20 SHASTRI NAGAR VILLAGE-GANDHIGRAM, POST-SADAR BAZAR, TEH- RAJKOT, DISTT- RAJKOT, STATE- GUJRAT PIN- 360007 शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी माताजी का नाम VARANIYA HANSABEN एवं मेरे पिताजी का नाम VARANIYA PRAVINBHAI एवं मेरे पत्नी का नाम UNAVA DAYA RAGHABHAI दर्ज है जो कि गलत है। मेरी माताजी का सही नाम VARANIYA HANSABEN PRAVINBHAI एवं मेरे पिताजी का सही नाम VARANIYA PRAVIN RAMJIBHAI एवं मेरे पत्नी का सही नाम VARANIYA DAYA MAHESHBHAI है जो कि उनके आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है, एवं मेरी माताजी एवं मेरे पिताजी एवं मेरे पत्नी के इन नामों को पढ़ा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, Army no 13767877A Rank HAV Name SATISH KUMAR OF UNIT- 1 JAK RIF Presently residing at VILL- NIKKIAN MARCHANGI, PO-KHOUR, TEH-AKHNOOR, DISTT-JAMMU, STATE- J&K, PIN- 181203 शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरी माताजी का नाम RATTONO DEVI से RATTANO DEVI परिवर्तन हुआ है इस आशय का शपथ पत्र साथ में संलग्न है। द्वारा शपथ पत्र दिनॉक 11/06/2025 नोटरी जबलपुर मप्र । कृति

In The Court of VI Additional District and Session Judge, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: विपिन सिंह भदौरिया
आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु
(MJC GW/0000031/2025)
श्रीमती जोशना लाला...............वादी
Vs
आम जनता.....प्रतिवादी
Process Id- /2025
पेशी दिनांक :21/07/2025
प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- जबलपुर मध्यप्रदेश

यह कि प्रार्थी श्रीमती जोशना लाला ने आपके विरुद्ध एमजेसीजीडब्ल्यू आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1860 वास्ते आवेदिका के नाबालिग बच्चों के नाम की सम्पत्ति विक्रय किये जाने की अनुमति प्रदान किये जाने बावत के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 09 जून 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी-प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1860 वास्ते आवेदिका के नाबालिग बच्चों के नाम की सम्पत्ति विक्रय किये जाने की अनुमति प्रदान किये जाने बावत की छायाप्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें: 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
(विपिन सिंह भदौरिया)
जिला न्यायाधीश (षष्ठम)
र.नं. 737 जबलपुर (म.प्र.)

In The Court of III Civil Judge Class-II, District Court Jabalpur
Presiding Officer: रिशा अहमद कुरैशी
आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु
(RCS A/0000584/2025)
रेखा साहू...............वादी
Vs
दीपशिखा बघेल.....प्रतिवादी
Process Id- /2025
पेशी दिनांक :17/06/2025
प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- जबलपुर मध्यप्रदेश

यह कि प्रार्थी रेखा साहू ने आपके विरूद्ध सिविल सूट ए नोट दावा वास्ते वसीयतनामा दिनांक 12. 06. 2016 के आधार पर स्वत्व घोषणा बावत वाद मूल्यांकन 100000 रुपए न्याय शुल्क पांच सौ रुपए चस्पा दावा वास्ते स्थायी निषेधाज्ञा हेतु वाद मूल्यांकन 1000 रुपए न्याय शुल्क 120 रुपए चस्पा कुल वाद मूल्यांकन 101000 रुपए कुल न्यायशुल्क 620 रुपए के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 05 जून 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
टिप्पणी:-उपस्थित्ति हेतु नोटिस। नोट दावा वास्ते वसीयतनामा दिनांक 12 06 2016 के आधार पर स्वत्व घोषणा बावत वाद मूल्यांकन 100000 रुपए न्यायशुल्क पांच सौ रुपए चस्पा दावा वास्ते स्थायी निषेधाज्ञा हेतु वाद मूल्यांकन 1000 रुपए न्यायशुल्क 120 रुपए चस्पा कुल वाद मूल्यांकन 101000 रुपए कुल न्यायशुल्क 620 रुपए की छायाप्रति संलग्न
कृपया ध्यान दें-
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
रिशा अहमद कुरैशी
तृतीय सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ खण्ड)
र.नं. 735 जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक- 13 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र.- सभा. अधि./13/मुख्यालय/ 2025/26/एम/43 दिनांक 10.6.2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अतुल अग्रवाल (एच.यू.एफ.) द्वारा कर्ता श्री अतुल अग्रवाल पिता स्व. श्री जागेश्वर नाथ अग्रवाल मकान नं. 636/1 एफ 101 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान भूतल 888 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक- 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
कृति राजस्व निरीक्षक संभाग-13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)
लोककर्म विभाग // द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //
निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। के लिए ऑन लाईन निविदाएं है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	PRO-222 Date-11/06/2025 2025_UAD_ 429404_1	नया वार्ड क्रं. 76 के अंतर्गत इमलिया में कंचन डेरी से सूरज डेरी तक आर सी सी नाली एवं आर सी सी पुलिया निर्माण कार्य (पार्षद अनुशंसा)	2 माह 2.20 लाख	2,000/- 2203/-	20/06/2025

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
कार्यपालन यंत्री, (लोककर्म विभाग), नगर निगम जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./3376/ अ-6/ 2025-2026 जबलपुर, दिनांक 11/06/25
// आम इश्तहार //
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक अंजन कुमार चटर्जी पिता स्व. श्री अधीर कुमार चटर्जी निवासी- 759, स्नेह नगर, जबलपुर के द्वारा मौजा लक्ष्मीपुर, स्थित भूमि खसरा नंबर 152/2, 153/2,3 रकबा 49800 में से 985 वर्गफुट का शम्भूश्री अपार्टमेंट में फ्लैट आलोक मिश्रा पिता श्री शम्भू प्रसाद मिश्रा से दिनांक 23/6/2008 को खरीदी किये जाने के कारण वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र/ फौती/ वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 18/06/2025 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक 11/06/2025
पेशी दिनांक 18/06/2025
मुहर तहसीलदार अधारताल, जबलपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल
-: आम इश्तहार :-
रा.प्र.क्र. 0760/अ-6/ 2024-25
जबलपुर, दिनांक 09/06/2025
एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री / श्रीमती श्री अतुल श्रीवास्तव पिता / पति स्व. जुगल किशोर ग्राम/नगर/ 96, शांति नगर, गली न. 5, मिलोनीगंज, जबलपुर का मूल निवासी हूँ। मेरी माँ स्व. श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव द्वारा विक्रेता सुन्दर बाई पति स्व. मोहन लाल एवं कोमल प्रसाद पिता स्व. मोहन लाल काछी, निवासी अमखेरा, जबलपुर से भूमि मौजा- अमखेरा न.ब. 04, प.ह.न. 22 तहसील अधारताल भूमि खसरा न. 213 नवीन बंदोबस्त उपरांत खसरा न. 316 रकवा 2028 वर्गफुट जिला जबलपुर में स्थित पंजीकृत दस्तावेज / विक्रय पत्र द्वारा / ग्रन्थ क्रमांक 372 प्रष्ठ क्रमांक 85-86 पर क्रमांक 328 से दिनांक 06/07/1991 को विक्रय पत्र के आधार पर क्रय की गई थी। श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव की मृत्यु उपरान्त उनके वारसानो द्वारा भूमि का फौती नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव की मृत्यु उपरान्त उनके वारसानो में 1. श्री अतुल श्रीवास्तव (पुत्र), 2. ज्योत्सना भटनागर (पुत्री), 3. अर्चना वर्मा (पुत्री) 4. शोभना श्रीवास्तव (पुत्री), 5. अनुपमा श्रीवास्तव (पुत्री) के अलावा अन्य कोई विधिक वारसान नहीं हैं। वर्तमान में भूमि श्री / श्रीमती विक्रेता कोमल प्रसाद पिता स्व. मोहन लाल काछी एवं अन्य के नाम दर्ज है। तत्संबंध में नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज पेशी दिनांक 23/06/2025 तक कार्यालय तहसीलदार तहसील अधारताल जबलपुर में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक-09/06/25
पेशी दिनांक-23/06/25 अतिरिक्त तहसीलदार
मुहर अधारताल, जबलपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर
लोक सुनवाई की आम सूचना
सर्वसंबंधितों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14/9/2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत **मेसर्स माँ शारदा माईनिंग एण्ड केमिकल्स वर्क्स, संचालक श्री अजय सिंह, खसरा नं. 1009 (पी) ग्राम अगरिया, तहसील सिहोरा, जिला जबलपुर, लीज क्षेत्रफल 4.0 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता- माईनिंग ऑफ मिनरल्स लेटेराईट माईन, आर.ओ.एम. 1,61,526 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष, (लेटेराईट माईन 1,40,130 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष एवं ओ.बी./वेस्ट 21,396 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष)** हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम में लोक सुनवाई कराने हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में साफ्ट कापी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर जबलपुर (2) कार्यालय जिला पंचायत, जबलपुर (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जबलपुर (4) कार्यालय ग्राम पंचायत ग्राम अगरिया तहसील सिहोरा, जिला जबलपुर (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु-परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कॉलोनी, भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5, अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लाट नं. 455/456, विजय नगर, जबलपुर में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की वेबसाइड www.mppcb.nic.in पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। **इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 18/07/2025 दिन शुक्रवार को प्रातः 11.00 बजे मेसर्स माँ शारदा माईनिंग एण्ड केमिकल्स वर्क्स, ग्राम अगरिया, तहसील सिहोरा, जिला जबलपुर के खदान परिसर में आयोजित की जायेगी।** जिसमें भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।
क्षेत्रीय अधिकारी

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक- 05, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र./स. अधि./सं.क्र. 5/2025-26/21 दिनांक 10/06/2025
भवन नामांतरण
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्री सौरभ केशरवानी, शेखर केशरवानी पिता स्व. राजेन्द्र केशरवानी के द्वारा भवन क्रं. 995/1 का भाग वार्ड महाराणा गांधी वार्ड, भूतल 607+ 1199 व्या+ आ. प्रथम तल 1700 आ. दान पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा भवन क्रं. 995/1 का भाग पर नामांतरण हेतु, पंजीकृत स्वामी छविरानी, बाला प्रसाद, महेन्द्र, राजेन्द्र भवन क्रं. 995/1 का भाग पिन नं. 42001107, 1000368803 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
कृति संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5, नगर निगम जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील आधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./419 /अ-6/2025-2026
जबलपुर, दिनांक 08/05/2025
आम इश्तहार
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक मीतारानी जैन पिता रमेश चंद जैन निवासी चेरीताल दमोहनाका जबलपुर के द्वारा मौजा जबलपुर नजूल ब्लॉक नं. ..... प्लॉट नं. ...... स्थित भूमि खसरा नंबर 103 में से रकवा 1218 व.फु. भूमि पर सुधीर ना.बा. वल्द शारदा प्रसाद अन्य की क्रय दिनांक 13/7/83 को हो जाने के कारण वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र/ फौती/ वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 26/05/2025 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक-08/05/2025
पेशी दिनांक-26/05/2025
र.नं. 748 तहसीलदार अधारताल जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील आधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./..... /अ-6/2025-2026
जबलपुर, दिनांक 11/06/2025
आम इश्तहार
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक शरद कुमार गुप्ता पिता लाल जी प्रसाद गुप्ता निवासी 520 तुलाराम चौक गंजीपुरा जबलपुर के द्वारा मौजा जबलपुर नजूल ब्लॉक नं. 78 प्लॉट नं. 9/5 स्थित भूमि खसरा नंबर ... में से रकवा 644 व.फु. भूमि पर शरद, सुशीला अन्य जिसमें विकास गुप्ता की मृत्यु दिनांक 30/12/17 को हो जाने के कारण वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु फौती के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 18/06/2025 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक-11/06/2025
पेशी दिनांक-18/06/2025
र.नं. 750 तहसीलदार अधारताल जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम, जबलपुर
पत्रांक-स.क्र./03/एम-2025-26/ 55/ दिनांक 10.06.2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्री सुनील कुमार चौधरी पिता श्री बालू प्रसाद द्वारा एस.जी.एस. स्क्वायर ने भवन क्रं. यूनिट 11 वार्ड दादा बाबूराव परांजपे वार्ड, प्रथमतल 80 व.फु., विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रंमाक. भवन क्रं. यूनिट नं. 11 वार्ड दादा बाबूराव परांजपे वार्ड, पंजीकृत गृहस्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्री सुभाशीष विश्वास पिता स्व. बी.के. विश्वास एवं श्रीमती अनुशा विश्वास के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
र.नं. 747 संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-03 रामपुर नगर निगम, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार गोरखपुर जिला-जबलपुर
रा.प्र.क्रं./0208/अ-6/2022-23
जबलपुर, दिनांक ....
आम इश्तहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम तेवर प.ह.नं. 18 तहसील गोरखपुर-1 जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका जसवीर कौर एवं अन्य पति निर्मल सिंह जाति कौर निवासी हाथीताल कालोनी जबलपुर तह. गोरखपुर के द्वारा ग्राम तेवर बंदोबस्त नंबर 229 प.ह.नं. 18 में स्थित भूमि खसरा नं. 198 रकवा 0.3300 वर्गफुट/हेक्टेयर पंजीकृत विक्रय पत्र क्र. .. फौती नामांतरण मृत्यु दिनांक 10/01/2025 के माध्यम से क्रय कर राजस्व अभिलेखों में नामांतरण हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति हो तो लिखित में आपत्ति मय दस्तावेज सहित इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक - 30/05/2025
पेशी दिनांक - 16/06/2025
र.नं. 749
अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर जबलपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अधारताल, जबलपुर
आम-इश्तहार
रा.प्र.क्र. 2891/ अ-6/2025-26
आवेदक सत्येन्द्र चड़ार पिता स्व. मनमोहन लाल उर्फ मोहन लाल निवासी:- 1739 शांति नगर गली नं. 8 राजीव गांधी वार्ड द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र क्र./वसीयत क्र./दानपत्र क्रमांक/दस्ता क्र. 6724 दिनांक 02/12/74 के माध्यम से मौजा/नजूल ब्लाक मौजा गोहलपुर प.ह.न. .... स्थित भूमि खसरा नं. 38 रकवा 0.52= 840 वर्गफुट पर विक्रेता/ वसीयतकर्ता/ फौत/ दानकर्ता स्व. मनमोहन लाल उर्फ मोहन लाल पिता श्री बसोरे लाल द्वारा प्रेमलाल पिता श्री गणेश प्रसार कुम्हार निवासी बचैयापुरा मिलौनीगंज से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र एवं फार्म पी-।। खसरा की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: उपरोक्त नामांतरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 23/06/2025 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 09/6/25 इश्तहार किया गया।
जारी दिनांक- 09/06/2025
पेशी दिनांक- 23/06/2025
कृति नायब तहसीलदार, तहसील अधारताल जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र.- स.क्र.11/19-20/25-26 दिनांक 10/06/2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शैलेन्द्र कुमार झा पिता स्व. खूबचंद झा ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी वीरांगना अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक ... के बी फ्लेट क्र. 110 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000386816 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकबा ... व.फु. जिस पर निर्मित द्वितीय तल 1100 व.फु. आरसीसी पर निर्मित दस्तावेज प्रस्तुत विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री आशुतोष अग्रवाल पिता महेश चंद अग्रवाल का नाम हटाकर उनके एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने के लिए जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
कृति संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

आम सूचना
मैं अपने पक्षकार महताब आलम पिता जमालुद्दीन, उम्र 67 वर्ष, निवासी- 106, रामनगर, चितरंजन वार्ड, अधारताल, जिला जबलपुर की ओर से अधिकृत होकर आम जनता को इस सूचना पत्र के माध्यम से सूचित करता हूं कि:-
यह कि, मेरा पक्षकार उपरोक्त पते पर निवासरत है, मेरे पक्षकार के स्वत्व एवं अधिपत्य की चल एवं अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र खुर्शीद आलम पिता महताब आलम को बेदखल करता हूं, मेरा पुत्र जो कि व्यवसाय करता है, आज दिनांक के बाद मेरा उससे कोई सारोकार नहीं रहेगा ना ही मैं उसके किसी व्यापारिक लेन-देन, उधारी, कर्जा, उसकी घर गृहस्थी, शादी विवाह/निकाह से कोई लेना देना नहीं होगा एवं मैं अपने पुत्र खुर्शीद आलम की विवाह/निकाह के बाद को कोई वाद विवाद होता है तो उससे मेरा एवं मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का खुर्शीद आलम एवं उसकी पत्नी से कोई लेना देना इस आम सूचना के बाद नहीं रहेगा। मैं इस सूचना पत्र के माध्यम से अपने पुत्र खुर्शीद आलम को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं, यदि खुर्शीद आलम अपने व्यापार के संबंध में किसी बैंक एवं अपंजीकृत संस्था, दीगर व्यक्ति से कर्जा लेता है तो उसको अदा करने की जिम्मेदारी एवं जबावदारी खुर्शीद आलम की होगी, कोई भी बैंक एवं अपंजीकृत संस्था, दीगर व्यक्ति खुर्शीद आलम के द्वारा लिये गये कर्जा, ऋण की बसूली मुझसे नहीं कर सकता।
आम सूचना के प्रकाशन के बाद मेरा मेरे पुत्र खुर्शीद आलम से कोई लेना देना नहीं रहेगा एवं आज दिनांक के बाद से मैं अपने पुत्र खुर्शीद आलम को अपनी सम्पत्ति एवं अपने जीवन से उसके सभी हक व अधिकारो से बेदखल करता हूं, आज दिनांक के बाद से मैं अपने पुत्र खुर्शीद आलम को पिता पुत्र के रिश्ते से बेदखल करता हूं।
स्थान - जबलपुर
दिनांक - 09/06/2025
अजीत सिंह (अधिवक्ता)
म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर
र.नं. 753 मो.नं. 9301167523

न्यायालय नायब तहसीलदार अधारताल, जबलपुर
इश्तहार
रा.प्र.क्रं 0078/अ-6/2024-25
आवेदक लीलाधर कोष्टा पिता खन्नू लाल कोष्टा निवासी:- एल.आई.जी.-8 शांतिनगर जे.डी.ए. गार्डन जबलपुर द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र क्र./वसीयत क्र./दानपत्र क्रमांक ... दिनांक 31/03/2011 के माध्यम से मौजा/नजूल ब्लाक बैतला प.ह.न. 25 स्थित भूमि खसरा नं. 167/4 रकवा 752.6 वर्गफुट पर विक्रेता राजकुमारी कोरी से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र एवं फार्म पी-।। खसरा की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: उपरोक्त नामांतरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 18/06/2025 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक .... इश्तहार किया गया।
जारी दिनांक- 11/06/2025
पेशी दिनांक- 18/06/2025
र.नं. 754 नायब तहसीलदार, तहसील अधारताल जबलपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल जबलपुर
रा.प्र.क्र. 0377/ अ-6/2025-26
जबलपुर दिनांक 09/06/2025
आम इश्तहार
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक- मोहम्मद इकबाल पिता मोहम्मद इशहाक व अन्य निवासी 86/98 दक्षिण मिलौनीगंज जबलपुर के द्वारा ब्लॉक नं. 30, प्लाट नं. 32/1, 33 रकवा 1867 वर्गफुट भूमि भूमि पर फौती नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। वर्तमान में भूमि पर विक्रेता कैलाश वल्द रामकुमार नाई के नाम दर्ज है। यह कि आवेदकगण की माता श्रीमती कुरैशा बी पति मोहम्मद इशहाक का निधन दिनांक 08/09/1984 को हो गया है जिसने विधिक वारसानों में असगरी बेगम, सरबरी बेगम, मूना बेगम, हाजी मोहम्मद इकबाल, मदीना बेगम सभी के पिता मोहम्मद इशहाक, समीम वल्द इशहाक का निधन दिनांक 21.10.2021 को हो चुका है जिनके विधिक वारसानों जमीला बेवा समीम, अब्दुल कादर, सफीना बी, साहीन, नाजरीन, याशमीन सभी के पिता समीम है। इसके अलावा अन्य कोई विधिक वारसान नहीं है। ततसंबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दाबा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक... तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक 11/06/2025
पेशी दिनांक 17/06/2025
र.नं. 757 नायब तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर
रा.प्र.क्र. 0504/ अ-6/2025-26
इश्तहार
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, अग्नेश राजू पिता पी राजू निवासी गोरखपुर जबलपुर द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक..... के माध्यम से मौजा हाथीताल नं.बं. ..... प.ह.नं. 09 ख.नं. 147, 148 रकवा 0.174 वर्गफुट विक्रेता म.प्र. शासन से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र वसीयतनामा / बटवारा नामा/हस्तान्तरण पत्र/ हकत्याग पत्र/दान पत्र एवं नक्शा बंटाक की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 23/06/2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। समयाविधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 09/06/2025 को जारी।
जारी दिनांक - 09/06/2025
पेशी दिनांक - 23/06/2025
कृति नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर, जबलपुर

आम सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं उमेश सैयाम उम्र 36 वर्ष आत्मज स्व. हरनाम सिंह निवासी-6वीं वाहिनी बि.स.बल 48 क्वार्टर, एच.बी.-1. थाना रांझी जिला जबलपुर (म. प्र.) का निवासी हूँ तथा मैं 6वीं बटालियन एस.ए.एफ. रांझी जबलपुर में 755 आरक्षक के पद पर कार्यरत हूँ। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम उमेश सैयाम पिता स्व. हरनाम सिंह दर्ज है तथा मेरे आधार कार्ड एवं एन.पी.एस. कार्ड में मेरा नाम उमेश सिंह सैयाम (UMESH SINGH SAIYAM) पिता स्व. हरनाम सिंह सैयाम (HARNAM SINGH SAIYAM) दर्ज है। मैं अपने सर्विस रिकार्ड में अपना नाम उमेश सैयाम पिता स्व. हरनाम सिंह के स्थान पर सही नाम उमेश सिंह सैयाम (UMESH SINGH SAIYAM) पिता स्व. हरनाम सिंह सैयाम (HARNAM SINGH SAIYAM) संशोधित कर दर्ज कराना चाहता हूँ! अतः मुझे उमेश सिंह सैयाम (UMESH SINGH SAIYAM) पिता स्व. हरनाम सिंह सैयाम (HARNAM SINGH SAIYAM) के नाम से जाना पहचाना एवं लिखा पढा जावें!
पुराना नाम - उमेश सैयाम
पिता का नाम - स्व. हरनाम सिंह
नया नाम - उमेश सिंह सैयाम (UMESH SINGH SAIYAM)
पिता का नाम - स्व. हरनाम सिंह सैयाम (HARNAM SINGH SAIYAM)
कृति

आम सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं राम विश्वास काछी उम्र 46 वर्ष आत्मज श्री परसराम काछी निवासी- पी/252, शिव नगर कॉलोनी, दमोह रोड, जिला जबलपुर (म.प्र.) का निवासी हूँ तथा मैं 6वीं बटालियन एस.ए.एफ. रांझी जबलपुर में 552 आरक्षक के पद पर कार्यरत हूँ। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम राम विश्वास काछी पिता श्री परसराम काछी दर्ज है तथा मेरे आधार कार्ड एवं समग्र आई.डी. में मेरा नाम राम विश्वास पटेल (RAM VISHWAS PATEL) पिता श्री परशुराम पटेल (PARSHURAM PATEL) दर्ज है! मैं अपने सर्विस रिकार्ड में अपना नाम राम विश्वास काछी पिता श्री परसराम काछी के स्थान पर सही नाम राम विश्वास पटेल (RAM VISHWAS PATEL) पिता श्री परशुराम पटेल (PARSHURAM PATEL) संशोधित कर दर्ज कराना चाहता हूँ! अतः मुझे राम विश्वास पटेल (RAM VISHWAS PATEL) पिता श्री परशुराम पटेल (PARSHURAM PATEL) के नाम से जाना पहचाना एवं लिखा पढा जावें!
पुराना नाम - राम विश्वास काछी
पिता का नाम - श्री परसराम काछी
नया नाम - राम विश्वास पटेल (RAM VISHWAS PATEL)
पिता का नाम - श्री परशुराम पटेल (PARSHURAM PATEL)
कृति

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल जबलपुर
रा.प्र.क्र. 2734/अ-6/2025-26
जबलपुर दिनांक 11/06/2025
आम इश्तहार
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक तरुण सक्सेना व शिल्पी गुप्ता पिता स्व. विजय शंकर सक्सेना निवासी मकान नं. 1697 नेता कालोनी सुरेश ज्ञारिया आदि चक्की के पास अधारताल जबलपुर के द्वारा मौजा बिलदरा नं.बं. 22/1 प.ह.नं. 22/1 नजूल ब्लॉक नं. ..., प्लाट नं. .... खसरा नं. 189/2/16 रकबा 2400 वर्गफुट भूमि पर विजय सक्सेना की मृत्यु दिनांक 24/10/2022 व मां श्रीमती मीरा सक्सेना की मृत्यु दिनांक 29/1/2024 के उपरांत आवेदक का नाम दर्ज कराने हेतु जिसे पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक ....के आधार पर वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र फौती/ वसीयत के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक.... तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक 11/06/2025
पेशी दिनांक 17/06/2025
र.नं. 755 नायब तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

देशबन्धु

जबलपुर, गुरुवार 12 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

आपदा में एक और अवसर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने आवास पर भारत के आउटरीच कार्यक्रम के लिए कई देशों की यात्रा करने वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। फिलहाल यह कहा नहीं जा सकता कि प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडलों की यह मुलाकात अनौपचारिक थी या औपचारिक। क्योंकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने खुद कहा है कि यह बिल्कुल औपचारिक मुलाकात नहीं थी। हम लोगों ने जो रिपोर्ट प्रधानमंत्री को दी, वो उन्होंने प्रस्तुत भी नहीं की। गौर करने वाली बात यह है कि शशि थरूर ने यह जिक्र खेद के साथ नहीं बल्कि प्रसन्नता के साथ किया। प्रधानमंत्री के आवास पर हुए इस मेलजोल कार्यक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें श्री मोदी के बगल में शशि थरूर दिखाई दे रहे हैं, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी प्रधानमंत्री से बातचीत करते दिख रहे हैं, वहीं, आनंद शर्मा और सलमान खुर्शीद के साथ श्री मोदी मुस्कुराते हुए मिलते नजर आ रहे हैं। पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद के साथ तो ठहाके लगाते तस्वीरें आई हैं। चंद कांग्रेस नेताओं से इस अंदाज में प्रधानमंत्री मोदी क्यों मिल रहे हैं, यह सवाल अब उठने लगे हैं। हो सकता है कि उनकी अन्य दलों के नेताओं से भी इसी तरह हंसी-खुशी भेंटवार्ता हुई हो, लेकिन उनके वीडियो-तस्वीरें इतने वायरल क्यों नहीं किए गए, ये भी सोचने वाली बात है। वैसे सबसे अधिक विचारणीय पहलू तो यह है कि देश के मुखिया को इतने सांसदों के साथ हंसी-ठहाके लगाते, खाते-पीते देखकर पहलगाम पीड़ितों के दिलों पर क्या बीत रही होगी। वे तो अब तक इस इंतजार में थे कि आतंकवादियों को धरती के आखिरी छोर तक जाकर पकड़ कर लाने का ऐलान करने वाले श्री मोदी अपने वादे को पूरा करेंगे। लेकिन डेढ़ महीने बाद पीड़ितों के जख्म तो हरे ही हैं, और ऐसे में सरकारी हंसी-ठट्ठा उनके जख्मों पर नमक के समान लग रहा होगा।

पाठक जानते हैं कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 6-7 मई की आधी रात में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर प्रारंभ किया था, जो 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध विराम की सूचना के बाद समाप्त कर दिया गया। हालांकि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री यह कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी बंद नहीं हुआ है, लेकिन इसके तहत आगे और क्या कार्रवाई हुई, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से युद्धविराम की सूचना पहले कैसे आई, क्या अमेरिका ने वाकई भारत और पाकिस्तान के संबंधों में दखलंदाजी की है। क्या यह शिमला समझौते का उल्लंघन नहीं है, जिसमें यह करार हुआ था कि दोनों देशों के बीच किसी भी मामले में तीसरे पक्ष को नहीं आने दिया जाएगा। अगर पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन किया था तो क्या भारत भी उसी रास्ते पर चल रहा है। क्या नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्ववर्ती शासकों की बनाई विदेश नीति का त्याग कर कोई नयी विदेश नीति बनाई है, ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब की अपेक्षा सरकार से थी। लेकिन प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। बल्कि देश को बताया गया कि अब सात प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख की जानकारी देंगे। ऑपरेशन सिंदूर क्यों करना पड़ा, किस तरह पाकिस्तान की जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दी जाती है, इस बारे में दुनिया को आगाह करेंगे। खास बात यह रही कि इन प्रतिनिधिमंडलों में सभी दलों के लोग शामिल थे।

सात प्रतिनिधिमंडलों में नेतृत्व की कमान रविशंकर प्रसाद, बैजयंत पांडा, संजय कुमार झा, कनिमोझी करुणानिधि, सुप्रिया सुले, शशि थरूर और श्रीकांत एकनाथ शिंदे को सौंपी गई। इनके नेतृत्व में 51 नेताओं और 8 राजदूतों ने 33 देशों में जाकर भारत सरकार का पक्ष रखा। एकबारगी देखने पर यह पहल ठीक लगी कि नरेन्द्र मोदी ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सभी दलों को साथ लेने, बल्कि नेतृत्व करने का अवसर भी दिया। लेकिन गहराई से सोचें तो इसके जरिए श्री मोदी ने एक बड़ा खेल करने की कोशिश की। प्रतिनिधिमंडल को भेजकर वे खुद देश को जवाब देने से बचते रहे। उधर कांग्रेस के ऐसे सांसदों को प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया गया जो आसानी से भाजपा के दबाव में आ सकते हैं। इसके प्रमाण भी सामने आ गए। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे और वे लगभग हर दिन जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को लेकर झूठी बातें प्रसारित करते रहे। गलत दस्तावेजों को ऐतिहासिक तथ्य बताकर पोस्ट करते रहे, यहां तक कि मंगलवार रात जब प्रधानमंत्री आवास पर सारे लोग मौजूद थे, उस समय भी निशिकांत दुबे ने एक पोस्ट में विदेश नीति का कबाड़ा करने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। श्री मोदी के भेजे गए कांग्रेस सांसदों में से एक ने भी इसका प्रतिकार नहीं किया, श्री दुबे की आलोचना नहीं की, प्रधानमंत्री के सामने आपत्ति नहीं जताई कि एक तरफ आप सारे दलों को साथ होने की बात कर रहे हैं और आपके सांसद इस तरह गलतबयानी कर रहे हैं। सवाल ये है कि क्या श्री मोदी अब कांग्रेस में फूट डलवाने की कोशिश में हैं। पिछले 11 सालों की उनकी उपलब्धियों में एक खास बात तो यह भी है कि उन्होंने कई कांग्रेस दिग्गजों को भाजपा में शामिल करवा लिया है।

अब मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को सोचना होगा कि लंगड़े और बारात के घोड़ों को वे कैसे अलग करें।

रहा सवाल आउटरीच कार्यक्रम का, तो उसकी सार्थकता तब होती जब पाकिस्तान विश्व में अलग-थलग दिखाई देता। फिलहाल ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। श्री मोदी की विदेश नीति की विफलता तो तभी दिख गई जब उन्हें ऐसे प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजने पड़े, अगर उनके नेतृत्व की दुनिया कायल होती तो अमेरिका समेत तमाम देश भारत और पाकिस्तान को एक ही पलड़े पर नहीं रखते। अब भी अमेरिकी राष्ट्रपति पाक के नेतृत्व को मजबूत बता रहे हैं और यह तब हुआ जब शशि थरूर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में ही था। श्री मोदी को दुनिया को संदेश देना था तो संसद का सत्र बुलाते, जितना खर्च अभी हुआ है, उससे एक चौथाई में ही मकसद पूरा हो जाता। जो बचत होती उसका उपयोग आतंकवाद से मिले जख्मों पर मलहम लगाने में किया जा सकता था। लेकिन ऐसा लग रहा है कि मोदी सरकार को अपने स्वार्थ पूरे करने के लिए आपदा में एक और अवसर मिल

सोनम के बहाने स्त्री अधिकारों को कुचलने की कोशिश

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

इंदौर के हनीमून केस पर सोशल मीडिया में एक भयावह टिप्पणी पढ़ने मिली। लिखा था कि औरत को आजादी देने का अंजाम देख लिया। अब समझ में आया कि पहले औरतों पर अंकुश लगाकर क्यों रखा जाता था।

दरअसल यह उसी मनुवादी सोच से निकला विचार है जिसमें औरत को पहले पिता, फिर पति और बाद में बेटे के आश्रित रखा जाता है। महिला का अपना स्वतंत्र अस्तित्व न हो, यह बात पुरुष सत्तात्मक समाज के लिए एकदम उपयुक्त रहती है। क्योंकि जहां स्वतंत्रता रहेगी, वहां अपनी जिम्मेदारी खुद लेने का जज्बा भी दिखाया जाएगा, साथ ही अपने लिए अधिकार भी मांगे जाएंगे। यह सारी बातें अधिकतर पुरुषों के लिए दुस्वप्न है कि उनके सामने महिला इस तरह की बराबरी दिखाए। समाज में इसी बात को सामान्य मान लिया गया है कि पुरुष स्त्री का सम्मान तो करे, लेकिन अपने से निचले पायदान पर रखकर। अगर स्त्री को बराबरी पर रखा जाएगा तो फिर वह और आगे निकलने की ख्वाहिश रखेगी, ये डर पितृसत्तात्मक समाज की संरचना में गूंथ दिया गया है। यही डर हनीमून केस में बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है।

इंदौर के नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में है। पहले इस जोड़े के मेघालय में लापता होने की खबर मिली। पुलिस ने जांच की तो एक घाटी में राजा का शव मिला, जबकि सोनम की कोई खबर नहीं थी। लेकिन फिर अचानक सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे में आधी रात को पहुंची और फिर वहीं से फोन पर अपने परिजनों से बात की। पुलिस ने सोनम को हिरासत में लिया, क्योंकि उसे शक था कि सोनम ने ही राजा की हत्या करवाई है। मेघालय पुलिस ने पूरी जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह प्रेम त्रिकोण का मामला था। ऐसा नहीं है कि इस देश में प्रेम त्रिकोण के मामले पहले हुए ही नहीं, या उनमें हत्या जैसा अतिरेक भरा कदम नहीं उठाया गया हो। लेकिन अक्सर इनमें स्त्री पीड़ित रहती थी, उसे मारा जाता था, तो इसमें समाज को कुछ असामान्य नहीं लगा। अब बीते कुछ समय से लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं कि पत्नी ने पति की हत्या करवाई है, जिन्हें समाज अब अपने लिए बड़ी चेतावनी की तरह देख रहा है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के डेटा और विभिन्न राज्य क्राइम रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले पांच सालों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार जैसे पांच राज्यों में कुल 785 ऐसी घटनाएं दर्ज की गई हैं, जहां पत्नियों ने अपने पतियों की हत्या की या हत्या करवाई है। हालांकि कितने पतियों ने इसी तरह अपनी पत्नियों का कत्ल किया या करवाया होगा, इसके आंकड़े नहीं हैं। दहेज हत्याओं के आंकड़े जरूर दर्ज किए जाते हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच ही देशभर में 35,493 महिलाओं की मौत दहेज हत्या के कारण हुई, यानी हर दिन कम से कम 20 वधुएं मारी गई हैं। दहेज हत्या में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान देश में अग्रणी रहे हैं।

> इंदौर के नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में है। पहले इस जोड़े के मेघालय में लापता होने की खबर मिली। पुलिस ने जांच की तो एक घाटी में राजा का शव मिला, जबकि सोनम की कोई खबर नहीं थी। लेकिन फिर अचानक सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे में आधी रात को पहुंची और फिर वहीं से फोन पर अपने परिजनों से बात की। पुलिस ने सोनम को हिरासत में लिया, क्योंकि उसे शक था कि सोनम ने ही राजा की हत्या करवाई है। मेघालय पुलिस ने पूरी जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह प्रेम त्रिकोण का मामला था।

कायदे से जितनी चिंता 785 मौतों पर की जा रही है, उतनी ही 35 हजार मौतों पर भी होनी चाहिए। लेकिन समाज यहां भी भेदभाव का नजरिया रखता है। मरने वाली स्त्रियां हैं, तो यह दुखद है, सामाजिक समस्या भी है, लेकिन चेतावनी की बात नहीं है। लेकिन मरने वाले पुरुष हैं तो फिर सारा सामाजिक विमर्श ही बदल जाता है। असल में वैवाहिक संबंध की यह परिणति पूरे समाज के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। समाजशास्त्रियों को अब विवाह संस्था पर नए सिरे से अध्ययन की जरूरत है कि आखिर इसमें कहां चूक हो रही है कि एक पक्ष इस सीमा तक पहुंच जाए कि अपने जीवनसाथी की हत्या कर दे।

सोनम रघुवंशी पर आरोप अभी सिद्ध नहीं हुआ है, इससे पहले कुछ प्रकरण ऐसे सामने आए हैं, जिनमें महिलाओं ने अपने पुरुष साथी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। जाहिर है ये जघन्य अपराध है और उसे इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। हत्या की जो सजा पुरुष के लिए होती है, वही स्त्री के लिए भी होती है। मगर जिन मामलों में महिलाएं दोषी होती हैं, उसके लिए पूरे स्त्री समाज को जिम्मेदार ठहराना क्या उचित है। लेकिन ऐसा लगता है मानो स्त्रियों को फिर से बंधन में डालने के लिए मौकों को तलाशा जा रहा है। हनीमून केस या नीले ड्रम में पति की लाश जैसे प्रकरण इन मौकों को बना रहे हैं। यहां गौर करने वाला एक पहलू यह है कि जो इंसान पेशेवर अपराधी नहीं होते, वे किस तरह इतने भयावह योजनाबद्ध तरीकों से ऐसी हत्याओं को अंजाम देते हैं, इसके पीछे कौन से मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारण हैं, इनकी भी पड़ताल होनी चाहिए। लेकिन अफसोस है कि इन घटनाओं को केवल स्त्री बनाम पुरुष के खांचे में फिट कर देखा जाता है।

सोनम रघुवंशी मामले में मीडिया की भूमिका पर भी विचार होना चाहिए। पहले अपराध कथाएं मनोहर कहानियों जैसी पत्रिकाओं में प्रकाशित होती थीं और घरों पर अमूमन उन्हें बच्चों से दूर रखा जाता था कि ऐसी बातों का बुरा असर उनके नाजुक मन पर पड़ता है। लेकिन अब मुख्यधारा और सोशल दोनों तरह के मीडिया में यही प्रकरण छाया हुआ है। मुख्यधारा के मीडिया में अपराध की खबरों के लिए अलग बुलेटिन होता है, लेकिन जब देश-समाज के अन्य जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाना हो तो ऐसी खबरें चटखारों के साथ प्रस्तुत करना फायदेमंद होता है। मीडिया के माइक्स शिलांग के जिस गेस्ट हाउस में सोनम-राजा रघुवंशी ठहरे थे, वहां से लेकर सोनम के कथित मित्र राज कुशवाहा के घर तक ठूंसे जा चुके हैं। एक वीडियो आया है जिसमें राज कुशवाहा की मां अपील कर रही है कि पत्रकार उनके घर के भीतर इस तरह न आएं, लेकिन टीआरपी के गिद्धों की दृष्टि अपने शिकार पर लगी हुई है। इसी मीडिया ने सोनम को पुलिस के कहने के पहले ही अपराधी साबित करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी थी। जब राजा रघुवंशी की मां कह रही थी कि जांच पूरी होने दी जाए, हमें नहीं लगता कि सोनम ने ऐसा कुछ किया होगा, तब भी मीडिया सोनम को अपराधी बना चुका था। मीडिया ट्रायल का यह सिलसिला देश में लगातार जारी है और इस पर कोई अंकुश नहीं लग रहा यह चिंता की बात है। उधर सोशल मीडिया पर चटखारों के साथ इस प्रकरण पर रील्स, मीम्स न जाने क्या-क्या परोसा जा रहा है। कोई सलमान खान का उदाहरण दे रहा है कि इसलिए भाई अकेले रहते हैं, कोई हम दिल दे चुके सनम के दृश्य दिखा रहा है। एक गंभीर घटना पर ऐसा ओछा रवैया दिखा रहा है कि समाज से संवेदनशीलता कितनी तेजी से खत्म होती जा रही है। खुद राजा रघुवंशी की बहन, जो कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कही जाती है, उसने राजा की शादी की तैयारियों के कई वीडियो और रील्स पोस्ट किए, साथ ही उसके साथ पार्श्व में संगीत देकर अपने दिवंगत भाई को याद किया। एक बहन ने अपने भाई को असमय खोया है, यह बड़ा दुख है, लेकिन क्या इस मौके पर भी सोशल मीडिया को जरिया बनाकर भावनाएं प्रकट की जानी चाहिए, यह सोचने वाली बात है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स स्त्री स्वतंत्रता को लेकर की गई भद्दी टिप्पणियों से भरे हुए हैं, जिन्हें देखकर चिंता होती है कि स्त्री अधिकारों के लिए जो अथक संघर्ष किया गया है, कहीं इन घटनाओं की आड़ लेकर उसे खारिज न किया जाए।

आखिरी बात, सोनम से मिलकर लौटे उसके भाई गोविंद ने राजा की मां से गले लगकर दुख प्रकट किया और पूरे परिवार से माफी मांगते हुए कहा कि उनकी बहन ने गलत किया है, मगर मैं अब से आपके परिवार का हिस्सा हूं। राजा की मां ने भी कहा है कि इसमें गोविंद की कोई गलती नहीं है। अमूमन ऐसे प्रकरण के बाद दो परिवारों में आजीवन कड़वाहट कायम हो जाती है। यहां आगे क्या होगा, यह कहा नहीं जा सकता। मगर इस समय जो बड़प्पन, माफी मांगना और माफ करने की उदारता दिखाई गई है, वह समाज में आगे अच्छा होने की उम्मीद बंधाती है।

प्रधानमंत्री का निर्देश और रियल एस्टेट में पारदर्शिता की आवश्यकता

■ अरुण कुमार डनायक

प्रधानमंत्री मोदी जी ने हाल ही में हुई 'प्रगति' (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाईमली इम्प्लीमेनटेशन) बैठक में भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम (रेरा) के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि अधिनियम का सख्त अनुपालन परियोजनाओं की गुणवत्ता, समय पर डिलीवरी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे रेरा के तहत सभी रियल एस्टेट परियोजनाओं का अनिवार्य पंजीकरण करें और उपभोक्ता शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें।

भारत में घर केवल एक संपत्ति नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व का प्रतीक होता है—हर मध्यमवर्गीय परिवार का सबसे बड़ा सपना। लेकिन आज यह सपना रियल एस्टेट की उलझनों में फंसा हुआ है। अधूरी परियोजनाएं, कब्जे में देरी और लगातार बढ़ती शिकायतें लाखों गृह-क्रेताओं की नियति बन चुकी हैं। समय पर निर्माण न होने से न सिर्फ लागत बढ़ती है, बल्कि उपभोक्ता दोहरी मार झेलते हैं—किराए और होम लोन की। 'प्रगति' जैसे उच्च-स्तरीय ई-गवर्नेंस मंच पर इस मुद्दे का उभरना रियल एस्टेट क्षेत्र में व्याप्त गंभीर समस्याओं को रेखांकित करता है। 2016 में लागू रेरा का उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, बिल्डरों की जवाबदेही और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। परंतु व्यवहार में रेरा अनेक चुनौतियों से घिरा है—सीमित अधिकार, जटिल अपील प्रक्रियाएं, सेवानिवृत नौकरशाहों की नियुक्ति, पेशेवर हितसाधकों एवं व्यवसाय विशेषज्ञों की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप इसके प्रभाव को कमजोर करते हैं। बिल्डरों को असंवेदनशील नौकरशाही की प्रशासनिक बाधाओं, जटिल अनुमोदन प्रणाली, पक्षपातपूर्ण निर्णय और वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है, जिससे परियोजनाएं लटक रही हैं। परिणामस्वरूप, रेरा के तहत पंजीकृत परियोजनाएं कम हैं, लेकिन शिकायतें अधिक, जो इसके कमजोर क्रियान्वयन को उजागर करता है। सराहनीय उद्देश्य के बावजूद रेरा की क्रियान्वयन क्षमता सीमित है। रेरा अधिकारियों के पास सीमित दंडात्मक शक्ति तो है, लेकिन उनकी सिफारिशों को लागू कराने का कोई ठोस तंत्र नहीं है। राज्य सरकारों द्वारा रेरा को गंभीरता से लागू न करने के कारण यह कानून निष्प्रभावी हो गया है। आदेशों की अवहेलना होने पर उपभोक्ता को वर्षों की कानूनी प्रक्रिया के लिए न्यायालय जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहता, और कई बार रेरा के वरिष्ठ अधिकारी ही आवंटियों को हाईकोर्ट जाने की सलाह देते हैं। रेरा, बिल्डर का पंजीकरण रद्द होने की स्थिति में, आवंटितियों को संगठित करउनकी संस्था द्वारा शेष निर्माण कार्य पूरा करने की अनुमति दे सकता है। व्यावहारिक रूप से बिल्डर के सहयोग के बिना अनुभवहीन आवंटियों के लिए पंजीकृत संस्था बनाना और मार्टगेज भूसंपत्ति का पंजीकरण कराना कठिन होता है। यह प्रक्रिया प्रायः लालफीताशाही की जटिलताओं में उलझकर रह जाती है।

रेरा अक्सर अधूरे निर्माण कार्यों को बिना लाभ के पूर्ण करने का दायित्व राज्यों के अर्ध-शासकीय निकायों, जैसे गृह निर्माण मंडल, को सौंपता है। ये निकाय प्रायः रेरा के आदेशों का पालन नहीं करते, और शासन स्तर पर भी कोई प्रभावी हस्तक्षेप नहीं होता।

रेरा अक्सर आवंटियों के पक्ष में निर्णय देता है, लेकिन बिल्डर से राशि वसूलने में गृह खरीदारों को प्रशासनिक सहायता नहीं मिलती। क्रेता जिलाधिकारी कार्यालय में रिकवरी रेवेन्यू सर्टिफिकेट दाखिल कर वसूली शुरू कर सकता है, लेकिन यह प्रक्रिया बेहद धीमी और अप्रभावी है। जब सरकार स्वयं कर वसूली में असमर्थ है, तो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा ईश्वर के भरोसे ही रह जाती है। रेरा में पदस्थ पूर्व नौकरशाह भी क्रेताओं के हित में जिला प्रशासन पर अपने प्रशासनिक रसूख का उपयोग कर वसूली हेतु दबाव नहीं बनाते।

रेरा के प्रावधानों में एक महत्वपूर्ण विसंगति यह है कि अपीलीय अधिकरण द्वारा दिया गया निर्णय सिविल न्यायालय की डिक्री की तरह निष्पादनीय होता है, लेकिन रेरा में नियुक्त न्यायनिर्णायक अधिकारी को यह अधिकार प्राप्त नहीं है कि वह परिवाद की सुनवाई के बाद सिविल न्यायालय के समकक्ष निर्णय दे सके। यह विसंगति रेरा की प्रथम स्तर की कार्यवाही की प्रभावशीलता को सीमित करती है और आवंटितियों को त्वरित न्याय प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न करती है।

> यदि 'घर' को 'भरोसे' से जोड़ना है, तो कानून, प्रशासन और निजी क्षेत्र को मिलकर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करनी होगी — यही विश्वास इस क्षेत्र की असली बुनियाद बनेगा। उपभोक्ताओं का विश्वास और बिल्डरों की ईमानदारी साथ मिलकर ही एक जवाबदेह और न्यायपूर्ण आवास व्यवस्था की नींव रखी जा सकती है। रेरा को बिल्डरों के खिलाफ कठोर कदम, जैसे दंडात्मक कार्रवाई, जुर्माना, बैंक खातों पर रोक, या पंजीयन रद्द करना, अंतिम उपाय के रूप में अपनाना चाहिए। इसके बजाय,पहले चरण में सुधारात्मक और नियामक उपायों पर ध्यान देना अधिक प्रभावी होगा।

रेरा को बिल्डर, आबंटी या रियल एस्टेट एजेंट से आवश्यक जानकारी मांगने और जांच करने का अधिकार है। जांच के बाद, यह दीवानी आदेश जारी कर सकता है, लेकिन आपराधिक कार्रवाई शुरू नहीं कर सकता। धोखाधड़ी के मामलों में पुलिस केस दर्ज करने के लिए आबंटियों को स्वतंत्र रूप से भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई करनी पड़ती है। प्रधानमंत्री का रियल एस्टेट क्षेत्र में हस्तक्षेप सुधारों की दिशा में प्रेरणादायक और सकारात्मक कदम है। यह हस्तक्षेप रेरा के प्रभावी क्रियान्वयन, बिल्डरों की जवाबदेही सुनिश्चित करने, शिकायतों के त्वरित समाधान और गृह खरीदारों के लिए समयबद्ध मुआवजा प्रदान करने की दिशा में आशा जगाता है। फिर भी, प्रशासनिक देरी, जटिल मंजूरी प्रक्रियाओं, और आपराधिक कार्रवाई की सीमाओं जैसे मुद्दों को दूर करने के लिए और अधिक समन्वित प्रयासों की जरूरत है। यह कदम एक महत्वपूर्ण शुरुआत है, लेकिनअभी लंबा सफर तय करना बाकी है। रेरा को सख्ती से लागू करने का केंद्र का निर्देश उपभोक्ता-हितैषी मंशा को दर्शाता है, लेकिन अब राज्यों की जिम्मेदारी है कि वे स्थानीय विकास प्राधिकरणों की जवाबदेही सुनिश्चित करें और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करें। यदि 'घर' को 'भरोसे' से जोड़ना है, तो कानून, प्रशासन और निजी क्षेत्र को मिलकर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करनी होगी — यही विश्वास इस क्षेत्र की असली बुनियाद बनेगा। उपभोक्ताओं का विश्वास और बिल्डरों की ईमानदारी साथ मिलकर ही एक जवाबदेह और न्यायपूर्ण आवास व्यवस्था की नींव रखी जा सकती है। रेरा को बिल्डरों के खिलाफ कठोर कदम, जैसे दंडात्मक कार्रवाई, जुर्माना, बैंक खातों पर रोक, या पंजीयन रद्द करना, अंतिम उपाय के रूप में अपनाना चाहिए। इसके बजाय,पहले चरण में सुधारात्मक और नियामक उपायों पर ध्यान देना अधिक प्रभावी होगा। रेरा को बिल्डरों और क्रेताओं के बीच गांधीजी के अहिंसक, मध्यस्थता, और आपसी सुलह आधारित दृष्टिकोण अपनाकर रियल एस्टेट क्षेत्र में निष्पक्षता, पारदर्शिता, और विकास को बढ़ावा देना चाहिए। यह क्रेताओं के हितों की रक्षा के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास को प्रोत्साहित करेगा। सौहार्दपूर्ण समाधान और विश्वास बढ़ाने के लिए रेरा को चाहिए कि वह भू संपदा विशेषज्ञों के साथ समयबद्ध मध्यस्थता सत्र आयोजित करे, बिल्डरों को सुधार का अवसर दे, आपसी सहमति पर आधारित पंचायत-शैली के फैसलों से विवाद सुलझाए, और क्रेताओं व बिल्डरों के लिए रेरा नियमों हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाए।

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता व समाज सेवी हैं)

ललित सुरजन की कलम से

यात्रा वृत्तांत: बूढ़ा पीपल और बूढ़ा पुल

'बक्सर में भी तीन स्थान दर्शनीय हैं। एक तो यहां का पांच सौ साल पुराना किला है जो गंगा किनारे है। किला लगभग नष्ट हो चुका है या कर दिया गया है। अब किले की जगह सरकारी अधिकारियों के लिए भव्य विश्रामगृह बन गया है। कहीं-कहीं किले के खंडहर बचे हैं। इसके चारों ओर कई फीट चौड़ी, कई फीट गहरी खाई थी, वह भी शनैःशनैः पाट दी गई है। कुछ प्राचीन वृक्ष अवश्य बच गए हैं। पीपल का एक वृक्ष देखकर मैं चमत्कृत रह गया। इतना मोटा तना और इतनी ऊंची फुनगी। पेड़ शायद दो सौ साल पुराना होगा! किले के बाहर ही सीताराम उपाध्याय संग्रहालय है जिसे राज्य सरकार संचालित करती है। श्री उपाध्याय ने अपनी निजी रुचि से आसपास से पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं का संग्रह व संरक्षण बिना सरकारी मदद के प्रारंभ किया था। उन्हें दूसरे तो क्या, स्वजन भी खब्ती समझते थे। आज उनका वह संग्रह एक बेशकीमती खजाने के रूप में हमारे सामने है, जिसमें ढाई-तीन हजार वर्ष पूर्व की मूर्तियां व अन्य सामग्रियां हैं। किले से मैं दुखी मन बाहर निकला था, म्यूजियम देखकर दुख दूर हुआ।' 'बक्सर में तीसरा दर्शनीय स्थान हैं- कतकौली का मैदान। यहां अक्टूबर 1764 में ब्रिटिश सेनाओं ने अवध व बंगाल के नवाब की सेना को निर्णायक रूप से परास्त कर समूचे पूर्वी भारत पर अपना कब्जा स्थापित कर लिया था। अंग्रेजों ने यहां हिंदी, बांग्ला, अंग्रेजी व उर्दू में अपनी जीत की घोषणा के प्रस्तर-फलक लगाने के साथ एक विजय स्तंभ भी खड़ा किया था। विजय स्तंभ कालांतर में क्षतिग्रस्त हुआ होगा, लेकिन न जाने कब किसने वहीं एक नया विजय स्तंभ खड़ा कर दिया गया जिस पर मोज़ेक टाइल्स जड़े गए थे! वे टाइल्स एक-एक उखड़ रहे हैं, लेकिन अंग्रेजों की जीत का स्तंभ नये सिरे से खड़े करने की बुद्धिमानी हमने क्यों दिखाई? लोकप्रिय कम्युनिस्ट नेता नागेंद्रनाथ झा ने सांसद निधि से स्मारक की चारदीवारी बनवा दी थी कि अतिक्रमण न हो। वह एक समझदारी का काम था। लेकिन आसपास अवैध कब्जे बदस्तूर हो रहे हैं। एक दिन हम भूल जाएंगे कि इस जगह पर भारत का एक बड़ा भूभाग दो सौ साल के लिए गुलाम बना लिया गया था। मेरे गाइड युवा पत्रकार पंकज भारद्वाज ने रास्ते में मुझे वह नहर भी दिखाई, जिसमें कभी स्टीमर चला करते थे, लेकिन जिसे पाट कर अब मकान बन रहे हैं।'

(देशबन्धु में 05 अक्टूबर को प्रकाशित)

गुरवाणी विचार

बंदी छोड़ दातार गुरु हरगोविंद जी

मीरी पीरी के मालिक बंदी छोड़ दातार का जन्म 14 जून 1595 ई. में हुआ था। आपकी आपकी माता का नाम गंगाजी और गुरु अर्जुनदेव जी के सुपुत्र थे। गुरु घर के अनन्य सेवक बाबा बुड्ढा जी के आशीर्वाद से दल भंजन गुरु सूरमाजी रा प्रकाश हुआ था। आप 1606 को अर्जुन देव जी के ज्योति जोत समाने के बाद गुरु के आज्ञानुसार गुरुनानक की गद्दी रे थछवें वारिस बने। आपने दो तलवारें रखे एक मीरी सांसारिक क्षेत्र के साथ संबंधित है। और दूसरी पीरी जो आध्यात्मिक क्षेत्र के साथ। जहां मीरी सामाजिक भूख की तृप्ति करती है वहीं पीरी आध्यात्मिक भूख की अर्थात कीरत करनी नेक कमाई करनी मीरी है और नाम जपना पीरी है।

अपने पिता अर्जुन देव के आदेशानुसार आपने सिख मत के फौजीकरण का ऐलान किया। गुरुदेव ने अपनी साध संगत को संत सिपाही बनाने के लिए शस्त्रधारी होने का आदेश दिया। गुरुदेव ने इसके लिए समस्त साध संगत को अमृतसर में बुलाया और वे अपने साथ अच्छे हथियार और घोड़े नजराने के साथ ले आएं। आरने कुठ अच्छी नस्ल के घोड़े खरीदने के लिए कुछ सिखों को भेजा। शस्त्र विद्या सीखने का प्रबंध भी किया। जिससे बहुत जल्दी ही आपके पास एक बहादुर फौज तैयार हो गई। सिख मत में अहिंसा परमोधर्मः आदर्श संस्कार नहीं है। किन्तु जुल्म जबरदस्ती के विरुद्ध आवाज उठाना और संघर्ष करना धर्म है। फौजीकरण का अगला पड़ाव था अकालतख्त की स्थापना करना। 1606 ई. में ही आपने हरमिंदर साहिब अमृतसर के सामने ही अकाल तख्त का निर्माण करवाया। जिसमें बाबा बुड्ढा जी और भाई गुरदासजी ने स्वयं अपने हाथों से तख्त का निर्माण किया जो दुनिया में पहला अकाल तख्त था। इस तरह इस दरबार में लोगों के झगड़े अन्य समस्याएं सुलझने लगे। हुक्मनामे जारी किये गए जिसके कारण कुछ विघ्न संतोषियों को यह पसंद नहीं आया और वे बादशाह जहांगीर के कान भरने लगे कि काफी फौज इकट्ठी कर ली है कहीं आपकी गद्दी न छीन लें अपने पिता की शहादत का बदला लेने के लिए। इस पर बादशाह जहांगीर ने गुरु को दिल्ली बुला भेजा। आप फतवा जारी कर दिया 12 साल की सजा सुना कर ग्वालियर के किले में कैद कर लिया गया जहां पहले से 52 राजाओं को कैद कर रखा गया था। दो साल बाद बादशाह को अपनी भूल का अहसास हुआ उन्होंने 1611 में उन्हें रिहा करने का हुक्म दिया। परन्तु गुरुदेव ने अपने साथ उन 52 राजाओं को को रिहा करने को कहा। इस पर जहांगीर ने शर्त रखी कि जो आपका पल्ला पकड़ कर बाहर निकल सकें उन्हें रिहा कर दिया जाएगा। इस पर आपने 52 कलियों वाला चोला बनवाया (कुरता) बनवाया और प्रत्येक राजा को एक-एक कली पकड़ा कर बाहर निकाल लिया। इस तरह आप बंदी छोड़ दातार कहलाए। उनकी याद में आज भी ग्वालियर के किले गुरुद्वारा सुशोभित है। बाद में बादशाह जहांगीर से आपकी अच्छी दोस्ती हो गई। आपने अपने जीवनकाल में सत्य और न्याय की रक्षा के लिए चार धर्मयुद्ध भी किए। आपने गोविंदपुरी और करतारपुर में मस्जिदों का भी निर्माण कराया। गुरुदेव अपना जीवन शांति के साथ व्यतीत करना चाहते थे वे शिकालिक पहाड़ियों में कीरतपुर में विराजे और आपने जीवन केआखिरी दस साल संगत और पंगत का प्रवाह चलाते रहे। देग तेग फते करते रहे। आपके प्रकाशोत्सव पर शत शत नमन।

-इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

अब यही मेरी दुनिया है 'एक स्त्री की चुपचाप क्रांति'

स्त्री—वह शब्द जिसे कहते तो हम 'जननी', 'धैर्य की मूर्ति', 'संसार की आधारशिला' हैं, लेकिन जब वही स्त्री अपने अधिकार, सम्मान और भावनात्मक सहारे की बात करती है तो समाज उसे 'सहनशील' बने रहने की सलाह दे डालता है। एक बेटी जब विदा होती है, तो उसके साथ भावनाओं की एक पूरी दुनिया भी उसकी ससुराल चली जाती है। पर क्या यह विदाई केवल भौतिक होती है? या एक गहरी मानसिक क्रांति की शुरुआत?

हर स्त्री का मायका उसके जीवन की पहली पाठशाला होता है। वहीं उसने चलना, बोलना, हँसना, डरना और दुनिया को देखना सीखा। पर एक बार विवाह के बाद, वही मायका धीरे-धीरे 'अतीत' बन जाता है। अब वह 'बेटी' नहीं, 'बहू' होती है। उसे मायके जाना 'ज्यादा नहीं शोभा देता'। वहाँ के दुःख में वह 'मेहमान' बन जाती है और अपने ही घर में 'अजनबी'।

वह जानती है कि अब वह कभी उस गोद में सिर नहीं रख सकती जिसे कभी माँ की ममता कहा जाता था। अब उसके आँसू पोछने के लिए भाई की बाँह नहीं है। अब वह किसी को नहीं कह सकती कि 'मैं थक गई हूँ', क्योंकि अब उसे ही सबको संभालना है।

वह हर रिश्ते को पूरी निष्ठा से निभाती है। चाहे सास का मान हो या पति की सेवा, बच्चों की परवरिश हो या घर की हर छोटी-बड़ी ज़िम्मेदारी—वह सब कुछ करती है। लेकिन इस प्रक्रिया में उसके अपने सपने, इच्छाएँ और भावनाएँ धीरे-धीरे बेमानी हो जाती हैं।

रिश्तों में दिलचस्पी की जगह अब ज़रूरतें रह जाती हैं। अब वह बहू है, माँ है, पत्नी है, लेकिन शायद 'बेटी' अब सिर्फ एक स्मृति बन चुकी है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह मुस्कुराती रहे, चाहे भीतर कितनी ही आँधियाँ क्यों न चल रही हों।

जब कोई कहता है, 'बेटी थक गई होगी,' तो एक मौन गूंजता है-न कोई आवाज़, न कोई शिकायत। क्योंकि उसे मालूम है कि उसकी थकान का कोई मोल नहीं। वह आँसू भी अपने आँचल से ही पोंछ लेती है और खुद को समझा लेती है, 'अब यही मेरी दुनिया है।'

यह चुप्पी हार नहीं है, यह एक हथियार है—संघर्ष का, संयम का, और शायद क्रांति का भी। यह वही चुप्पी है जो स्त्रियों को सहने की नहीं, समझने की शक्ति देती है। यह चुप्पी उन्हें टूटने नहीं देती, बल्कि उनके भीतर एक औरत से 'नायिका' बनने की प्रक्रिया को जन्म देती है।

स्त्रियाँ उस घर को 'अपना' मान लेती हैं, जहाँ उन्हें केवल भूमिका निभानी होती है। अपने मन की बात कहने की जगह नहीं होती, बस जिम्मेदारियों का पहाड़ होता है। ऐसे में अगर किसी दिन वह सिर्फ इतना कह दे कि 'मुझे भी थोड़ी देर बैठना है', तो घर में खलबली मच जाती है।

उसे हमेशा दूसरों के सुख में खुश होना सिखाया गया है। खुद के दुःखों को जीने की इजाज़त नहीं। वह घर की लक्ष्मी तो बनती है, पर मन की रानी शायद ही कभी।

हम कहते हैं कि औरतें आज आत्मनिर्भर हो गई हैं। वे ऑफिस जाती हैं, पैसा कमाती हैं, निर्णय लेती हैं। पर क्या मानसिक रूप से उन्हें वह स्पेस, वह सुरक्षा, वह 'अपनेपन' का वातावरण मिला है?

वह बिना मायके के भी जीना सीख गई है। यह वाक्य सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि एक पूरी यात्रा का सार है। वह जानती है कि अब किसी का कंधा नहीं मिलेगा। वह अपने आँचल को ही तकिया बना लेती है और अपनी पीठ खुद थपथपा लेती है।

स्त्री को एक बहू, पत्नी या माँ बनकर जीने के लिए कहा जाता है, लेकिन कोई नहीं पूछता कि वह एक 'व्यक्ति' के रूप में क्या चाहती है? उसकी भावनाएँ, इच्छाएँ, सपने- क्या वो सबकुछ शादी के साथ खत्म हो जाने चाहिए?

-प्रियंका सौरभ

विकसित भारत के लिए समर्पित मोदी सरकार : बीएल वर्मा

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने सरकार की गिनाई उपलब्धियां

जबलपुर,देशबन्धु। सेवा सुशासन और गरीब कल्याण को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की 11 साल की यात्रा को लेकर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता को केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री बी एल वर्मा ने होटल नर्मदा जैक्शन सिविल लाइन में संबोधित किया। पत्रकार वार्ता में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मिकी, सांसद आशीष दुबे, जिला अध्यक्षरत्नेश सोनकर, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, तैलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री बी एल वर्मा ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा 2004 से 2014 का कांग्रेस का शासन हमने देखा है पिछड़ापन, भ्रष्टाचार बेरोजगारी से देश जूझ रहा था तब देश की जनता उम्मीद लगाई बैठी थी ऐसे समय में 2014 में जब देश की बागडोर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथो मे जनता ने सौंपी उसके बाद से आज 11 साल बाद देश की नई तस्वीर हमारे सामने है।

केंद्रीय मंत्री श्री वर्मा ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। मोदी सरकार की हर योजना के केन्द्र में जनकल्याण और आम नागरिक के जीवन को आसान करने के साथ- साथ देश को वैश्विक स्तर पर नए आयाम देने की भावना रही है। बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में मोदी सरकार ने सीमा सुरक्षित की, अर्थव्यवस्था मजबूत की, और टेक्नोलॉजी को जन-जन तक पहुंचाया है।

श्री वर्मा ने कहा भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और एयरबेस को ध्वस्त कर यह दिखा दिया कि अब मोदी का यह नया भारत शांति की बातें नहीं बल्कि घर में घुसकर आतंक का सफाया करता है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट और सख्त संदेश भी दिया कि आतंक, पानी और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। पूरे विश्व को प्रधानमंत्री मोदी जी ने स्पष्ट कर दिया कि भारतीय धरती पर किसी भी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। श्री वर्मा ने कहा एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम, 'ब्रह्मोस, आकाश मिसाइल, आइएनएस विक्रांत, तेजस और, प्रचंड' अटैक हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी तकनीकों के साथ अब भारत न केवल आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है बल्कि आज रक्षा उपकरणों का निर्यात भी कर रहा है। आज भारत का रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़कर ?23,622 करोड़ तक पहुंच गया है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के रणनीतिक दूरदर्शिता और कूटनीतिक तैयारी का नतीजा हैं।

विश्व के हर कोने में भारतीय सुरक्षित है

श्री वर्मा ने कहा संकट काल के दौरान मोदी सरकार ने अपने नागरिकों को विश्वभर के हर कोने से सुरक्षित निकालकर यह सिद्ध किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार केवल सीमाओं के भीतर नहीं, विश्वभर में भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान ऑपरेशन गंगा, अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के समय ऑपरेशन देवी शक्ति और कोविड में वंदे भारत मिशन के जरिए मोदी सरकार करोड़ों भारतीयों को विदेशों से सुरक्षित लेकर आई। रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान तो अन्य देशों के नागरिक भी भारतीय झंडे को लहराकर अपना बचाव कर रहे थे।

नक्सलवाद पर नकेल कसी

श्री वर्मा ने बताया एक समय था जब देश के 96 जिले नक्सलवाद की चपेट में थे, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की निर्णायक नीति, सुरक्षा बलों की सशक्त कार्रवाई और विकास की डबल रणनीति के कारण अब नक्सल प्रभावित जिले घटकर गिनती के रह गए हैं। नक्सल घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आ गई है।

विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने हम

श्री वर्मा ने कहा आज भारत विश्व की चैथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। वैश्विक डिजिटल लेनदेन के 49 प्रतिशत लेनदेन भारत में होते हैं। देश का वस्तु और सेवा निर्यात 825 अरब डॉलर तक पहुंचा। देश में यूपीआई लेनदेन 24 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। मोबाइल यूजर्स 116 करोड़ हो चुके हैं, डेटा लागत 2014 में 308 प्रतिजीबी से 97 प्रतिशत घटकर 2022 में 9.34 प्रतिजीबी हो गई है।

फ्लाई ओव्हर शुभारंभ को लेकर कांग्रेस के सवालों पर लोकनिर्माण मंत्री ने कहा

जिन्हें फोटो खिचाना है वे खिचा लें, काम पूरा होने पर ही लोकापर्ण होगा

नगर के निर्माणाधीन फ्लाई ओव्हर के उद्घाटन को लेकर जहां कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है वहीं लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कांग्रेस पर तीखा निशाना साधा है।

उन्होंने कहा है कि पहले कांग्रेस जनता के बीच जाकर चुनाव जीते और सरकार बनाये इसके बाद विकास कार्यो के लोकार्पण की बात करें। वे कांग्रेस के उस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे जिसमें कहा गया है कि- भाजपा में आपसी गुटबाजी के कारण दमोह नाका से मदन महल के फ्लाई ओव्हर का लोकार्पण नहीं हो पा रहा है। जिसके विरोध में कांग्रेस ने शनिवार 14 जून को जनता के साथ लोकार्पण करने का ऐलान किया है। पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा करते हुये श्री सिंह ने कहा कि जिसे फोटो खिचाने है वह खिचा ले लेकिन जब फ्लाई ओव्हर का काम पूर्ण हो जायेगा उसके बाद ही उसे जनता के लिये खोला जायेगा। श्री सिंह ने यह भी कहा कि गुलाटी पंप वाले छोर से पहले ही उद्घाटन हो चुका है इसलिये अब किसी राष्ट्रीय स्तर के नेता लोकार्पण के लिये बुलाना उचित नहीं होगा। भाजपा वैसे भी जनता को सर्वोपरीय मानती है और अब यहां स्थानीय जनप्रतिनिधि ही सम्मानीय जनता के साथ इसका शुभारंभ करेंगे। इसके बाद भी केंद्रीय नेतृत्व एवं राज्य नेतृत्व से मंथन कर इस बाबत निर्णय लिया जायेगा।

म.प्र. ने ओवर आल टीम चैम्पियनशिप जीती

जबलपुर,देशबन्धु। म.प्र. स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एसोसिएशन के संस्थापक सतीश यादव क मार्गदर्शन में नागपुर में आयोजित दूसरी पश्चिम भारत स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एवं इनक्लाइन बैंच प्रेस चैम्पियनशिप महिला एवं पुरूष में म.प्र. के महिला/पुरूष खिलाड़ियों ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन करते हुए ओवर आल टीम चैम्पियनशिप ट्राफी पर कब्जा किया एवं महिला वर्ग की जूनियर एवं सीनियर चैम्पियनशिप ऑफ चैम्पियन का खिताब प्रदेश की आकृति विश्वकर्मा एवं मास्टर वर्ग में नरेन्द्र तिवारी स्ट्रांग मेन बने। म.प्र. स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग संघ की सचिव सावित्री यादव ने बताया कि प्रदेश के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों ने 19 गोल्ड 14 सिल्वर एवं 4 कांस्य पदक जीते । टीम के कोच गुरूचरण श्रीवास्तव, हर्ष गोस्वामी, मैनेजर सतीश यादव एवं महिला वर्ग में सावित्री यादव स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एवं इनक्लाइन बैंच प्रेस के विजेता खिलाड़ियों में पुरूष वर्ग में बादल सिंह परवार, शिवा केवट, कार्तिक तिवारी, राजा बाबू बावरिया, अंशुल चक्रवर्ती, खूबचंद, महिला वर्ग टीना मोठ आकृति विश्वकर्मा, अर्पिता प्रधान रजत पदक, तनिष्क गोस्वामी,पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है ।

विकसित कृषि संकल्प अभियान वैज्ञानिक चले किसान के द्वार

जबलपुर,देशबन्धु। जिले के कैलवास ग्राम पंचायत (बरेला)में विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 जो कि राष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश में कृषि मंत्रालय , भारत सरकार द्वारा आई.सी.ए.आर कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं राज्य कृषि विभाग के सहयोग से 29 मई से 12 जून तक चलाया जा रहा है, के क्रम में एक वृहद कृषक संवाद/परिचर्चा का 10 जून 2025 को सफलतापूर्वक आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जे.एस. मिश्र निदेशक, खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, विशिष्ट अतिथि डॉ. दिनकर शर्मा संचालक, प्रसार सेवा जे.एन.के.वी.वी जबलपुर रहे, जिन्होंने अपने उद्‌बोधन में कृषक भाई बहनों से अपील करते हुए कहा कि उन्नत कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन, पशुपालन को वैज्ञानिक तरीके से करें ताकि ज्यादा से ज्यादा गुणवत्तापूर्ण उत्पादन एवं आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकें। कार्यक्रम में डॉ. पी.के. सिंह प्रधान वैज्ञानिक आई.सी.ए.आर डॉ अच्छता तोमर, डॉ. प्रमोद गुप्ता, वैज्ञानिक के.वी.के जबलपुर राजेन्द्र सिंह, एकता मिश्रा, नीता गुजराल, कविता अमूल, दुलीचंद्र गौड़, नेहा देशमुख इत्यादि अधिकारी उपस्थित रहें।

युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर वाटर कैनन, हुई झड़प

9 सूत्रियों मांगो लेकर नगर मुख्यालय को घेरने पर मचा हंगामा

जबलपुर,देशबन्धु। युवक कांग्रेस के समर्थ अवस्थी के नेतृत्व में हज़ारों कार्यकर्ताओं ने नगर निगम कार्यालय का घेराव किया। जनहित से जुड़ी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर यह प्रदर्शन किया गया। जब युवा कांग्रेस के द्वारा प्रतीकात्मक रूप से कचरा एवं मां नर्मदा में मिल रहा गंदा पानी जो लेकर शांतिपूर्ण ढंग से नगर निगम में सोए अधिकारियों को सौंपने जा रहे थे जिसे जबरन रोके जाने पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई।

पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेट्स को हटाने की कोशिश में कुछ कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन का प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश की। इसके बावजूद प्रदर्शनकारियों ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें नगर निगम प्रशासन तक पहुंचाई। और चेतावनी देते हुए 2 हफ्ते का समय दिया यदि इस समय में निगम के द्वारा जनता के हित में उचित कार्यवाही नहीं की जाएगी तो युवक कांग्रेस नगर निगम को चारों ओर से घेर कर एवं जिले के सभी जोनों में जंगी प्रदर्शन के लिए बाध्य होगी। शहर में हुए निर्माण कार्यों जैसे वहां से भी अधिक समय से अहिंसा चौक कचनार सिटी मार्ग बंद पड़ा है कार्य। लेबर चौक से खान ब्यूरो की सड़क का बंद पड़ा कार्य। रामपुर से ग्वारीघाट तक जाने वाली सड़क निर्माण कार्य बंद पड़ा है जिस कारण आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिसे जल्द से जल्द सुचारू रूप से चालू किया जाए।

ये रहे मौजूद- वरिष्ठ कांग्रेस जन -विधायक लखन घनघोरिया,सौरभ शर्मा,अमरीश मिश्रा, रत्नेश अवस्थी की मौजूदगी में युवक कांग्रेस के नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि नगर निगम प्रशासन इन जनहितकारी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं करता, तो आंदोलन और व्यापक रूप में किया जाएगा। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से समर्थ अवस्थी, शिशिर ननहनोरिया, अमित मिश्रा , राहुल यादव , प्रतीक दुबे, यश गुप्ता,आमिर पहलवान,मोहम्मद अली, राहुल शर्मा , नीलेश महार,अमन मेहरा, गौरव राजपूत, अंकित सतनामी,सुजल बैरागी आदि शामिल रहे।

मुख्यमंत्री श्रमिक परिवारों के खातों में संबल योजना की राशि करेंगे अंतरित

जबलपुर,देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संबल योजना अंतर्गत, अनुग्रह सहायता के 6821 प्रकरणों में 150 करोड़ रूपये सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। शुक्रवार को जबलपुर के बरगी में होने वाले इस कार्यक्रम में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।प्रदेश में संबल योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। योजना अन्तर्गत प्रारंभ से अब तक 1 करोड़ 76 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया गया है। पंजीयन प्रक्रिया निरंतर जारी है।

योजना में अनुग्रह सहायता अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये प्रदान किये जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रुपये तथा अंत्येष्टि सहायता के लिए 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं।संबल योजना में जहाँ एक ओर महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के लिये 16 हजार रुपये दिये जाते हैं, तो वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा के लिये सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।भारत सरकार के नीति आयोग की पहल पर प्रदेश के गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स को भी संबल योजना में सम्मिलित किया जाकर इनका पंजीयन प्रारम्भ किया गया है। इन्हें भी संबल योजना के अंतर्गत समस्त लाभ प्रदान किये जा रहे हैं। संबल हितग्राहियों को खाद्यान्न पात्रता पर्ची भी प्राप्त होती है, जिससे वे केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा रियायती दरों पर राशन प्राप्त कर रहे हैं। संबल योजना प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है।

प्रशासनिक खर्च से ज्यादा राशि खर्च हुई आयोग से नहीं ली अनुमति

जबलपुर,देशबन्धु। पावर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा कार्यालयों को बाहर शिफ्ट करने में विद्युत नियामक आयोग द्वारा अनुमोदित प्रशासनिक तथा जनरल खर्च की सीमा का उल्लंघन हुआ है। लेकिन इस अतिरिक्त खर्च हेतु पी.एम.सी. ने आयोग की अनुमति मांगी ही नहीं कोई पत्राचार भी नहीं किया है। आयोग के आदेश का उल्लंघन है, अत: आयोग इस कार्यवाही पर स्टे आदेश जारी करें, यह निवेदन इमेल भेजकर आज डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने आयोग से किया है।

उन्होंने बताया कि टैरिफ आदेश (पृष्ठ 92) के अनुसार वर्ष 2025-26 के लिए आयोग ने कुल प्रशासनिक एवं जनरल खर्च हेतु 467.59 करोड़ के खर्च को अनुमोदित किया है। नियामक आयोग द्वारा अनुमोदित राशि वितरण कंपनियों तथा होल्डिंग कंपनी-पी.एम.सी को भी निर्धारित होती है पीएमसी द्वारा किया गया खर्च वितरण कंपनियों के प्रशासनिक तथा जनरल खर्च में शामिल होता है। रेग्युलेशन 2021 के क्लाज 36 के तहत अनुमोदित की गई इस राशि के खर्च का उल्लंघन नहीं किया जा सकता है, इस हेतु अनुमति की जरूरत होती है। पीएमसी के 4 कार्यालय जबलपुर के बाहर शिफ्ट हो रहे उसका गैर वैकल्पिक कमर्शिलय कार्यालय पहले ही भोपाल शिफ्ट हुआ, अब इंडिपेंडेंट पावर प्रोडयूसर अनुभाग भोपाल जा रहा है स्टेट प्लानिंग सेल तथा पावर मैनेजमेंट कंट्रोल रूम बाहर भेजने को प्रस्तावित है। इस शिफ्टिंग से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त खर्च का आर्थिक बोझ पड़ा है। बैठक में डॉ. पी.जी. नाजपांडे, रजत भार्गव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, सुशीला कनौजिया, डीआर लखेरा, गीता पांडे, राममिलन शर्मा आदि उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री ने बिजली संबंधी शिकायतों के निपटारे में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की

विद्युत आपूर्ति में आ रहे अवरोध एवं कॉल-सेंटर में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की

जबलपुर,देशबन्धु। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली संबंधी शिकायतों के निपटारे पर हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रबंध संचालक से लेकर कार्यपालन स्तर तक के सभी अधिकारी रात्रि के समय क्षेत्रों का भ्रमण कर बिजली की वास्तविक स्थिति का आंकलन करें। साथ ही निरीक्षण रिपोर्ट मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। श्री तोमर ने बुधवार को विद्युत आपूर्ति में आ रहे अवरोध एवं कॉल-सेंटर के माध्यम से प्राप्त हो रही शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिये।

मंत्री श्री तोमर ने कहा कि शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिये टीम की संख्या बढ़ायें। उन्होंने कहा कि विद्युत अवरोध एवं उसके निराकरण से संबंधित जानकारी जन-प्रतिनिधियों, स्थानीय मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित करें। मैदानी स्तर के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं के फोन अटेंड करना सुनिश्चित हो। विद्युत कनेक्शन में भार वृद्धि के संबंध में जागरूक किया जाये। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि वर्षाकाल में बिजली की शिकायतों के मद्देनजर मेरे कार्यालय में भी आगामी 3 माह के लिये एक अस्थाई कॉल-सेंटर स्थापित किया गया है। कॉल-सेंटर का नम्बर 0755-4344299 है। उन्होंने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि इस नम्बर पर सम्पर्क करने के पूर्व बिजली कम्पनी के मुख्य कॉल-सेंटर 1912 पर शिकायत जरूर दर्ज करायें और उसका क्रमांक साझा करें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में प्रबंध संचालक एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी श्री अवनीश लवानिया, सभी विद्युत कम्पनियों के एमडी, क्षेत्रीय मुख्य अभियंता और मुख्य महाप्रबंधक शामिल हुए।

संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आज

जबलपुर,देशबन्धु। कर्मचारी-अधिकारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक सुबह 11.30 बजे कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित होगी। बैठक में सभी विभागों के जिला अधिकारियों को निर्धारित एजेंडा से संबंधित संपूर्ण जानकारी सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं। इसके साथ ही कर्मचारी संघों के पदाधिकारियों से भी बैठक में मौजूद रहने का आग्रह किया गया है।

5 हजार सफाई संरक्षकों का सम्मान, खुशी से छलक उठी आँखे

कर्मियों ने दिया महापौर को साधुवाद

जबलपुर,देशबन्धु। देश-प्रदेश के इतिहास में पहली बार महापौर की पहल पर जबलपुर नगर निगम ने 5 हजार सफाई संरक्षकों का सम्मान करने का निर्णय किया। यह भव्य और शानदार समारोह संस्कारधानी के परमपूज्य संतगणों क्रमशः परम पूज्य दण्डी स्वामी द्वादश पीठाधीश्वर कालिकानंद सरस्वती जी महाराज, जगतगुरू द्वाराचार्य स्वामी राघवदेवाचार्य जी महाराज, महंत चन्द्रशेखरानन्द जी महाराज के करकमलों और मध्यप्रदेश शासन के लोकनिर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर जगत बहादुर सिंह की अध्यक्षता में तथा सांसद आशीष दुबे, पाटन विधानसभा क्षेत्र के विधायक अजय विश्नोई, केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, बरगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज सिंह, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा गोटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, नेताप्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथि के रूप में मंच पर स्वास्थ्य प्रभारी एवं एम.आई.सी. सदस्य श्रीमती रजनी कैलाश साहू, एम.आई.सी. सदस्य डॉं. सुभाष तिवारी, दामोदर सोनी, विवेकराम सोनकर, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव एवं समस्त पार्षदगण उपस्थित रहे। शहर के गणमान्यजन भी कार्यक्रम के साक्षी बने। प्रदेश में पहलीबार संस्कारधानी के एक बड़े मंच पर एक साथ 5 हजार सफाई संरक्षकों का परम पूज्य संतगणो के आशीर्वाद से ब्राम्हणों द्वारा तिलकवंदन कर स्वागत सम्मान किया। इस अनूठे आयोजन की शुरूआत महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने की है।

देश में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और नगर में महापौर कर रहे राष्ट्रपिता का सपना पूरा : मंत्री राकेश सिंह

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि म.प्र. शासन के लोकनिर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह अपने उद्बोधन के दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की स्वच्छता को लेकर जो कल्पना थी उसे जमीनी धरातल पर देश में हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉं. मोहन यादव और नगर में महापौर श्री अन्नू के द्वारा अनूठी पहल की गयी और स्वच्छता के क्षेत्र में अतुल्नीय कार्य कर स्वच्छता की क्रांति फैला दी गयी है। मंत्री श्री सिंह ने महापौर श्री अन्नू की सराहना करते हुए कहा कि मैं महापौर श्री अन्नू को बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ कि उन्होंने सफाई संरक्षकों के सम्मान में बहुत ही सुन्दर कार्यक्रम की संरचना की है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सफाई संरक्षक साधारण व्यक्तित्व के लोग नहीं हैं ये वास्तव में असाधारण व्यक्तित्व के धनी है जिनके कारण हम लोग स्वस्थ्य वातावरण में रह पाते हैं। इन सबका वंदन अभिनंदन करता हूँ। महापौर श्री अन्नू ने नगर निगम के बजट में भी प्रावधान किया है कि अब प्रत्येक वर्ष इस प्रावधान को रखकर इस वर्ष की भाँति आगे के वर्षो में भी सफाई संरक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किये जायेगें। इस अवसर पर महापौर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ये हमारे सफाई संरक्षक शहर के लिए ऑक्सीजन से कम नहीं है इनके श्रम के कारण ही हम सब स्वच्छ वातावरण में सांस ले पाते हैं। इनके कारण ही सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से चलती है, धूप, पानी, बारिश हर मौसम में ये अपनी शहर के प्रति जिम्मेदारी बाखूबी निभाते हैं। ये हमारे लिए हीरो से कम नहीं है। इसलिए इनका वर्ष में एक बार सम्मान कर इनका मनोबल बढ़ाया जाये, इनका प्रोत्साहन किया जाये, इस बात को सुनिश्चित करते हुए हमने बजट में ही इस बात का समावेश कर प्रावधान कर दिया है।

वार्ड नम्बर 66 के भीटा में विधायक रोहाणी ने किया ओपन जिम का लोकार्पण

जबलपुर,देशबन्धु। केंट विधानसभा अंतर्गत रानीलक्ष्मीबाई वार्ड क्रमांक 66 के भीटा क्षेत्र में केन्ट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने ओपन जिम का लोकार्पण कर जनता को किया समर्पित क्षेत्रीय पार्षद बहन कृष्णा दास चौधरी ने बताया कि क्षेत्रवासियों की मांग पर उनके स्वास्थ्य की चिंता करते हुए भीटा क्षेत्र के सभी बुजुर्गों, बच्चों व युवासाथियों के व्यायाम के लिए ओपन जिम की मशीनें लगवाई गई हैं। इस दौरान सर्वश्री लोचन प्रसाद दुबे, हरीओम चौकसे, गुलाबगिरी, गोस्वामी, मेवालाल यादव संतोष रजक, नकुल गुप्ता, बब्लू खत्री, संतोष यादव, पुष्पा तिवारी, आशीष दास चौधरी, अरूणा कुशवाहा, धनपत झारिया, दिलीप सेन, आशुतोष दुबे, आरती बेन, वंदना विनोदिया, अनिल प्रताप ठाकुर, बंद चौकसे, राजू चौकसे सहित भारी संख्या क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

स्थगित सदन की साधारण बैठक 12 जून को

जबलपुर,देशबन्धु। नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम की स्थगित सदन की साधारण बैठक दिनांक 12 जून 2025 दिन गुरूवार को प्रात: 11:00 बजे से नगर निगम परिसर स्थित पं. भवानी प्रसाद तिवारी सभा कक्ष में आयोजित की गयी है।

मोक्ष को बनाएं जीवन का लक्ष्य : समयसागर महाराज

जबलपुर, देशबन्धु। आचार्य विद्यासागर सभा भवन में आयोजित भव्य धर्मसभा में प्रवचन देते हुए आचार्य समयसागर महाराज ने कहा कि संसार की प्रत्येक वस्तु पर्याय की दृष्टि से अनित्य है, जबकि द्रव्य की दृष्टि से नित्य मानी जाती है। हमारी आयु भी क्षणभंगुर है और एक दिन सभी को मृत्यु का वरण करना ही है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को संसार की अनित्यता का गहन बोध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे पास जो घर, धन, वाहन और शरीर है, वह सब एक दिन नष्ट हो जाएंगे। मनुष्य पर्याय दुर्लभ है—इसे प्राप्त कर मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होना चाहिए। संसार में करोड़ों जीव तिर्यंच पर्याय में जन्म लेकर भूख, प्यास और पीड़ा सहन कर रहे हैं। हम सभी

अनादिकाल से जन्म और मृत्यु के दुखों को भोग रहे हैं। अब इस चक्र को तोड़ने का समय है। हमें मोक्ष को ही अपने जीवन का अंतिम लक्ष्य बनाना चाहिए और उसी के अनुरूप पुरुषार्थ करना चाहिए। धर्मसभा की शुरुआत विदुषी जैन वनस्थली द्वारा मंगलाचरण पाठ से हुई। आचार्य विद्यासागर महाराज के तैलचित्र के समक्ष नेमावर एवं अजमेर जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल ने दीप प्रज्ज्वलित किया। खुरई जैन समाज द्वारा श्रीफल अर्पित कर चातुर्मास का विनय निवेदन किया गया। मुनिश्री चंद्रसागर महाराज के गृहस्थ जीवन के परिजनों कैलाशचंद जैन, राजकुमार जैन और अशोक जैन को पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा का कुशल संचालन अमित पडरिया ने किया।

औद्योगिक क्षेत्रों में नगर निगम कर पर महाकोशल चेम्बर असहमत

जबलपुर,देशबन्धु। मुख्यालय से मार्गदर्शन पर पुनः चर्चा किए बिना नोटिस जारी करना असंगत है यह कहना है महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का इसी सम्बंध में आयुक्त नगर निगम को पत्र प्रेषित किया गया है । इस संबंध में ज्ञात हो कि यह निर्विवादित है कि औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत उद्योग स्वामी नहीं है वे अधिभोगी है तथा नगर निगम के अधिनियमानुसार धारा 142(2) के तहत अधिभोगी से किसी भी प्रकार के कर उस रीति में तथा उस सीमा तक वसूल किया जा सकेगा जैसा कि इस अधिनियम में उपबंधित है । नगर निगम अधिकारी द्वारा उक्त प्रक्रिया से परे उद्योगों से संपत्तिकर के जारी नोटिस सर्वदा असंगत है मुख्यमंत्री द्वारा भी अगस्त 2024 में इस विषय विशेष पर घोषणा भी की गई थी कि औद्योगिक क्षेत्रों में संपत्तिकर नहीं लिया जावेंगा। चेम्बर अध्यक्ष रवि गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर नाग्देव, कनिष्ठ उपाध्यक्ष युवराज जैन गढ़वाल, मानसेवी मंत्री अखिल मिश्र, कोषाध्यक्ष हेमराज अग्रवाल, सहमंत्री गुलशन माखीजा, प्रभात जैन, समन्वयक राजेश चण्डोक, संगठन मंत्री अनिल जैन पाली, संयोजन मंत्री समीर पाल ने चेम्बर के साथ बैठक कर चेम्बर के साथ प्रकरण के शीघ्र निराकरण की अपील ही है।

तकिये के नीचे मोबाइल रखकर सोने से ब्रेन ट्यूमर का है खतरा

जबलपुर, देशबन्धु। तकिये के नीचे सिर के पास मोबाइल फोन रखकर सोने की आदत है तो इसे तत्काल बदल डालें। तकिये के नीचे सिर के पास मोबाइल फोन रखकर सोने की आदत है तो इसे तत्काल बदल डालें। मोबाइल का रेडिएशन सिर दर्द और निरंतर चक्कर आने का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं मोबाइल के रेडिएशन से ब्रेन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा भी रहता है, मोबाइल का रेडिएशन सिर दर्द और निरंतर चक्कर आने का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं मोबाइल के रेडिएशन से ब्रेन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा भी रहता है। जबलपुर के मेडिकल अस्पताल में हर सप्ताह ब्रेन ट्यूमर के 5-6 मरीजों की सर्जरी होती है। ब्रेन ट्यूमर के प्रमुख कारणों में बार-बार सीटी स्कैन के कारण होने वाला रेडिएशन, रेडियोथैरेपी, आनुवांशिक समस्या, वायरस शामिल है। न्यूरो सर्जन डॉ. वायआर यादव ने बताया ब्रेन टयूमर के शिकार मरीजों की काउंसलिंग और स्टडी से निकलकर आया कि वे गंभीर रेडिएशन की चपेट में थे। यह स्टडी न चिंतित भी करती है।

ब्रेन ट्यूमर के लक्षण

लगातार सिरदर्द रहना, सिर दर्द के साथ जी मचलाना, वयस्क या उम्रदराज लोगों में अचानक मिर्गी का दौरा आना, शरीर का कोई हिस्सा सुन्न होना, इसलिए खतरनाक

मोबाइल रेडिएशन, मोबाइल फोन का नेटवर्क एक तरह की ऊर्जा है। फोन हमारे सिर के नजदीक होता है, तो यह ऊर्जा हमारी सेहत को सीधे प्रभावित करती है। यह हमारे लिए कई तरह से नुकसानदायक हो जाती है। इसलिए हमें मोबाइल को दूर रखकर सोना चाहिए।

बिस्तर से दूर रखना चाहिए: डॉ.राजेश जैन

डॉ.राजेश जैन, कैंसर रोग विशेषज्ञ, स्टेट कैंसर अस्पताल, एनएससीबी मेडिकल कॉलेज ने बताया कि मोबाइल फोन सिर के पास रखकर सोने में उससे निकलने वाली रेडियोवेब इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इफेक्ट ब्रेन ट्यूमर का कारण बन सकता है। मोबाइल को बिस्तर से दूर रखना चाहिए।

कबीर जयंती कार्यक्रम मनाया

जबलपुर,देशबन्धु। कबीर पंथी समाज उत्थान समिति के द्वारा सुबह 11 बजे से कबीर जयंती के उपलक्ष्य में समाज के सभी की ओर से विशाल कबीर शोभायात्रा का आयोजन मालवीय चौक से क्रेशर बस्ती बाजना मठ तक निकाली गई एवं मठ पर जाकर समाज के सभी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात कबीर साहेब की पूजन अर्चन किया गया।

इस दौरान सुरेन्द्र कुमार संत, कंचनदास कुलदीप, युधिष्ठिर सोनवानी, दयाराज सोनवानी, उमेश बैरागी, संतोष बघेल, मोना कुलदीप (महिला सचिव) इमरतदास सोनवानी, ओमकार दास सोनवानी, सरवन, मिठ्ठनदास, घनश्याम बघेल मौजूद रहे।

कबीर दास केवल एक संत नहीं, बल्कि समाज सुधारक, विचारक और क्रंतिकारी कवि थे

जबलपुर,देशबन्धु। हिंदी विभाग, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा कबीर दास जंयती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये प्रो. अरुण शुक्ल, विभागाध्यक्ष ने कहा कि कबीर दास केवल एक संत नहीं, बल्कि समाज सुधारक, विचारक और क्रंतिकारी कवि थे। उन्होंने अपने दोहों और साखियों के माध्यम से समाज में मानवतावादी विचारधारा बीजारोपण किया। जो वर्तमान में भी उतना ही प्रासांगिक है। वे समाज सुधार और धार्मिक एकता एवं सांप्रदायिक सदभाव की प्रेरणा स्त्रोत थे। कार्यक्रम में डॉ. महेन्द्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि कबीर दास सत्य, प्रेम और अहिंसा को अपनाने की प्रेरणा देते है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा कबीर दास की साखियों वाचन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. ज्ञानेश पाण्डेय, डॉ. स्वाति मिश्रा, डॉ. मनोज विश्वकर्मा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत, डॉ. शैलेन्द्र भवदिया के साथ लगभग 45 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संत कबीर जयंती पर कबीरवाणी का आयोजन

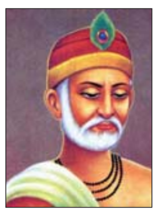

संत कबीर दास जी महाराज जयंती समारोह समिति, जबलपुर के तत्वावधान में कबीर साहेबजी की 628 वीं जयंती के अवसर पर कबीरवाणी और पूजन अर्चन का कार्यक्रम आगा चौक जबलपुर में संतोष झारिया के निवास पर आयोजित हुआ। इस अवसर पर झारिया कल्याण संघ के अध्यक्ष डा. एन पी झारिया, समिति के संयोजकगण अजय झारिया, मथुरा प्रसाद झारिया, डा. बलराम झारिया, संतोष झारिया, अजय झारिया पत्रकार, देवांशु झारिया, हरि मेहरा प्रेस फोटोग्राफर, श्रीमती राधा झारिया, श्रीमती आरती झारिया, महेंद्र प्रताप झारिया, डा. ज्योत्सना खरे, श्रीमती सुशीला विश्वकर्मा, अक्षय खरे, अंश खरे, जाय, आदि ने कार्यक्रम में पहुंचकर पूजन अर्चन किया तथा कबीर वाणी सुनी।

वर्चुअल एकाउंट नंबर से करें बिजली बिलों का एकमुश्त भुगतान

जबलपुर, देशबन्धु। म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. ने एकमुश्त बिजली बिलों का भुगतान करने वाले शासकीय एवं उच्चदाब उपभोक्ताओं के लिए एसबीआई वर्चुअल एकाउंट नंबर से बिजली बिलों के भुगतान की सुविधा प्रदान की जा रही है। इस सुविधा का सबसे बड़ा लाभ ये है कि एसबीआई वर्चुअल एकाउंट नंबर के माध्यम से भुगतान करने पर राशि का देयक में समायोजन निर्धारित दिनांक को स्वतः हो जायेगा और उनकी प्रविष्टि में कठिनाई नहीं होगी।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि कंपनी के समस्त उच्चदाब उपभोक्ताआओं द्वारा उनके विद्युत देयको का भुगतान कंपनी के भारतीय स्टेट बैंक के खाते में किया जाता रहा है। कंपनी द्वारा उच्चदाब उपभोक्ताओं को भुगतान की नई सुविधा सीएमपीई-कलेक्शन प्रदाय की जा रही है, जिसमें उपभोक्ताओं को नया एसबीआई वर्चुअल एकाउंट नंबर (वी.ए.एन.) उनके देयक पर प्रदर्शित किया जा रहा है।

उपभोक्ता द्वारा इस वर्चुअल एकाउंट नंबर को कंपनी के खाता क्रमांक के स्थान पर भुगतान करते समय प्रदर्शित करने पर उनका भुगतान की प्रविष्टि उनके देयक के विरूद्ध बिलिंग प्रणाली में स्वचालित रूप से हो जायेगी, जिससे राशि का देयक में समायोजन निर्धारित दिनांक को स्वतः हो जायेगा। विद्युत वितरण कंपनी ने कहा कि कुछ शासकीय उपभोक्ता उनके देयक का भुगतान कोषागार के माध्यम से करते हैं एवं कुछ उपभोक्ता अपने समस्त देयकों का भुगतान एकमुश्त करते हैं, जिससे उनके प्रविष्टि में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। सीएमपीई-कलेक्शन से राशि की प्रविष्टि उनके देयक में त्वरित रूप से हो जाएगी और उसी अनुसार उसका समायोजन भी हो जायेगा। विद्युत वितरण कंपनी ने इस संबंध में समस्त मैदानी अधीक्षण अभियंताओं को निर्देशित किया है कि समस्त उपभोक्ताओं को वर्चुअल एकाउंट नंबर का इस्तेमाल कर नई सुविधा सीएमपीई-कलेक्शन के माध्यम से एनईएफटी, आईएमपीएस, आरटीजीएस, फंड ट्रांसफर आदि के द्वारा देयकों का भुगतान करने हेतु जागरूक करें।

दैनिक राशिफल

गुरुवार 12 जून 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1947 हिजरी 1446। जेष्ठ कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा नक्षत्र- मूल।

मेष - आप का दिन मिश्रित फलदायी है। आज आप अस्वस्थता एवं चिंता का अनुभव करेंगे। शरीर में थकान और आलस्य एवं मन में अशांति रहेगी। आप आज थोड़े क्रोधित रहेंगे, जिससे काम बिगड़ सकते हैं।

वृषभ - आज का दिन सावधानीपूर्वक गुजारें। आज किसी भी प्रकार से कोई नया काम शुरू ना करें। आज आप का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। खान-पान में विशेष ध्यान रखना आपके लिए जरूरी है।

मिथुन - आज का दिन आनंद-प्रमोद में गुजरेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप खुशी का अनुभव करेंगे। मित्रों और परिजनों के साथ प्रवास या पर्यटनस्थल पर घूमने-फिरने का आनंद उठा सकेंगे। (356-578)

कर्क - व्यवसाय में आज का दिन लाभदायी रहेगा। कार्यालय में सहकर्मियों का सहयोग भी प्राप्त होगा। परिजनों के साथ आज आनंदपूर्वक समय गुजारेंगे। मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थता का अनुभव होगा। विरोधियों पर विजय मिलेगी।

सिंह - आज रचनात्मकता और कला संबंधी प्रवृत्तियों के लिए दिन श्रेष्ठ है। विद्यार्थी अभ्यास में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पाएंगे। स्नेहीजनों और मित्रों के साथ मुलाकात होगी। शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

कन्या - आज का दिन प्रतिकूलताओं से भरा रहने के संकेत हैं। शारीरिक ताजगी का आज अभाव रहेगा और मानसिक रूप से भी चिंता बनी रहेगी। पत्नी के साथ कलह का प्रसंग बन सकता है। अनबन हो सकती है।

तुला - आज का दिन आनंद में गुजरेगा। विरोधियों के समक्ष विजय का स्वाद प्राप्त कर सकेंगे। प्रत्येक काम में सफलता मिलेगी। स्वजनों के साथ भी आज भेंट होगी। मानसिक रूप से भी प्रसन्नता बनी रहेगी।

वृश्चिक - परिवार में क्लेशमुक्त वातावरण न हो, इसके लिए वाणी पर संयम रखें। आपके व्यवहार से आज किसी के मन को ठेस पहुंच सकती है। व्यवहार को भी संयमित रखें। वैचारिक नकारात्मकता से दूर रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु - आज के दिन निर्धारित किए हुए कार्य पूरे होंगे। भाग्य आपका साथ देगा। शारीरिक तथा मानसिक स्वस्थता आपको प्रसन्न रखेगी। किसी यात्रा पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। स्वजनों के मिलने से मन आनंदित रहेगा।

मकर - आज मन अस्वस्थ रहेगा। धार्मिक, सामाजिक कामों पर धन का खर्च होगा। स्वजन और मित्रों के साथ अनबन होगी। धनहानि और मानहानि का योग है। आज आध्यात्मिकता की ओर रुझान अधिक रहेगा।

कुंभ - आज हर काम में आपको लाभ मिलने के योग रहेंगे। नए काम की शुरुआत आज ना करें। व्यवसाय में विशेष लाभ होगा। सामाजिक क्षेत्र में भी आपको लाभ मिल सकता है। संतान के साथ मेल-जोल अच्छा रहेगा। आय बढ़ेगी।

मीन - आपका आज का दिन शुभ फलदायी है। नौकरी और व्यापार में आपको सफलता मिलेगी। अधिकारी आप पर प्रसन्न रहेंगे। इस बात से आपकी प्रसन्नता में भी वृद्धि होगी। (156-124)

2,7,5,0-12,47,58,09,26,98,03,44

प्रशासनिक खर्च से ज्यादा राशि खर्च हुई आयोग से नहीं ली अनुमति

जबलपुर,देशबन्धु। पावर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा कार्यालयों को बाहर शिफ्ट करने में विद्युत नियामक आयोग द्वारा अनुमोदित प्रशासनिक तथा जनरल खर्च की सीमा का उल्लंघन हुआ है। लेकिन इस अतिरिक्त खर्च हेतु पी.एम.सी. ने आयोग की अनुमति मांगी ही नहीं कोई पत्राचार भी नहीं किया है। आयोग के आदेश का उल्लंघन है, अतः आयोग इस कार्यवाही पर स्टे आदेश जारी करें, यह निवेदन इमेल भेजकर आज डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने आयोग से किया है। उन्होंने बताया कि टैरिफ आदेश (पृष्ठ 92) के अनुसार वर्ष 2025-26 के लिए आयोग ने कुल प्रशासनिक एवं जनरल खर्च हेतु 467.59 करोड़ के खर्च को अनुमोदित किया है। नियामक आयोग द्वारा अनुमोदित राशि वितरण कंपनियों तथा होल्डिंग कंपनी-पी.एम.सी को भी निर्धारित होती है पीएमसी द्वारा किया गया खर्च वितरण कंपनियों के प्रशासनिक तथा जनरल खर्च में शामिल होता है। रेग्युलेशन 2021 के क्लाज 36 के तहत अनुमोदित की गई इस राशि के खर्च का उल्लंघन नहीं किया जा सकता है, इस हेतु अनुमति की जरूरत होती है। पीएमसी के 4 कार्यालय जबलपुर के बाहर शिफ्ट हो रहे उसका गैर वैकल्पिक कमर्शिलय कार्यालय पहले ही भोपाल शिफ्ट हुआ, अब इंडिपेंडेंट पावर प्रोडयूसर अनुभाग भोपाल जा रहा है स्टेट प्लानिंग सेल तथा पावर मैनेजमेंट कंट्रोल रूम बाहर भेजने को प्रस्तावित है। इस शिफ्टिंग से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त खर्च का आर्थिक बोझ पड़ा है। बैठक में डॉ. पी.जी. नाजपांडे, रजत भार्गव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, सुशीला कनौजिया, डीआर लखेरा, गीता पांडे, राममिलन शर्मा आदि उपस्थित थे।

घाट पिपरिया तालाब की जमीन बचाने संभागायुक्त के पास पहुंचे ग्रामीण

जबलपुर, देशबन्धु। घाट पिपरिया में दबंगों द्वारा सरकारी घोषित हो चुके तालाब की जमीन पूर दिए जाने के खिलाफ आज बोले रसूखदारों के साथ मिल कर भू-माफिया लील रहा जमीन ग्रामीणों ने सम्भाग कमिश्नर कार्यालय पहुंच कर ज्ञापन दिया है। सार्वजनिक हित के तालाब की दुर्दशा के इस मामले

पर ग्रामीणों का आरोप है कि भेड़ाघाट रोड की इस जमीन पर भू-माफिया की भी नजर है जो स्थानीय रसूखदारों के माध्यम से यहां गड़बड़ी कर रहे हैं। करीब आठ से दस साल के भीतर धीरे-धीरे इस तालाब की जमीन को चुपचाप पूरा जा रहा है विरोध करने पर लोगों को धमकाया भी जा रहा है। इसलिए इस तालाब का पुर्नरुद्धार किया जाना जरुरी है। तालाब की जमीन से अवैध कब्जे हटा कर इसे जीवित किए जाने से क्षेत्र में पानी की समस्या खत्म हो जाएगी। पूर्व में भी यहां सरपंच, वर्तमान सरपंच, और कुछ रसूखदारों ने यहां पुरानी मेढ़ ही तोड़ डाली थीं।

प्यासे कंठ को शीतल जल पिला रहे सेवादार

जबलपुर,देशबन्धु। एक तो भीषण गर्मी और दूसरे ट्रेनों में ठसाठस भरी भीड़ जहां हिलना भी मुश्किल है ऐसे में यदि यात्रियों को डिब्बे में ही शीतल जल मिल जाता है तो उनकी प्रसन्नता देखते ही बनती है। इस जल सेवा से महिला और दिव्यांग यात्री बहुत खुश होते हैं दो मिनट के स्टापेज में कैसे नीचे आएं, जोखिम भरा काम है।

ऐसे में यह सेवा पूरी निष्ठा के साथ विगत पच्चीस वर्षों से निरंतर सुचारू रूप से श्री योग वेदांत सेवा समित जबलपुर के द्वारा जिसका संचालन आशाराम बापू के आश्रम के सेवादारियों द्वारा किया जा रहा है। ये सेवा हर साल 1 अप्रैल से 15 जून तक चलती है। शीतल जल सेवा जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 1, से लेकर 5 पर आश्रम के सेवादारियों के द्वारा किया जाता है, इस सेवा को आश्रम के सभी सेवादारी भाई-बहन मिलकर सुबह 8:00 बजे से लेकर शाम 6: 00 बजे तक सारे प्लेटफार्म पर स्वच्छ और शीतल जल का वितरण यात्रियों को प्लेटफार्म पर एवं कोच में करते हैं जिसका लाभ इस भीषण गर्मी में रेल यात्रियों को मिल रहा है, एवं रेल प्रशासन के द्वारा भी इस पुनीत कार्य की सराहना की जा रही है, तथा रेल्वे की पत्रिका में भी इस जल सेवा का जिक्र हुआ है तथा रेल्वे ने स्वीकार किया इस सेवा का यात्री भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

आश्रम के सेवादार महेश छलोत्रे ने बताया कि उपरोक्त सेवा विगत 25 वर्षों से जबलपुर रेलवे स्टेशन पर की जा रही है, शुरुआत के दौर में यह सेवा केवल दो प्लेटफार्म पर की जाती थी, पिछले वर्ष इसे एक नंबर पर भी चालू किया गया और इस वर्ष दो और तीन नंबर प्लेटफार्म पर इस सेवा का विस्तार किया गया है, इस प्रकार से जबलपुर के 6 प्लेटफार्म में से 5 प्लेटफार्म पर जल वितरण किया जाता है एवं समिति के द्वारा अगले वर्ष प्लेटफार्म क्रमांक 6 पर भी इस सेवा को करने हेतु संसाधनों की व्यवस्था एवं सेवादरों की व्यवस्था की जाएगी, ताकि जबलपुर रेलवे स्टेशन के सारे प्लेटफार्म पर यात्रियों को शीतल जल उपलब्ध कराया जा सके।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री श्रवण कुमार श्रीवास्तव- सुराही बिल्डिंग न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री अजय, अभय, गोपाल, मनोज व नीलेश श्रीवास्तव के पिता श्री श्रवण कुमार श्रीवास्तव (82) का निधन हो गया। वे विजय, ध्रुव एवं अशोक श्रीवास्तव के भ्राता थे। अंतिम यात्रा आज गुरूवार को सुबह 10 बजे गौरीघाट मोक्षधाम की ओर प्रस्थान करेगी।

श्री पारसनाथ शर्मा- शीतलपुरी बल्देवबाग निवासी श्री पारसनाथ शर्मा (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंद्रकली अग्रवाल- कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री परषोत्तम अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकली अग्रवाल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती रानी रजक- मोदीबाड़ा सदर निवासी श्री दिलीप कुमार रजक की धर्मपत्नी श्रीमती रानी रजक (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कामता सोनखरे- बेलबाग टोरिया निवासी श्री कामता सोनखरे (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नीलेश पटेल- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री संतोष कुमार पटेल के पुत्र श्री नीलेश पटेल (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. दिव्या जाट- कंजड़ मोहल्ला पूर्वी बेलबाग निवासी श्री गिरीश जाट की पुत्री कु. दिव्या जाट (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती तुलसी ठाकुर- मांडवा रामपुर छापर निवासी श्री संतोष ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती तुलसी ठाकुर (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती स्नेहलता जाट- कंजड़ मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री सिद्धनाथ जाट की धर्मपत्नी श्रीमती स्नेहलता जाट (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती हरछठ बाई कोल- विजयनगर एमआर फोर निवासी श्री मिही लाल कोल की धर्मपत्नी श्रीमती हरछठ बाई कोल (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुखमता चौरसिया- वल्दी कोरी की दफाई आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री श्रीराम चौरसिया की धर्मपत्नी श्रीमती सुखमता चौरसिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

मां को बचाने नाबालिग बेटे ने कर दी पिता की हत्या

बेलखेड़ा के नयाखेड़ा में वारदात, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। बेलखेड़ा थानातंर्गत ग्राम नयाखेड़ा में पिता कुल्हाडी लेकर मॉ पर हमला करने वाला था। नाबालिग बेटे ने मॉ को बचाने के लिए पिता के हाथ से कुल्हाली को छिनकर उस पर हमला कर दिया। नाबालिग बेटा पिता की मौत होने तक उस पर कुल्हाडी से हमला करता रहा। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर नाबालिग बेटे को अभिरक्षा में लिया है।

बीती रात अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर रहे व्यक्ति की नाबालिग बेटे ने कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। दरअसल मृतक अपनी पत्नी और बेटी के साथ गालीगलौज कर पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला करने वाला था, जो कि उसके 17 वर्षीय नाबालिग बेटे से बर्दाश्त नहीं हुआ और उसने अपने पिता के हाथ से कुल्हाड़ी छुड़ाकर उसी पर हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

एसडीओपी पाटन लोकेष डाबर से प्राप्त जानकारी के अनुसार नयाखेड़ा निवासी 38 वर्षीय रेवतीबाई मल्लाह तथा उसका पति गोविंद मल्लाह उम्र 40 साल मजदूरी करते है। दोनों का एक बेटा और एक बेटी है। पति -पत्नी के बीच विगत चार-पांच दिनों से पारिवारिक विवाद पर तनाव की स्थिति बनी हुई थी और झगड़े हो रहे थे। गोविंद गत रात करीब आठ बजे घर पहुँचा तो देखा की रेवती बाई अपनी बेटी के साथ घर की परछी में बैठकर खाना बना रही है। इसी दौरान दोनों के बीच फिर से विवाद प्रारंभ हो गया तो गोविंद ने गाली गलौज करते हुए घर का सामान बाहर फेंकने लगा। पत्नी से इस विरोध किया तो गोविंद ने उसे जमीन में पटक दिया गया और कुल्हाडी लेकर आया और सीने में लात रखकर उस पर हमला करने वाला था। मॉ को बचाने के लिए 17 वर्षीय नाबालिग बेटे ने पिता के हाथ से कुल्हाड़ी छुड़ाकर उस पर हमला करने लगा। कुल्हाड़ी के वार से पिता कमर, दाहिने तरफ कान के नीचे, कंधे एवं पीठ में चोट आ गयीं। जिससे गोविन्द की घटना स्थल पर मौत हो गयी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी नाबालिग फरार हो गया था। पुलिस ने सूचना मिलने पर हत्या का प्रकरण दर्ज कर षव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया था। पुलिस ने सरगर्मी से तलाष करते हुए आरोपी किशोर को अभिरक्षा में लिया है।

रिश्वत लेते उप निरीक्षक चढ़ा पुलिस के हत्थे

लोकायुक्त की कार्यवाही

जबलपुर,देशबन्धु। लोकायुक्त की टीम ने पुलिस विभाग में पदस्थ उप निरीक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकडा। चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सड़क दुर्घटना के केस कमजोर करने के एवज में पीड़ितों से रिश्वत की मांग कर रहा था। जिसकी शिकायत पीडित व्यक्ति के द्वारा लोकायुक्त विभाग से की गयी थी। लोकायुक्त की टीम ने बुधवार को आरोपी उप निरीक्षक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक संजय साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिवनी जिले के केवलारी थानान्तर्गत पलारी चौक में पीडित महेश राय के खिलाफ सड़क दुर्घटना का प्रकरण दर्ज हुआ था। उसके टैक्टर क्रमांक एमपी 22 एबी 4308,जिसमें थ्रेसर लगा हुआ था,उससे नर्मदा मरावी नामक महिला को पैर में चोट लग गयी थी। चौकी प्रभारी पलारी राजेश कुमार शर्मा केस को कमजोर करने के लिए 15 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। जिसकी शिकायत पीडित के द्वारा लोकायुक्त में की गयी थी। जांच में शिकायत सही पाई गई थी।

पीडित व्यक्ति ने बुधवार को जैसे ही चौकी प्रभारी को रिश्वत की पहली किस्त 6 हजार रूपये दिये थे। चौकी प्रभारी ने जैसे ही रिश्वत की रकम लेकर रखी,तभी लोकायुक्त की टीम ने दबिश देकर उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी पुलिस कर्मचारी के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की। लोकायुक्त के ट्रेप दल में पुलिस उप अधीक्षक नीतू त्रिपाठी,निरीक्षक नरेश बेहरा,निरीक्षक कमल सिंह उईके सहित अन्य शामिल थे। लोकायुक्त की इस कार्यवाही से सिवनी पुलिस में हडकंप की स्थित निर्मित रही।

युवकों पर चाकू से हमला

कोतवाली हरदौल मंदिर के समीप वारदात

जबलपुर,देशबन्धु। कोतवाली थाना क्षेत्रांतर्गत बिट्टू गोटियां नामक बदमाश ने निहाल चौधरी व उसके साथी साहिल झारिया से शराब के लिए रुपयों की मांग करते हुए चाकू से हमला कर दिया। जिससे निहाल और साहिल के दोनों पैरों की जांघों में गंभीर चोटे आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

पुलिस ने बताया कि दुर्गा मोहल्ला निवासी 18 वर्षीय निहाल चौधरी बीती रात करीब साढ़े दस बजे अपने साथी साहिल झारिया और पियूष विश्वकर्मा के साथ एक्टिवा से हरदौल मंदिर के पास पहुंचे, उसी समय उन्हें बिट्टू गोंटिया मिला, जो कि शराब पीने के लिये रुपयों की मांग करने लगा। निहाल ने रुपये देने से मना किया तो बिट्टू ने चाकू से उस पर हमला कर दिया। जिससे निहाल के बाएं पैर में चोट आ गई, उसके साथी साहिल व पीयूष व ने बीच बचाव किया तो बिट्टू ने साहिल पर भी चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके दोनों पैरों की जांघों में गंभीर चोट आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

युवक पर ब्लेड से हमला

जबलपुर,देशबन्धु। पाटन कटरा मोहल्ला निवासी 16 वर्षीय कमल गौड़ ठाकुर जब बीती रात सत्यम कड़ेरे से बातचीत कर रहा था, तभी सचिन उर्फ बाबाजी विश्वकर्मा ने उसे जातिगत रूप से गालीगलौज करते हुए ब्लेड से हमला कर दिया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपी सचिन, सत्यम से मनमुटाव रखता है, जब वह उनके साथ खड़ा था, ये बात सचिन को नागवार गुजरी और उसने गालीगलौज करते हुए हमला कर दिया, जिससे उसके वाये हाथ में चोटे आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस की घेराबंदी देख तस्कर कार छोड़कर भागे

माढ़ोताल पुलिस की कार्यवाही, पचास हजार की अवैध शराब जप्त

जबलपुर,देशबन्धु। माढ़ोताल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कटंगी वायपास की सर्विस रोड पर मुखबिर की सूचना पर नाकेबंदी की। जिसे देख अवैध शराब लेकर आ रहा कार चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पुलिस ने सफेद कलर की होण्डई ओरा कार से पांच सौ पाव देशी शराब कीमती पचास हजार रुपये की जप्त करते हुए आरोपी चालक की पतासाजी शुरु कर दी है।

माढ़ोताल टीआई नीलेश दोहर ने बताया कि बीती रात मुखबिर की सूचना पर कटंगी वायपास सर्विस रोड पर नाकेबंदी की गई। जहां कुछ देर बाद कटंगी वाईपास सर्विस रोड की ओर से पाटन बाईपास की ओर मुखबिर के बताये नम्बर की कार क्रमांक एमपी 07 सीएच 9660 आते दिखी, जिसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक पुलिस को देखकर कार से उतरकर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गया। पुलिस ने कार की डिक्की में रखे दस कार्टूनों से पांच सौ पाव देशी शराब कीमती पचास हजार रुपये की बरामद की है। पुलिस ने कार व शराब जप्त करते हुए आरोपी चालक के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसकी पतासाजी शुरु कर दी है।

बाथरूम में गिरने से हुई मौत, जांच में जुटी पुलिस

सैन्य मेडिकल अफसर की नवविवाहिता पत्नी की मौत

जबलपुर,देशबन्धु। जैक आरआरसी आफिसर मैस में सैन्य मेडिकल ऑफिसर ओम नागार्जुन की नवविवाहिता पत्नी कविता की बाथरूम में गिरने के कारण मौत हो गई। ओम नागार्जुन की तीन माह पहले ही कविता के साथ शादी हुई थी। इसके बाद विगत दिवस ही वे जबलपुर ज्वाइनिंग पर पहुंचे थे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार ओम नागार्जुन उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम चिन्नालापट्टी जिला डिंडीगुल तमिलनाडु वर्तमान में आर्मी जैक रेजिमेंटल सेंटर जबलपुर में मेडिकल ऑफिसर के पद पर पदस्थ है। ओम नागार्जुन की शादी 2 मार्च 2025 को कविता के साथ हुई थी। 9 जून की रात लगभग 8.15 बजे वह अपनी पोस्टिंग पर जबलपुर अपनी पत्नी कविता के साथ जैक आरआरसी ऑफिसर मैस पहुॅचे। जहां कुछ देर बाद रात लगभग 9.30 बजे पत्नी कविता बाथरूम में फेस वॉश करने गई। जहां पर कविता के गिरने की आवाज सुनकर ओम नागार्जुन पहुंचे, जिन्होंने देखा तो कविता बाथरुम में गिरी हुई थी, जिसने कहा बहुत तेज दर्द हो रहा है। जिसके बाद ओम ने मेजर महेश की मदद से पत्नी कविता को एमएच अस्पताल पहुंचाया। जहां पर कविता की हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने भर्ती कर लिया।

बीती रात के लगभग कविता की इलाज के दौरान मौत हो गई। कविता की मौत को लेकर डॉक्टरों का कहना था कि कार्डियक अरेस्ट हुआ है। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी पहुंचे, जिन्होंने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

शराब के लिये रुपये न देने पर टीआई ने किया पथराव

गोरखपुर के रामपुर क्षेत्र की घटना

जबलपुर,देशबन्धु। गोरखपुर थानातंर्गत रामपुर चौधरी मोहल्ले में सोहिल खान उर्फ जूर्नद उर्फ टीआई ने प्रकाश बेन नामक व्यक्ति से शराब पीने के लिये पांच सौ रुपयों की मांग की। प्रकाश के रुपये देने से मना करने पर जुनैद उर्फ टीआई ने पथराव कर प्रकाश के घर का दरवाजे में तोडफ़ोड़ कर दी, जिससे प्रकाश के हाथ और कमर में भी चोटे आ गई।

पुलिस ने बताया कि रामपुर चौधरी मोहल्ला निवासी 54 वर्षीय प्रकाश बेन पार्लर दुकान में काम करता है। बीती रात करीब साढ़े बारह बजे वह अपने घर के सामने खड़ा था। उसी समय सोहिल खान उर्फ जुनैद उर्फ टीआई पहुंचा और प्रकाश से शराब पीने के लिये पांच सौ रुपयों की मांग करने लगा। प्रकाश ने रुपये देने से मना किया तो जुनैद उर्फ टीआई ने गालीगलौज करते हुए पत्थर उठाकर प्रकाश के घर के दरवाजे पर मारा, जिससे दरवाजा टूट-फूट गया और प्रकाश को भी चोटे आ गई। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकला। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

शराब के लिये रुपये न देने पर दो भाइयों से मारपीट

कोतवाली शिक्षक कॉलोनी क्षेत्र में वारदात

जबलपुर,देशबन्धु। कोतवाली थानातंर्गत शिक्षक कालोनी क्षेत्र में बीती रात तीन शराबियों ने दो भाईयों से शराब के लिये रुपयों की मांग करते हुए वियर की बॉटल से हमला कर जमकर मारपीट की। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि न्यू जगदम्बा कालोनी निवासी 35 वर्षीय अतुल नामदेव बीती शाम साढ़ छह बजे अपने छोटे भाई अनिल नामदेव के साथ किसी काम से शिक्षक कालोनी की ओर जा रहा था। जैसे ही दोनों भाई आलोक जैन के घर के पास पहुंचे, जहां पहले से शनि रजक, विक्की उर्फ विकास रजक व सौरभ रैकवार शराब पी रहे थे। जिन्होंने अतुल को देखा और शराब पीने के लिये एक हजार रुपयों की मांग करने लगे। अतुल ने रुपये देने से मना किया तो शनि रजक ने वियर की बॉटल से उस पर हमला कर दिया। अनिल ने बीच बचाव करना चाहा तो तो विकास रजक और सौरभ ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। जिससे दोनों भाईयों को चोटे आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

लापता होने के एक साल बाद मां ने दर्ज करवाई एफआईआर

हाईकोर्ट ने किया पास्को एक्ट में दंडित अभियुक्तों को दोष मुक्त

जबलपुर,देशबन्धु। पास्को अधिनियम के तहत दस साल की सजा को चुनौती देते हुए चार महिलाओं तथा दो पुरुषों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट जस्टिस अतुल श्रीधरन तथा जस्टिस अनुराधा शुक्ला ने पाया कि पीड़िता ने खुद थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करवाई थी। बेटी के लापता होने की रिपोर्ट मॉ की तरफ से एक साल बाद दर्ज कराई गई थी। लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होने के एक सप्ताह बाद पीडित ने थाने पहुंचकर अपीलकर्ताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता पूर्व में भी दो बार अन्य लडकों के साथ भागी थी। पीड़िता के नाबालिग होने के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं है। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया।

छिंदवाड़ा निवासी पीडिता 16 मार्च 2013 को लापता हुई थी। उसकी मॉ ने बेटी के लापता होने की रिपोर्ट एक साल बाद 12 मार्च 2014 को दर्ज करवाई थी। इसके सात दिन बाद पीडित ने शुजालपुर थाने पहुंचकर खुद को बेचने तथा यौन शोषण किये जाने की शिकायत की थी। पीडित की तरफ से बताया गया कि वह रानी लक्ष्मी बाई स्कूल में पढती थी। मॉ की तबीयत खराब होने के कारण अपनी सहेली शिवानी के साथ लोगों के घरों में काम करती थी। अपीलकर्ता अंजुम,शांति बाई,उसकी बेटी रजनी तथा दामाद कैलाश यादव उसे तथा सहेली शिवानी को लेकर भोपाल गये थे। भोपाल में अंजुम की मॉ खैरुन्निशा मिली थी। इसके बाद सभी लोगों ट्रेन से ुजालपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे और वहां से बस लेकर सुसनेर पहुंचे और सुसनेर पहुंचे थे। सुसनेर ने उसका सौदा विजय सिंह से कर दिया था। उसे साडी पहनाई गयी थी और उसकी गोद में रुपये डाले गये थे। इस दौरान उसकी उम्र 17 साल थी। इसके बाद विजय ने जबरदस्ती शादी कर उसका शोषण करता था। वह किसी तरह भागकर पुलिस थाने पहुंची है। प्रकरण की विवेचना छिंदवाड़ा पुलिस द्वारा की गयी थी। न्यायालय ने सभी आरोपियों को दस-दस साल की सजा से दंडित किया था।

युगलपीठ ने अपने आदेष में कहा है कि अपीलकर्ता विजय तक पहुँचाने में पीडिता पर बल या जबरदस्ती का प्रयोग नहीं किया गया था। पीडिता अपनी इच्छा से गयी थी। पीडिता ने अपने बयान में कहा है कि उसे साडी पहनाकर बैठाया गया था और गोद में रुपया डालकर सगाई की गयी थी,जिसके संबंध में उसे जानकारी नहीं थी। पीडिता स्कूल की छात्रा होने के साथ समझदार थी। उसने शादी के पहले ऐसी रस्मों को देखा होगा। लडकी की उम्र के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं है। स्कूल में अंदाज से जन्मतिथि दर्ज करवा दी गयी थी। पीडिता की एमएलसी अपेक्षा के अनुरूप अनिर्णायक है, क्योंकि वह लगभग एक वर्ष तक अपीलकर्ता विजय के साथ थी। एक साल तक लापता होने के बाद पीड़िता की माँ ने उसके गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज करवाई। बेटी के लापता होने के बाद भी उन्होंने अपीलकर्ता से पूछताछ नहीं की। बेटी उन्हें बताकर अपीलकर्ताओं के साथ गयी थी। न्यायालय का मानना है कि पीडित की यात्रा और अभियुक्त विजय के साथ रहने में उसकी सहमति थी। पीडित की सहेली ने अपने वयान में कहा है कि षिकायतकर्ता की लड़कों के साथ भागने की आदत थी और पहले दो मौकों पर उसने ऐसा किया था।जिसकी जानकारी उसकी मॉ को थी। पीडित की उम्र के संबंध में भी कोई साक्ष्य नहीं है। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद सजा को निरस्त करते हुए अपीलकर्ताओं को दोषमुक्त कर दिया।

डिस्चार्ज होने के दस बाद सेप्टीसीमिया हुई थी मौत

हाईकोर्ट ने माना गैर इरादतन हत्या का मामला

जबलपुर,देशबन्धु। गर्म पानी फेंकने के कारण घायल व्यक्ति मौत के अपराध में न्यायालय ने पत्नी,उसकी भाभी तथा बडी सास को हत्या के अपराध में सजा से दंडित किया था। जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में दायर अपील की सुनवाई करते हुए जस्टिस अतुल श्रीधरन व जस्टिस अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ ने पाया कि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद व्यक्ति की मौत सेप्टीसीमिया से हुई थी। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद भाभी को दोषमुक्त करते हुए पत्नी व बडी सास को गैर इरादतन हत्या का आरोपी माना है।

सागर निवासी राजकुमारी बाई पर आरोप था कि उसने अपने पति पर गर्म पानी फैंक दिया था। यह कार्य उसने अपनी भाभी रति बाई तथा बडी माँ रामसखी के सहयोग से किया था। पीडित व्यक्ति का अस्पताल में उपचार चला और डिस्चार्ज होने के उसी घर पर मौत हो गयी थी। राजकुमारी बाई तथा रामसखी की तरफ से दायर अपील में कहा गया था कि उपचार के बाद मौत होने के कारण उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या के प्रकरण चलाया जाना चाहिए था। रति बाई की तरफ से दायर क्रिमनल अपील में कहा गया था कि मृत्यु पूर्व बयान में उसका नाम नहीं लिया गया था। इसके अलावा उपचार के दौरान भी पीडित ने उसका नाम नहीं लिया था। इसके बावजूद भी न्यायालय ने हत्या के अपराध में दोषी करार देते हुए सजा से दंडित किया।

युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के दस दिन बाद लापरवाही के कारण पीडित की मौत सेप्टीसीमिया से हुई थी। पीडित के बयान में नाम नहीं होने के कारण जमानत पर रिहा रति बाई को दोषमुक्त किया जाता है। मृतक की पत्नी दस साल की सजा काट चुकी है और जेल में निरुद्ध है। बडी सास 9 साल से अधिक की सजा काट चुकी है और जमानत पर है। दोनों ने धारा 304 के तहत सजा पूरी कर ली है,इसलिए उन्हें रिहा किया जाये।

विजन होटल वापस करे साढ़े ग्यारह लाख रुपये

मानसिक पीड़ा और वाद व्यय का अलग से भुगतान करने के निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पंकज यादव व सदस्य द्वय अमित सिंह तिवारी व सोनल पंडित की न्यायपीठ ने मेसर्स विजन होटल प्रायवेट लिमिटेड के संचालक संदीप विजन व इंद्र विजन मंडला रोड तिलहरी को सेवा में कमी का दोषी पाया। इसी के साथ परिवादी के हक में 60 दिन के भीतर 11 लाख 50 हजार लौटाने का आदेश पारित कर दिया। यही नहीं मानसिक कष्ट के एवज में 10 हजार व मुकदमे का खर्च दो हजार भी भुगतान करने के निर्देश दिये है।

परिवादी बड़ा बाजार विदिशा निवासी राजेश कुमार सराफ की ओर से अधिवक्ता नितिन जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि होटल अग्रिम बुकिंग की राशि नहीं लौटा रही है। परिवादी ने अपनी पुत्री के 10 दिसंबर 2023 से 11 दिसंबर 2023 तक होने वाले दो दिवसीय विवाह कार्यक्रम के लिए होटल विजन महल 12 मई 2023 को बुक किया था। दो दिनों का पूरा पैकेज उभय पक्षों की सहमति से 25 लाख 51 हजार रुपये तय हुआ था। एक लाख 50 हजार रुपये बुकिंग के समय जमा कर दिये गये थे। 10 लाख की राशि परिवादी ने अपनी मां असर्फी बाई के बैंक खाते से ट्रांसफर किए थे। इस तरह कुल 11 लाख 50 हजार अग्रिम दे दिये गये थे, लेकिन बाद में व्यक्तिगत कारणों से विवाह निरस्त हो गया। जिसकी सूचना होटल को जुलाई 2023 में ही दे दी गई थी। इसके बावजूद जमा राशि लौटाने के स्थान पर टालमटोल शुरू कर दी गई। इसलिये पहले अधिवक्ता के जरिए लीगल नोटिस दिया गया। जब कोई नतीजा नहीं निकला तो परिवाद दायर किया गया। पूरे मामले का अवलोकन करने के बाद आयोग ने उक्त निर्देश दिये।

हत्यारों को आजीवन कारावास

जबलपुर,देशबन्धु। सेशन कोर्ट ने हत्या के आरोपी जबलपुर निवासी रज्जी अेन उर्फ महेंद्र हाथीखेल व सूजल हुमार का दोषी करार दिया है। अदालत ने दोनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से जिला विशेष लोक अभियोजन अधिकारी सुखलाल मार्को ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि रांझी थानांतर्गत 22 मार्चए 2023 को आरोपियों ने सतीश चौधरी पर हमला कर दिया था। इस वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अंतत. उसकी मौत हो गई। रांझी पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर लिया था। जिसके बाद अदालत में चालान पेश किया गया। अदालत ने दोष सिद्ध पाकर सजा सुना दी।

स्कूटी को मारी टक्कर, तीन घायल

गोरखपुर क्षेत्र में देर रात हादसा

जबलपुर,देशबन्धु। गोरखपुर थाना अंतर्गत हांडा पेट्रोल पंप के समीप एक तेज रफ्तार स्कूटी चालक ने ग्वारीघाट से लौट रहीं स्कूटी सवार महिला व दो युवकों को सामने से टक्कर मार दी। जिससे महिला सहित दोनों युवक स्कूटी सहित गिर गये और उन्हें चोट आ गई।

पुलिस ने बताया कि रांझी नर्मदा नर्सरी के समीप रहने वाली 34 वर्षीय प्रियंका शर्मा बीती रात रोहित व समर पटेल के साथ स्कूटी क्रमांक एमपी 20 एसयू-7535 से ग्वारीघाट नर्मदा दर्शन के लिए गई थी। रात्रि लगभग 1-30 बजे वापस आते समय जैसे ही वे हांडा पेट्रोल पम्प के पास पहुंची, उसी समय स्कूटी क्रमांक एमपी 20 जेड पी 7404 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उनकी स्कूटी में सामने से टक्कर मार दी। जिससे प्रियंका, रोहित व समर स्कूटी सहित गिर गये और तीनों को चोटे आ गई। उनकी स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

टैंकर की टक्कर से वृद्ध की मौत

जबलपुर,देशबन्धु। कटंगी थानान्तर्गत तेज रफ्तार टैंकर ने स्कूटी सवार वृद्ध को टक्कर मार दी। घटना में गंभीर रूप से घायल वृद्ध को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

कटंगी पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचनपुरा निवासी मोहम्मद अलीम मंसूरी सैयद बाबा मजार से अपनी स्कूटी क्रमांक एमपी 19 एम यू 5829 से वापस लौट रहे थे। कटंगी में पोला तिराहा के पास रोड में दिनेश साहू के मकान के सामने टैंकर क्रमांक यूपी 34 सीटी 3520 के चालक द्वारा तेज गति लापरवाही से चलाते हुए उसकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। टैंकर की टक्कर से मोहम्मद अलीम मंसूरी उम्र 55 वर्ष सड़क में गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें उपचार के 108 एम्बुलेंस से पीएचसी कटंगी ले जाया गया। डाक्टर ने डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सूचना पर पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर मर्ग कायम कर लिया है।

समर्थन मूल्य पर उड़द-मूंग की खरीदी को लेकर किसानों का विरोध-प्रदर्शन, किया चक्काजाम

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पाटन, देशबन्धु। भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत तहसील इकाई पाटन के तहसील अध्यक्ष एवं तहसील मंत्री द्वारा सिविल कोर्ट चौराहा पर चक्काजाम कर किसानों के हितार्थ एक दिवसीय हड़ताल कर चारों तरफ से रोड बंद कर मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मानवेंद्र सिंह राजपूत को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया गया कि ग्रीष्मकालीन फसल उड़द मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जावे अभी किसानों को कृषि उपज मंडी में उड़द मूंग में एक हजार से 2 हजार तक प्रति क्विंटल का नुकसान हो रहा है। शासन द्वारा धान उत्पादक किसानों को 4 हजार रूपये प्रति क्विंटल की दर से किसानों को प्रोत्साहन राशि तत्काल दिलाई जावे। कृषि पंपों में बिजली विभाग द्वारा हॉर्स पावर बढ़ाए गए है उनको कम किया जावे। मक्का एवं तुअर की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की जावे।

खाद्य वितरण केंद्रों में एवं समितियों में डीएपी एवं 12 3216 खाद्य की अतिशीघ्र उपलब्धता करवाई जाए, वही किसानों के शेष भुगतान धान खरीदी एवं गेहूं का भुगतान अतिशीघ्र करवाया जावे।आगामी खरीफ सीजन के लिए नहरों की मरम्मत करवाई जावे एवं नहरों में पानी समय पर 25 जून तक छोड़ा जावे। इस दौरान चपोध, गुरुपिपरिया, जुगिया, बजरंग गढ़, कुंवरपुर, कटरा बेलखेड़ा, डूडी, धमनी, सुरैया, ग्वारी, बासन, गाड़ाघाट, सिमरिया, रोसरा, नूनसर बिनैकी, सकरा, जमुनिया के किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खेतों से निकल कर 45 डिग्री तपमान में अन्नदाता सड़कों में आने को मजबूर

भारतीय किसान संघ जिला व तहसील पनागर ने सौंपा ज्ञापन

पनागर, देशबन्धु। भारतीय किसान संघ जिला जबलपुर तहसील पनागर में समर्थन मूल्य पर मूंग उड़द मक्का खरीदी चालू करने किसानों के धान गेहूं भुगतान डीएपी खाद उपलब्ध करने एवम किसानो की अन्य समस्याओं को लेकर मध्यप्रदेश सरकार के विरोध में कृषि ऊपज मंडी पनागर से टैक्टर रैली निकाल कर प्रदर्शन आंदोलन कर मध्यप्रदेश सरकार के मुख्य मंत्री कृषि मंत्री के नाम तहसील कार्यालय मे द्वारा तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान भारतीय किसान संघ प्रांत कार्यालय मंत्री आलोक जी जिला अध्यक्ष रामदास पटेल कोशा अध्यक्ष प्रेमचंद सह मीडिया प्रभारी भरत जी तहसील अध्यक्ष जितेंद्र पटेल नितिन गौतम, अधिवक्ता शैलेष तिवारी, सुरेश पटेल देवीदीन सेन राजकुमार अतुल प्रदीप पटेल मंशाराम सनद सुनील ठाकुर सुभाष रजक निसांत प्रकाश ठाकुर विनोद पटेल और भी बहुत सारे किसान भाई उपस्थित रहे।

सार-समाचार

पाटन थाने से 12 आरक्षक हुए इधर से उधर

पाटन, देशबन्धु। प्रदेश में तबादलों का दौर जारी है,शासन लगातार अधिकारियों,कर्मचारियों के तबादला आदेश जारी कर रहा है,इसी क्रम में पुलिस विभाग ने भी अपने विभाग में थोक बंद तबादला आदेश जारी किये हैं,इसी कड़ी में पाटन थाने से 12 आरक्षकों के जिले के अलग अलग थानों में तबादला किए गए हैं।

इन पुलिसकर्मियों का तबादला आदेश हुआ जारी–पुलिस विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पाटन थाने में पदस्य 12 आरक्षकों के ट्रांसफर आदेश जारी हुए है जिनमें 3 महिला पुलिस कर्मी सहित 9 आरक्षक शामिल है वही 5 आरक्षकों का अनुविभाग क्षेत्र से बाहर तबादला किया गया है एवं 7 आरक्षक अपना ट्रांसफर पाटन अनुविभाग क्षेत्र में कराने में कामयाब रहे। तबादला सूची के अनुसार बबीता धुर्वे कटंगी थाना,सोनाली विश्वास और श्यामली विश्वास का ट्रांसफर पनागर थाना किया गया है वही अमित सिंह ठाकुर रांझी थाना,प्रकाश सिंह और प्रदीप शर्मा कटंगी थाना,रविकांत और शुभम बाजपेई शहपुरा थाना,शुभम सिंह एवं नसरुद्दीन बेलखेड़ा थाना,विवेक सिंह एवं जितेंद्र कटारे का ट्रांसफर गढ़ा थाने में करने के आदेश जारी हुए हैं।

आवारा पशुओं के इलाज के लिए दी दवाइयां

पनागर, देशबन्धु। श्री 1008 दिगंबर चंद्रप्रभ मंदिर नायक गल्ला बाजार समिति भक्तांबर मंडल पुरुष एवं महिला द्वारा मूक आवारा लावारिस पशुओं के इलाज हेतु लगभग 22 हजार रुपए की दवाइयां नगर में पशुओं की सेवा में लगे एवं निशुल्क सेवा कर रहे बंटी पटेल को दी। उन्हें पशुओं की सेवा के लिए लगे रहने के लिए धन्यवाद दिया। पशुओं की सेवा में लगे विमल जैन पत्रकार द्वारा कनक ट्रेडर्स के बबलू यादव प्रखर का भी आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भक्तांबर मंडल की आशा रानी सोनपुर, संभा कटंगा मगन जैन, रजनी डयोरिया, पुष्पा लसगरी, ज्योति जैन, पूर्व पार्षद अर्चना नायक, रजनी देवरिया, बसंती डयोडिया, प्रीति जैन, सुधा जैन, संगीता देवरिया, मनीषा , मुन्नी बाई, संगीता जैन, वर्षा देवरिया, समीक्षा चौधरी, विमल जैन पत्रकार, प्रभात नायक भाई , चक्रेश चौधरी, अश्वनी लसगरी, सचिन लसगरी, आशा कटंगा, करण जैन, संजय जैन, मुन्ना देयोरिया, राजू डयोडिया, विनय जैन आदि धर्म प्रेमी लोग उपस्थित थे।

शांति विधान में परिवार सहित शामिल हुए नमन बन्धु

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। शहपुरा नगर के समाजसेवी पत्रकार राजेन्द्र बन्धु के तृतीय पुत्र नमन बन्धु विवाह उपरांत जैन अतिशय क्षेत्र पाटन कोनी जी में परिवार सहित सामुदायिक शांति विधान में शामिल हुए। उन्होंने परिवार सहित विश्व शांति का संदेश दिया।

ट्रक केबिन में घंटों फंसा रहा चालक

सतना, देशबन्धु। मैहर में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में सड़क किनारे खड़े ट्रक से ड्रम से लोड दूसरा ट्रक टकरा गया। ट्रकों की टक्कर के बाद एक ट्रक का चालक केबिन में फंस गया। जिसे पुलिस टीम ने घंटो की मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला। पता चला है कि झुकेही चौकी अंतर्गत हाईवे पर कटनी तरफ से खाली ड्रम लोड कर ट्रक जीजे 17 एक्सएक्स1852 लेकर उसका चालक भैरव नाथ यादव पिता धर्मराज यादव (37) निवासी कैमोर आ रहा था। तभी हाईवे पर सड़क किनारे खड़े ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। पुलिस की मदद से चालक भैरवनाथ को केबिन से निकाला गया। झुकेही चौकी प्रभारी संतोष उलाड़ी ने टीम की मदद से हाईवे का जाम खुलवाते हुए घायल को अस्पताल रवाना किया।

भीषण गर्मी के चलते स्कूली अवकाश बढ़ाने की मांग

शासकीय शिक्षक संगठन ने लिखा शिक्षा विभाग को पत्र

गांधीग्राम, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन के शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों का ग्रीष्मकालीन अवकाश 1मई से 15 जून तक घोषित है।मध्य प्रदेश में वर्तमान जून माह में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए, शासकीय शिक्षक संगठन, मध्य प्रदेश ने स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अवकाश को एक सप्ताह और बढ़ाने की मांग की है। संगठन ने लोक शिक्षण संचालनालय और समस्त कलेक्टर को संबोधित एक विज्ञप्ति जारी कर इस संबंध में तत्काल निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है।

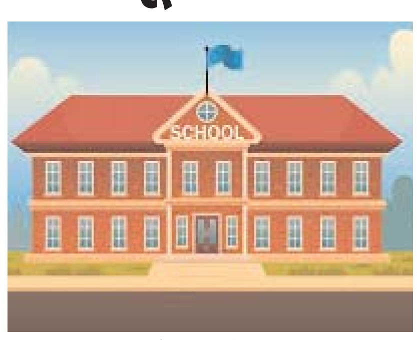

संगठन के अध्यक्ष राकेश दुबे, अजय सिंह ठाकुर द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि वर्तमान समय में मध्य प्रदेश में मौसम का लेट होने के कारण नौतपा का प्रभाव वर्तमान में दिखाई दे रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत कनेक्शन एवं हैंडपंपों की अधिकांश व्यवस्था भी चरमरा गई है, जिसके कारण बच्चों को पर्याप्त पानी भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में, स्कूली बच्चों के लिए विद्यालय में उपस्थित होना अत्यंत कष्टदायक है।

विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि बिना बिजली और पानी के अभाव में बच्चों को भीषण गर्मी में पढ़ाई करना मुश्किल हो रहा है। इसके साथ ही, शिक्षकों को भी इन परिस्थितियों में बच्चों को पढ़ाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संगठन ने वर्तमान में चल रहे एफ एल एन प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी पूरे प्रदेश में नहीं पहुंच पाने का उल्लेख किया है, जिससे शिक्षकों को भी अवकाश की आवश्यकता है।

शासकीय शिक्षक संगठन ने मांग की है कि उपरोक्त परिस्थितियों को देखते हुए, बच्चों का उत्साह बढ़ाने और वर्तमान में शिक्षकों के लिए भी पर्याप्त समय-कालीन करने के निर्देश जारी किए जाएं। इस मांग को लेकर संगठन ने संबंधित विभागों से त्वरित कार्यवाही की अपील की है।

माननीय जिला कलेक्टर महोदय से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान लगातार 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। अभिभावकों और छात्रों को उम्मीद है कि सरकार इस मांग पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द से जल्द कोई निर्णय लेगी। संगठन के राकेश उपाध्याय, अजय सिंह ठाकुर, ज्योत्सना उपाध्याय,संध्या अवस्थी, दीपक पटेल ,विजय तिवारी ,प्रदीप पटेल, उमाकांत पटेल , सालिगराम पटेल, शिवदत्त मिश्रा आदि ने सकारात्मक कार्यवाही छात्रहित में करने आग्रह किया है।

जबलपुर से कुंडम आने वाले यात्री को बस चालक करते हैं परेशान

कुंडम, देशबन्धु। जबलपुर दीनदयाल से यात्री लोग कुंडम आना चाहते हैं तो उन्हें बस में नहीं बिठाया जाता है, अगर बैठ गए तो सीट से उठा देते हैं। इसका विरोध करने पर यात्री को चलती बस गाड़ी से उतार दिया जाता हैं। यह कहना है कुंडम के सौरभ पटेल, राकेश पटेल, राहुल कुशवाहा, बसंत, बबलू, संतोष, राजेंद् का। यात्री सौरभ पटैल ने बताया कि वह दीनदयाल से 9 बजे अपने परिवार के साथ कुंडम आना चाहता था, तीन बस कुंडम के लिए रवाना हुई वह बस में बैठने लगा तो बस चालक ने उन्हें गाड़ी के बाहर उतार दिया और मुझे गली गलौज करने लगा। फिर में दूसरी बस में बैठा तो मेरी परिवार के लोग मेरे साथ थे फिर बस वाले ने बिठाने से मनाकर दिया।

जबलपुर से अपने दोस्त की बाइक से कुंडम पहुंचा। बस वाले हमेशा कुंडम की सवारियों को बहुत परेशान करते हैं। इसलिए इनकी ड्राइवर की मनमानी के लिए कुंडम की जनता में आक्रोश व्याप्त है। बस चालक कुंडम की हर सवारी से अभद्र व्यवहार करते हैं और कुंडम की सवारी नहीं लेते, केवल डिंडोरी शहपुरा की सवारी उठाते हैं। इसलिए कुंडम नगर के लोग बहुत परेशान है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो बस वालों को कुंडम स्टाफ गाड़ी को नहीं रुकने देंगे।

गुरु कृपा से ही होती है भक्त की जय जयकार : दादा गुरु

पाटन, देशबन्धु। गुरु की सेवा से ही शिष्य की आभा दैदीप्यमान ज्योतिपुंज सी सारे संसार में फैलती है। मंदिरों में सत्संग की परापंरा से ही गुरु का शिष्यों से संवाद होता है। महापुरुषो को वर्तमान और भविष्य की घटनाओं को देख सकते हैं। गुरु की सेवा से लौकिक साधनों से संपन्नता के साथ आध्यत्मिक ऊर्जा का संचार भक्तों में होता है। ज्ञान की साधना से गीता का,सनातन धर्म से जुड़े जबलपुर में आध्यत्मिक ऊर्जा का जागरण कर गली में धर्म का प्रचार प्रसार किया। दादा गुरु महामंडलेश्वर स्वामी आचार्य रामचन्द्र दास शास्त्री ने समाज राष्ट्र की सेवा के साथ विश्व के कौने कौने में सनातन संस्कृति की ध्वजा फहराई उक्त उद्गार श्रीमद् जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह देवाचार्य जी महाराज व संत महात्माओं ने साकेतवासी महामंडलेश्वर स्वामी रामचंद्रदास जी शास्त्री की पुण्यतिथि पर नरसिंह मंदिर शास्त्री ब्रिज में कहे।

दादा गुरु महामंडलेश्वर स्वामी रामचंद्र दास शास्त्री महाराज के श्री विग्रह का महाभिषेक, सहस्त्रार्चन, आरती महाकौशल संत मंडल के साध्वी शोभा, स्वामी प्रकाशानंद, स्वामी रामजीशरण, स्वामी राजेशदास, स्वामी रामेश्वरानंद, रामभारती,रामानंद पुरी, साध्वी नरमेदेश्वरी, सुमन दास, कोतवाल रामदास, योगी राजेश दास, आचार्य रोहित दुबे, आचार्य संतोष शास्त्री,आचार्य अनूप देव शास्त्री, दीपनारायण शास्त्री,रामफल शास्त्री ने भी शब्दांजलि देने उपस्थित रहे। दादा गुरु जी को भावांजलि सुमनाजंली देने डा पवन स्थापक,शरद काबरा, डॉ. हितेश अग्रवाल, राममूर्ति मिश्रा,मुन्ना पांडे,रामलाल रजक, प्रवेश खेड़ा, विष्णु पटेल, लोकराम कोरी, राजेन्द्र प्यासी, विध्येश भापकर, संजय पटेल, केके बस्सी, कपिल आनंद, महिला मंडल की गीता पांडे, अंजू भार्गव, आभा दीपक साहू, मीरा दुबे, अखिल चौरसिया, अशोक रंगा, राम कुशल पांडे,शिव उपाध्याय,रमेश बसेडिया, रघुनंदन गुप्ता, राहुल शुक्ला, रवि पाठक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति रही।

स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ जल्द मिल सकता है, प्रमोशन के आदेश होंगे

मुख्य सचिव ने दिए संकेत

गांधीग्राम, देशबन्धु। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश प्रवक्ता प्रवक्ता अनिल भार्गव (वायु) ने बताया है कि मध्य प्रदेश में दो सप्ताह पूर्व मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा जिस कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना की घोषणा की गई थी। उसके आदेश जल्द ही जारी हो सकते है। इस संदर्भ में राज्य के चीफ सेक्रेटरी एवं मध्य प्रदेश विकास के शिल्पी अनुराग जैन द्वारा आश्वासन दिए गए हैं।

भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री इंजीनियर कुलदीप गुर्जर के नेतृत्व में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के परिपेक्ष में मुखिया से विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य बीमा योजना के विभिन्न बिंदु राज्य कर्मचारी संघ और बीएमएस से समझे। इस योजना पर कितना भार आ सकता है। इस बात पर भी जिक्र किया गया।

राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा प्रमोशन की बात भी रखी गई,कमलनाथ सरकार में जिस कर्मचारी आयोग का गठन किया गया था। उस पर भी विस्तार से चर्चा हुई। प्रवक्ता अनिल भार्गव वायु के अनुसार मुख्य सचिव को बताया गया कि आयोग तो गठित हो गया लेकिन यहां पर कर्मचारियों के मुद्दों को जिस प्रकार सुलझाने की प्रक्रिया होना चाहिए। वह एक प्रकार से ठप पड़ी हुई है। मुख्य सचिव ने इन सभी समस्याओं का अविलंब समाधान करने का आश्वासन दिया है। मध्य राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया है कि प्रदेश में जल्द ही कर्मचारी और अधिकारियों को प्रमोशन का तोहफा मिल सकता है। चर्चा से यह साफ हो गया है।कर्मचारियों की अन्य समस्याओं का समाधान भी उनका समय रहते होगा। ऐसा मुख्य सचिव ने आश्वासन दिया है। विगत दिनों शहर आगमन पर इस मांग का ज्ञापन अध्यक्ष, महामंत्री को सौंपा गया था।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जबलपुर जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय, जिला सचिव देवेंद्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, विनय नामदेव, बृजेश मिश्रा,आकाश अग्रवाल, विवेक उपाध्याय, योगेन्द्र मिश्रा, के जी पाठक, परशुराम तिवारी, मनीष लोहिया, सतीश उपाध्याय ने प्रदेश पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है, जल्द ही प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के लिए इस योजना से संबंधित आदेश जारी हो सकते हैं।

शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय शारदा नगर में हो रहा भ्रष्टाचार !

सहायक ग्रेड 3 के पद पर कार्यरत अर्चना शर्मा पर आरोप, अवकाश के दिन गुपचुप आती हैं विद्यालय, शासकीय दस्तावेज ले जाती हैं घर

जबलपुर, देशबन्धु। शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय शारदा नगर रांझी में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रमुख सचिव मप्र शासन सहित अन्य उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायत की गई है। शिकायत में आवासीय विद्यालय में पदस्थ भ्रष्टाचर में लिप्त कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की गईहै।

शिकायकर्ता राजेश अहिरवार ने शिकायत में बताया है कि आवासीय विद्यालय में सहायक ग्रेड 3 के पद पर कार्यरत अर्चना शर्मा द्वारा 6 मई से 13 जून तक मातृत्व अवकाश लिया गया है। श्रीमती शर्मा का अकाउंटेंट का चार्ज माध्यमिक शिक्षक राजेश कुमार सोनी को दिया गया है। इसके बावजूद श्रीमती शर्मा अवकाश के दिन रविवार-शनिवार विद्यालय में आती हैं और ऑफिस खोलकर शासकीय दस्तावेज घर लेकर जाती हैं। शिकायत में आरोप है कि वे वरिष्ठ अधिकारियों की झूठी शिकायत करती है। पूर्व में भी वरिष्ठ अधिकारियों की झूठी शिकायत इनके द्वारा की गई थी, जिसका स्पष्टीकरण सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग द्वारा दिया गया था।

शिकायत में आरोप है कि श्रीमती शर्मा निरंतर अनुशासनहीनता करती चली आ रही हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उनके द्वारा किसी प्रकार का घोटाला किया जा रहा है। इनके साथ सहायक वार्डन साधना माहोर जिनका कार्यकाल 30 अप्रैल को समाप्त हो चुका है, इसके बावजूद प्रत्येक छुट्टी के दिन वे श्रीमती शर्मा के साथ आकर कार्यालय में दरवाजा बंद करके कार्य किया जा रहा है, यह बहुत संदेहात्मक है। इस पर वरिष्ठ अधिकारी तत्काल संज्ञान लें और श्रीमती शर्मा एवं साधना माहौर को कार्यालय से बाहर करें, अन्यथा इसके खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने विगत तीन माह पहले सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई थी, लेकिन अर्चना शर्मा द्वारा जानकारी नहीं दी जा रही है। जब भी उनसे बात होती है तो कहा जाता है कि मैं छुट्टी पर हूं।

शिकायतकर्ता ने बताया कि विगत रविवार को उनको यह जानकारी लगी कि श्रीमती शर्मा आवासीय विद्यालय आई हैं तो वे आवासीय विद्यालय पहुंचे और श्रीमती शर्मा का छुट्टी के दिन कार्यालय आने का वीडियो बनाया है। शिकायकर्ता ने बताया कि आवासीय विद्यालय में चल रहे भ्रष्टाचार की उन्होंने शिकायत मप्र शासन के प्रमुख सचिव से लेकर आदिम जाति कल्याण विभाग सहित अन्य अधिकारियों को की है।

पीएम मोदी के 11 साल के शासन काल में विदेशों में भारत का सम्मान बढ़ा

दुबई, (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के 11 साल पूरे होने पर दुबई के प्रवासी भारतीयों ने मंगलवार को अपनी प्रतिक्रिया दी। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के 11 साल के शासन की जमकर तारीफ की और इस बात पर खासा जोर दिया कि विदेशों में भारत को देखने के नजरिए में सम्मान बढ़ा है। प्रवासी भारतीय तरुण ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैं कनाडा पासपोर्ट होल्डर हूं, अभी दुबई में हूं। पीएम मोदी के 11 साल का कार्यकाल बहुत ही अच्छा रहा है। प्रधानमंत्री ने विदेशों में भारतीयों की इज्जत बहुत ज्यादा बढ़ाई है। जहां भी मोदी जी गए, वहां पर भारत की इज्जत बहुत ज्यादा बढ़ी है। पीएम मोदी अभी फिर कनाडा आने वाले हैं, हम उनका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मैं भी अपना स्पेशल प्रोग्राम बनाकर कनाडा पहुंच रहा हूं। उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के 11 साल के विकास की बात करते हुए कहा, पीएम मोदी की लोकप्रियता इसलिए बढ़ी है, क्योंकि वह पूरी दुनिया में देश को आगे लेकर आए हैं। डिजिटल दुनिया में पीएम मोदी ने सराहनीय काम किए हैं। उन्होंने समाज के हर वर्ग के लिए काम किया है।

देश में फजीहत झेल रहे यूनुस का लंदन में जोरदार विरोध, बांग्लादेशियों ने लगाए 'वापस जाओ' के नारे

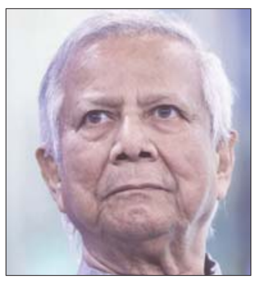

ढाका। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस इन दिनों ब्रिटेन पहुंचे हैं। देश भर में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच यूनुस का लंदन की सड़कों पर भी जबरदस्त विरोध हुआ है। यहां बांग्लादेशी मूल के सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने यूनुस के होटल के बाहर इकट्ठा होकर नारेबाजी की। इस दौरान 'वापस जाओ' के नारे भी लगे। जानकारी के मुताबिक अवामी लीग की ब्रिटेन शाखा और दूसरे संगठनों से जुड़े प्रदर्शनकारियों ने यूनुस प्रशासन के खिलाफ बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा, लिंचिंग और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर नारेबाजी की।

इस दौरान लोगों ने कई पोस्टर भी ले रखे थे, जिनमें यूनुस पर जिहादियों को रिहा करने वाले और देशभक्तों को जेल में डालने का आरोप लगाया गया। बांग्लादेशी मूल के लोगों ने जल्द से जल्द यूनुस के इस्तीफे की मांग की है बांग्लादेश में इन दिनों चुनावों को लेकर बवाल मचा हुआ है। जहां देश की सेना और आवामी लीग के बाद देश की सबसे बड़ी पार्टी देश में जल्द से जल्द चुनाव चाहते हैं, वहीं यूनुस इसे लगातार टाल रहे हैं। अंतरिम सरकार की कई नीतियों के खिलाफ अलग-अलग वर्गों के लोग सड़क पर उतर आए हैं और देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुनी हुई सरकार की मांग कर रहे हैं। इस बीच यूनुस ने वादा किया है कि अप्रैल 2026 तक देश में चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि बीएनपी के नेताओं ने इस साल दिसंबर तक चुनाव कराने की मांग की है। बीएनपी के वरिष्ठ नेता मुशर्रफ हुसैन ने गुरुवार को कहा है कि बांग्लादेश अराजकता से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, अगर सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती है तो बीएनपी के लिए अपना समर्थन जारी रखना मुश्किल हो जाएगा। बांग्लादेश अराजकता के दौर से गुजर रहा है और स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है।

टॉप 10 हिंदू आबादी वाले देशों में 5 मुस्लिम बहुल देश, अफ्रीका में भी हिन्दू जनसंख्या ने चौंकाया

नई दिल्ली। मशहूर सर्वे एजेंसी प्यू रिसर्च के ताजा धार्मिक जनसंख्या के सर्वे में यह बात सामने आई है कि पिछले एक दशक (2010 से 2020) में दुनियाभर में सबसे अधिक मुस्लिमों की आबादी बढ़ी है। हालांकि, सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि ईसाई, मुस्लिम और धार्मिक रूप से असंबद्ध लोगों के बाद चौथे स्थान पर हिन्दुओं की सबसे बड़ी आबादी है। हिन्दुओं की सर्वाधिक आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में है। यहां पूरी दुनिया के करीब 99 फीसदी हिन्दू वास करते हैं।

इनमें से 95 फीसदी अकेले भारत में रहते हैं। इसके अलावा नेपाल, मॉरीशस में भी बड़ी संख्या में हिन्दू वास करते हैं। सर्वे रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले दशक में पूरी दुनिया में हिन्दुओं की आबादी में 12 फीसदी का इजाफा हुआ है। यानी हिन्दू आबादी 110 करोड़ से बढ़कर 120 करोड़ हो गई है। सर्वे रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि बीते एक दशक में मध्य-पूर्व-उत्तरी अफ्रीका में हिन्दुओं की आबादी तेजी से बढ़ी है और उसमें 62 फीसदी का इजाफा देखा गया है। इसी तरह उत्तरी अमेरिका में भी हिन्दुओं की आबादी में 55 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। यानी इन इलाकों में हिन्दुओं की आबादी अन्य धार्मिक आबादी से ज्यादा बढ़ी है।

टॉप 10 हिन्दू आबादी वाले देश कौन?- सर्वे रिपोर्ट में दुनिया के टॉप 10 हिन्दू आबादी वाले देशों का भी जिक्र किया गया है। उसके मुताबिक, 2020 तक दो हिन्दू बहुल देशों, भारत और नेपाल में सबसे ज्यादा हिन्दू रहते हैं। सर्वे के मुताबिक भारत में पूरी दुनिया के 94.5 फीसदी हिन्दू रहते हैं, जबकि देश की आबादी में उनका हिस्सा 79 प्रतिशत है। इसी तरह नेपाल की आबादी में बहुसंख्यक हिन्दुओं की हिस्सेदारी 81न्न है जो वैश्विक अनुपात में 2 फीसदी होता है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान का भी नाम- टॉप 10 हिन्दू आबादी वाले देशों में तीसरे नंबर पर बांग्लादेश है, जहां कुल आबादी का 7.9 फीसदी हिन्दू है। चौथे नंबर पाकिस्तान (2.1 प्रतिशत), पांचवें नंबर पर इंडोनेशिया (1.6 प्रतिशत), छठे नंबर पर श्रीलंका (14.5 प्रतिशत), सातवें नंबर पर अमेरिका, आठवें नंबर पर मलेशिया, नौवें नंबर पर यूनाइटेड किंगडम और दसवें नंबर पर॰श्व है, जहां की आबादी में हिन्दुओं की हिस्सेदारी 11.8 फीसदी है और वैश्विक हिन्दुओ का 0.1 फीसदी वास करता है। बड़ी बात ये है कि टॉप 10 हिन्दू आबादी वाले देशों में से पांच मुस्लिम बहुल देश हैं। इसके साथ ही हिंदुओं की सबसे बड़ी संख्या वाले 10 देशों में से आठ में हिन्दू धार्मिक अल्पसंख्यक की श्रेणी में हैं।

आज का इतिहास

1849- गैस मास्क के लिए लुई हैस्लेटो को पेटेंट मिला।
1897- असम में भूकंप से करीब 1500 लोगों की मौत हुई।
1929- दूसरे विश्व युद्ध के दौरान नाजियों के जुल्म का शिकार बनी यहूदी लड़की एनी फ्रेंक का जन्म। नाजियों की कैद के दौरान लिखी गई एनी की डायरी को बाद में किताब के रूप में छापा गया।
1962- अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को की खाड़ी में स्थित कड़ी सुरक्षा वाले कारागार एलकटराज से तीन क़ैदी भाग निकले। इस जेल को सुरक्षा के हिसाब से अकाट्य माना जाता था और यहां सबसे गंभीर अपराधों वाले कैदियों को रखा जाता था।
1964- अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ आंदोलन की अगुवाई करने वाले अश्वेत नेता नेल्सन मंडेला को सरकार के खिलाफ साजिश का दोषी ठहराते हुए उम्र क़ैद की सजा।
1972- महात्मा गांधी के जीवन पर आठ खंड का ग्रंथ लिखने वाले डी.जी. तेंदुलकर का निधन

सुडोकू 6941

		5		8	2			4
8			6	5		7	9	
								3
	8							
	4	1	7		9	8	6	
							3	
9								
	7	4		9	8			6
6			4	2		1		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

एनडीए जिस तरह लोकसभा चुनाव लड़ी थी, विधानसभा चुनाव भी लड़ेंगे : संजय झा

पटना। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि इस साल बिहार विधानसभा चुनाव होना है। एनडीए जिस तरह लोकसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ी थी, उसी तरह विधानसभा चुनाव भी लड़ेंगे। पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि एनडीए बिहार की सभी 243 सीटों पर एक साथ चुनाव लड़ेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बिहार को क्राइम कैपिटल बनाए जाने वाले बयान पर उन्होंने कहा कि राजद के 15 साल के शासन में उनकी पार्टी भी सरकार में शामिल थी, जब बिहार को जंगलराज कहा गया था। वे अब भूल गए क्या? उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था के मामले में बिहार नंबर एक पर है।

भाषणबाजी और विज्ञापनों से ओडिशा का विकास नहीं हो सकता हैः पटनायक

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने मंगलवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर आरोप लगाया कि वह वास्तविक विकास के बजाय केवल लंबे भाषणों और विज्ञापनों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। श्री पटनायक ने यहां बीजद कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ओडिशा में भाजपा को सत्ता संभाले एक साल हो चुका है, लेकिन विकास का कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा, 'वह इसे लोगों की सरकार कहते हैं, लेकिन लोग कहां हैं? केवल लंबे भाषण और बड़े विज्ञापन विकास नहीं ला सकते हैं।' उन्होंने कहा कि बीजद सरकार के कार्यकाल के दौरान ओडिशा के 90 प्रतिशत लोगों को बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना का लाभ मिला।

झारखंड के चतरा के जंगल से कारतूसों का जखीरा बरामद, नक्सली गिरफ्तार

चतरा। झारखंड के चतरा जिले की पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के एक नक्सली अर्जुन गंझू को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर जंगल में छिपाकर रखा गया नक्सलियों का कारतूसों का जखीरा बरामद किया गया है। चतरा के पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्हें लावालौंग थाना क्षेत्र के टिकदा गांव में एक नक्सली के मूवमेंट की जानकारी मिली थी। इस पर सिमरिया के एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में टीम गठित कर गांव में छापेमारी की गई तो टीएसपीसी के शीर्ष कमांडर अर्जुन गंझू पकड़ में आया। उसके पास से एक लोडेड देसी कट्टा बरामद किया गया। इसके बाद उसकी निशानदेही पर पास के जंगल में छापेमारी की गई, जहां जमीन के अंदर डिब्बे में छिपाकर रखे गए कुल 723 कारतूस बरामद हुए। इनमें 477 राउंड कारतूस इंसास राइफल और 246 राउंड कारतूस पॉइंट 303 के हैं। अर्जुन गंझू पूर्व में नक्सली वारदात को लेकर जेल भी जा चुका है।

यहूदी केंद्र पर आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोप में पाकिस्तानी नागरिक अमेरिका डिपोर्ट

न्यूयॉर्क, (आईएएनएस)। कनाडा में रहने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है। इसकी घोषणा फेडरल अथॉरिटीज ने की है। गिरफ्तार शख्स पर आईएसआईएस को मदद करने की कोशिश और ब्रुकलिन में एक यहूदी केंद्र पर सामूहिक गोलीबारी की साजिश रचने का आरोप है। पाकिस्तानी नागरिक मुहम्मद शाहजेब खान को 4 सितंबर 2024 को कनाडा में गिरफ्तार किया गया था, जिस पर इस्लामिक स्टेट आतंकवादी संगठन से प्रेरित हिंसक हमले की योजना बनाने का आरोप है।

अमेरिकी अधिकारियों का आरोप है कि शाहजेब का इरादा कनाडा से न्यूयॉर्क की सीमा पार करके 7 अक्टूबर 2024 को इजरायल पर हमास आतंकवादी हमले की पहली वर्षगांठ के मौके पर एक यहूदी फैसिलिटी पर सामूहिक गोलीबारी करना था। बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल ने शाहजेब खान के प्रत्यर्पण की पुष्टि की है। इसके साथ ही उन्होंने योजनाबद्ध हमले को रोकने के प्रयासों की तारीफ की है।

काश पटेल ने एक्स पोस्ट पर लिखा, बड़ी खबर... आज दोपहर मुहम्मद शाहजेब खान को आईएसआईएस को मदद करने और आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की कोशिश के आरोप में संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रत्यर्पित किया गया। इसके साथ ही काश पटेल ने नाकाम साजिश के बारे में और भी चौंकाने वाली बातों का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि खान ने एक प्रतीकात्मक तिथि पर हमला करने की योजना बनाई थी। काश पटेल ने पोस्ट में लिखा था, खान ने कथित तौर पर 7 अक्टूबर 2024 को हमले की योजना बनाई थी, जो इजरायल पर हुए हमास आतंकवादी हमले की बरसी है। एफबीआई डायरेक्टर ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के बीच त्वरित समन्वय की तारीफ करते हुए लिखा, शुक्र है कि एफबीआई टीमों और हमारे सहयोगियों के शानदार काम ने उन योजनाओं का खुलासा किया। खान की गिरफ्तारी और अंततः प्रत्यर्पण सीमा पार खुफिया जानकारी साझा करने के महत्व को रेखांकित करती है। काश पटेल ने इस मामले के व्यापक संदर्भ पर प्रकाश डालते हुए वैश्विक स्तर पर यहूदी विरोधी खतरों में इजाफे की ओर इशारा किया है।

काश पटेल ने लिखा, यह मामला दुनिया के हर कोने में आतंकवाद के निरंतर खतरे की याद दिलाता है। शाहजेब खान अब अमेरिका की हिरासत में है और न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में उसके खिलाफ मुकदमा चलने की उम्मीद है।

यमन के हूती समूह ने ली इजरायल के हवाई अड्डे पर मिसाइल अटैक की जिम्मेदारी

सना, (आईएएनएस)। यमन के हूती समूह ने इजरायल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर दो मिसाइल हमले करने की जिम्मेदारी ली है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने अल-मसीरा टीवी पर कहा, हमने दो बैलिस्टिक मिसाइल्स से तेल अवीव में बेन गुरियन हवाई अड्डे को निशाना बनाया। इनमें से एक हाइपरसोनिक मिसाइल थी। याह्या सरिया ने कहा, इनमें से एक मिसाइल ने सीधे बेन गुरियन हवाई अड्डे को निशाना बनाया। इंटरसेप्टर सिस्टम इसे रोकने में विफल रहे। बेन गुरियन एयरपोर्ट से हवाई यातायात पर प्रतिबंध लगाने का हमारा निर्णय प्रभावी है। हम बाकी एयरलाइन कंपनियों को तुरंत अपनी उड़ानें रोकने की चेतावनी देते हैं। सरिया ने कहा कि ग्रुप के इजरायल के खिलाफ मिसाइल हमले यमन के होदेइदाह पोर्ट पर इजरायली मिसाइल आक्रमण के जवाब में थे। इससे पूर्व मई महीने में भी हूती समूह इजरायल के खिलाफ ड्रोन हमले का दावा कर चुका है। इस बीच, इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने कहा है कि उसके हवाई रक्षा बलों ने यमन से मध्य इजराइल के ऊपर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को रोक दिया। आईडीएफ ने हूती के दूसरे हवाई हमले के दावे का जिक्र नहीं किया। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पहले दिन, इजराइली सेना ने यमन के पश्चिमी प्रांत होदेइदाह में तीन पोर्ट्स पर हमले किए थे, जो हूती नियंत्रण में हैं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने हूती टेलीविजन के हवाले से बताया कि हमलों में फैसिलिटी और डॉक्स तबाह हो गए। आईडीएफ का कहना है कि यह हमले इजराइल के खिलाफ हूती हमलों के जवाब में किए गए थे।

वर्ग पहेली 6941

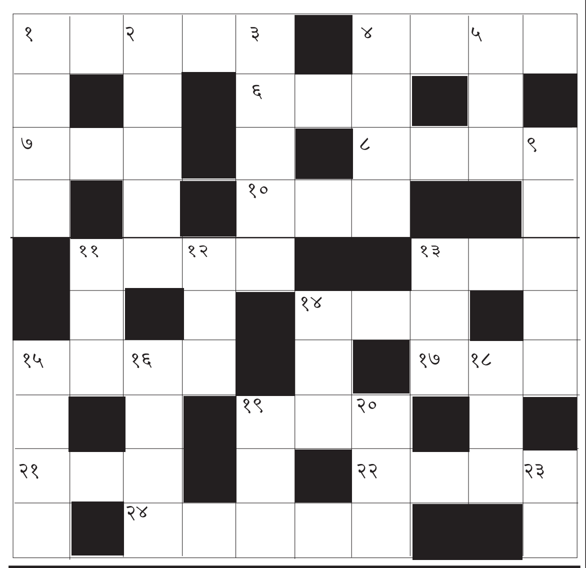

बायें से दायें:-

१. अनुपस्थिति, गैर हाजिरी
४. नामुमकिन
६. रक्तपान करने वाला
७. जिसके नेत्र लाल रंग के हों
८. रूपवती, कोमलांगी (उर्दू)
१०. पराजित होना
११ प्रशासन, राजा, हुकूमत
१३. एक खट्टे-मीठे स्वाद वाला फल
१४. आदेश, हुक्म
१५. किसी आकृति तल के ठीक ऊपरी भाग में बना कोण
१७. अनाथ (उर्दू)
१९. ऊपर उठना, उन्नति, युद्ध सेना
२१. मशविरा, राय (उर्दू)
२२. केसर (उर्दू)
२४. लकड़ियां काट कर जीवन यापन करने वाला

ऊपर से नीचे:-

१. प्रेमी, आसक्त, संतुष्ट, लाल
२. अप्रत्यक्ष कर
३. कत्लेआम
४. स्वीकार करना, अपना बनाना
५. बहन
९. शहर में प्रवेश करना
११. खुशी के साथ, प्रसन्नता पूर्वक
१२. वजह
१३. बहस, भ्रम, शंका
१४. निःसस्त्र, जिसके हाथ में कुछ न हो
१५. सिर के बल खड़े होने का आसन
१६. शोरगुल
१८. तृतीय
१९. वीरान, जनशून्य
२०. दृश्य (उर्दू)
२३. पर्वत

वर्ग पहेली-6940

१ श	नैः	२ श	नैः	■	■	३ वि	घ्न	४ ह	र्ता
शि	■	शि	■	५ प	थि	क	■	त्या	■
६ क	ट्ठु	व	च	न	■	७ ल	ह	रा	८ ना
ला	■	द	■	९ प	त्त	न	■	■	ज
■	१० आ	ना	११ जा	ना	■	■	१२ ई	ध	न
■	ज्ञा	■	र	■	१३ नि	प	ट	■	ख
१४ प	द	१५ र	ज	■	वि	■	■	१७ सा	रा
ल्ल	■	स	■	१८ आ	दा	१९ ता	■	ह	■
२० वि	द्रो	ही	■	र्वि	■	२१ मी	मां	स	२२ क
त	■	२३ न	र	क	पा	ल	■	■	ष्ट

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

मांग | कटड़ा से श्रीनगर तक रेल के बाद कश्मीरियों की मांग

कश्मीर की तरक्की के लिए दिल्ली तक की सीधी ट्रेन चाहिए

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। हालांकि कटड़ा से श्रीनगर तक चलने वाली इतिहासिक वंदे भारत रेल ने कश्मीरियों को खुशी प्रदान की है पर वे इतने से खुश नहीं हैं। कश्मीरियों की मांग है कि जब तक नई दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन चालू नहीं होगी कश्मीर की तरक्की नहीं हो पाएगी।

कश्मीरियों का मानना है कि इतिहासिक रेल लिंक अपने साथ अधिक विश्वसनीयता, सामर्थ्य और पहुंच का वादा लेकर आया है। पर कश्मीरी इसे नकाफी बताते हैं। वे कहते थे कि इस महत्वाकांक्षी पहल को कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए वास्तव में सार्थक और न्यायसंगत बनाने के लिए, श्रीनगर और नई दिल्ली के बीच एक सीधी, लंबी दूरी की ट्रेन सेवा अगला जरूरी कदम होना चाहिए। दिल्ली तक की सीधी रेल की मांग के साथ ही उनका कहना था कि अनावश्यक ठहराव या ट्रेन परिवर्तन के बोझ के बिना श्रीनगर-दिल्ली एक्सप्रेस एक गेम-चेंजर होगी। इससे लोगों की आवाजाही आसान होगी,

पर्यटकों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल सीधी रेल की मांग सिर्फ यात्रियों की सुविधा के लिए नहीं है। श्रीनगर से एक मजबूत रेल माल ढुलाई प्रणाली को भी वे महत्वपूर्ण बताते थे। वे कहते थे कि क्षेत्र के बागवानी उत्पाद -सेब, चेरी, अखरोट -सब्जियां और विश्व प्रसिद्ध हस्तशिल्प समय के प्रति संवेदनशील वस्तुएं हैं। कार्गो ट्रेन संचालन सुनिश्चित करेगा कि ये सामान मुंबई, दिल्ली और कोलकाता के बाजारों में तेजी से, ताजा और कम लागत पर पहुंचें। यह स्थानीय उद्योगों के लिए कच्चे माल के आयात को और अधिक कुशल बना देगा।

यह सच है कि श्रीनगर-कटड़ा रेल लिंक का लंबे समय से प्रतीक्षित उद्घाटन जम्मू और कश्मीर के बुनियादी ढांचे के विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सही मायने में ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी के रूप में वर्णित, यह परियोजना अक्सर बंद रहने वाले श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के विकल्प से कहीं अधिक प्रदान करती है। यह लगभग 8 मिलियन कश्मीरियों और लद्दाख में कई और लोगों के घर वाले क्षेत्र के लिए दैनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। कश्मीरी इस बात को लेकर भी खुश हैं कि नए रेलवे खंड से पूरे साल मौसम के अनुकूल परिवहन उपलब्ध होने की उम्मीद है, यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे अतिरंजित नहीं किया जा सकता है। किसान, व्यवसायी, छात्र और चिकित्सा रोगी सभी ने राजमार्ग पर भूस्खलन और मौसम के कारण बंद होने के कारण महंगी बाधाओं को सहन किया है। पर इसे भूला नहीं जा सकता कि जम्मू और कश्मीर लंबे समय से रसद संबंधी बाधाओं से जूझ रहा है।

खेल जगत

शूटिंग लीग इस खेल के लिए एक बड़ा बदलाव साबित होने जा रही है : वलारिवन

नई दिल्ली। एनआरएआई द्वारा शुरू की गई पहली शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के लिए पूरे देश में उत्साह का माहौल है। म्यूनिख में आईएसएसएफ विश्व कप में कांस्य पदक जीतकर सुर्खियों में आई भारतीय राइफल निशानेबाज एलावेनिल वलारिवन ने एसएलआई की घोषणा पर खुशी जताई। एसएलआई का पहला सत्र 20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। टूर्नामेंट में पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर 3 पोजीशन) और शॉटगन में मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी, जैसा कि एनआरएआई तकनीकी समिति द्वारा तय किया गया है। प्रतियोगिता में कुल छह से आठ टीमें हिस्सा लेंगी और लीग चरण में उन्हें दो पूल में बांटा जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को चार स्तरों – एलीट चैंपियंस, वर्ल्ड एलीट, नेशनल चैंपियंस और जूनियर एवं यूथ चैंपियनशिप में बांटा जाएगा, ताकि अनुभवी और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण उपलब्ध कराया जा सके।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में बेल्जियम को 2–1 से हराया

■ लगातार दो जीत के बाद, भारतीय जूनियर महिला टीम 12 जून को यूरोप के अपने दौरे में तीसरी और अंतिम बार बेल्जियम से खेलेगी

एंटवर्प, 11 जून (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में बेल्जियम पर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए जीत दर्ज की। भारत ने बेल्जियम के एंटवर्प में हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिजके प्लीन में बेल्जियम की टीम को 2-1 के कड़े स्कोर से हराया। लालथंतलुंगी (35%) और गीता यादव (50%) ने भारत के लिए गोल किए।

पहला हाफ गोल रहित रहा क्योंकि दोनों टीमें कड़े मुकाबले में गतिरोध को तोड़ने में कामयाब नहीं हो सकीं। 35वें मिनट में, भारत ने आखिरकार पहला गोल किया, जब लालथंतलुंगी ने एक भाग्यशाली पेनल्टी स्ट्रोक को सफलतापूर्वक गोल में बदला। आखिरी क्वार्टर में, वैन हेलेमोंट (48%) ने बेल्जियम के लिए फील्ड गोल के जरिए बराबरी का गोल किया। हालांकि, इसके ठीक दो मिनट बाद, गीता यादव ने खुद फील्ड गोल करके भारत के लिए विजयी गोल किया। इसके बाद भारत ने मैच के अंतिम 10 मिनट में बेल्जियम के हमलों को रोकने के लिए अच्छा बचाव किया और सुनिश्चित किया कि वे बेल्जियम पर एक और जीत का आनंद लें। अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद, भारतीय टीम अब 5 मैचों के दौरे के लिए यूरोप पहुंच गई है, जहां उन्होंने रविवार को बेल्जियम के खिलाफ शानदार जीत के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की। भारतीय टीम ने हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिजके प्लीन में 3-2 से गेम जीता। लगातार दो जीत के बाद, भारतीय जूनियर महिला टीम 12 जून को यूरोप के अपने दौरे में तीसरी और अंतिम बार बेल्जियम से खेलेगी। अर्जेंटीना में, भारतीय टीम ने बेहतरीन विरोधियों के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चिली के खिलाफ 2-1 से जीत और 2-2 (2-3 शूट आउट) की हार दर्ज की, मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ 1-1 (2-0 शूट आउट) की जीत और 2-4 की हार हासिल की, और उरुग्वे को दो बार हराया - 3-2 और 2-2 (3-1 शूट आउट)। उल्लेखनीय है कि ये मैच एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 के लिए भारत की तैयारी का भी अहम हिस्सा हैं, जो दिसंबर 2025 में चिली के सैंटियागो में होने वाला है।

विश्वकप 2026 में जगह बनाने में विफल रहने पर चिली के कोच गारेका ने दिया इस्तीफा

एल ऑल्टो (बोलीविया), 11 जून (एजेंसियां)। बोलीविया से मिली हार के बाद चिली की फीफा विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद समाप्त होने पर चिली की फुटबॉल टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गारेका ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मंगलवार को हुये मुकाबले में बोलीविया के हाथों मिली 2-0 से हार के बाद चिली की फीफा विश्वकप 2026 में खेलने की उम्मीद खत्म हो गई है। एल ऑल्टो में म्यूनिसिपल स्टेडियम में मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में गारेका ने कहा, 'हमने कोचिंग स्टाफ के साथ एक निर्णय लिया और हमने खिलाड़ियों बताया कि हम ऐसे हालात को कम करना चाहते हैं। हमने नतीजे नहीं दिए। चिली की ऐसी स्थिति कोई नहीं चाहता था। मेरे अनुभव और करियर के हिसाब से यह बड़ा झटका है। मुझे अपने पैरों पर वापस खड़ा होना होगा, ठीक उसी तरह जैसे चिली को भविष्य में अपने पैरों पर वापस खड़ा होना होगा।

टी-20 रैंकिंग : वरुण गेंदबाजों में तीसरे स्थान पर कायम, राशिद दूसरे स्थान पर

दुबई, 11 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दल को आईसीसी पुरुष टी20 रैंकिंग में स्थान मिला है, जिसमें अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद सबसे आगे हैं। 37 वर्षीय राशिद ने इंग्लैंड की 3-0 की टी20 सीरीज जीत में निरंतरता का नमूना पेश किया, जिसमें चेस्टर-ले-स्ट्रीट में 1/22, ब्रिस्टल में एक हाई-स्कोरिंग क्लैश में 1-59 और साउथम्प्टन में अंतिम मैच में 2/30 के आंकड़े हासिल किए। उनके प्रयास श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और भारत के वरुण चक्रवर्ती दोनों को पीछे छोड़ने के लिए पर्याप्त थे, जिससे वे टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 710 की रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जो वर्तमान नंबर 1 न्यूजीलैंड के जैकब डफी से केवल 13 अंक पीछे है।

लेगी का उदय इंग्लैंड के लिए एक प्रभावशाली रन को दर्शाता है, जिसने उसी प्रतिद्वंद्वी पर पहले की एकदिवसीय शृंखला जीत से अपनी गति को आगे बढ़ाया। इंग्लैंड के एक अन्य तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को भी उनके शानदार योगदान का इनाम मिला। अंतिम दो टी20 में उनके दो विकेट ने उन्हें रैंकिंग में 16 पायदान ऊपर 52वें स्थान पर पहुंचा दिया। शृंखला में रनों की भरमार थी, और बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी यह झलकता है। बेन डकेट ने तीसरे टी20 में 46 गेंदों पर 84 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर शानदार प्रदर्शन किया - एक ऐसी पारी जिसने उन्हें 48 पायदान ऊपर उठाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ 16वीं रैंकिंग पर पहुंचा दिया। हैरी ब्रूक की 35* और 34 रन की तेज पारी ने उन्हें छह पायदान की छलांग लगाकर संयुक्त 38वें स्थान पर पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज ने भी अपने पलों को बरकरार रखा। कप्तान शाई होप के 40 से अधिक रन की दो पारियों ने उन्हें बल्लेबाजी सूची में 14 पायदान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि रोवमैन पॉवेल ने अंतिम मैच में 45 गेंदों पर नाबाद 79 रन की विस्फोटक पारी खेलकर शीर्ष 20 में जगह बनाई।

50,000 डॉलर के बोनस की पेशकश पर एआईएफएफ पर भड़के भूटिया

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर में हांगकांग से भारत की 0-1 की हार के बाद, भारत के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कड़ी आलोचना की, जिसमें कथित तौर पर खिलाड़ियों को मैच जीतने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर का बोनस देने की पेशकश की गई थी। अपने शुरुआती मैच में बांग्लादेश के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के बाद, भारत को प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए जीत की सख्त जरूरत थी। हालांकि, स्टॉपेज-टाइम पेनल्टी ने उनकी उम्मीदों को धराशायी कर दिया, जिससे एक और निराशाजनक परिणाम सामने आया।भूटिया ने एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे से 'भारतीय फुटबॉल को बचाने के लिए' पद छोड़ने का आह्वान किया और इस तरह के तदर्थ वित्तीय प्रोत्साहनों के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया। भूटिया ने कहा, 'हमने ऐसी रिपोर्ट देखी हैं कि खिलाड़ियों को 2,500

रुपये का दैनिक भत्ता भी नहीं मिला है। भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों के पास क्रिकेटरों की तरह केंद्रीय अनुबंध नहीं हैं। वे लाखों या करोड़ों में नहीं कमाते। उनका मुआवजा मुख्य रूप से दैनिक भत्तों से आता है। फिर अचानक, कहीं से भी, अगर वे मैच जीतते तो 50,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार घोषित किया जाता। यह कहां से आया? अगर वे जीत जाते, तो क्या अगले चार मैचों के लिए भी यही बोनस दिया जाता? स्पष्ट रूप से कोई प्रणाली नहीं है, कोई रणनीति नहीं है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की शुरुआत से पहले ऐतिहासिक लॉर्ड्स में घंटी बजाना सौभाग्य की बात : जय शाह

■ दक्षिण अफ्रीका ने लगातार सात टेस्ट जीत के दम पर डब्ल्यूटीसी फाइनल में प्रवेश किया

लंदन, 11 जून (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की शुरुआत से पहले ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर घंटी बजाना उनके लिए सौभाग्य की बात है। जून 2023 में भारत को 209 रनों से हराकर ओवल में जीती गई गदा को बरकरार रखने की कोशिश में, ऑस्ट्रेलिया ने मैच के पहले दिन बुधवार को लंच तक दक्षिण अफ्रीका के सामने 23.2 ओवर में 67/4 रन बना लिए। यह भी पहली बार है कि लॉर्ड्स आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी कर रहा है।

शाह ने बुधवार को अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन खेल शुरू होने से पहले ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर घंटी बजाना सौभाग्य की बात है। ऑस्ट्रेलिया 2023-25 डब्ल्यूटीसी चक्र के दौरान लीग तालिका में दूसरे स्थान पर रहा, जिसने 67.54 अंक प्रतिशत हासिल किए। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका ने लगातार सात टेस्ट जीत के दम पर डब्ल्यूटीसी फाइनल में प्रवेश किया और 69.44 अंक प्रतिशत के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर रहा। दक्षिण अफ्रीका ने दिसंबर 2024 में सेंचुरियन में दो विकेट से रोमांचक जीत दर्ज करके पाकिस्तान को हराकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में अपनी जगह पक्की की, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इस साल जनवरी में सिडनी में भारत पर छह विकेट से शानदार जीत दर्ज करके क्वालीफाई किया। डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र के विजेता को 3.6 मिलियन अमरीकी डॉलर मिलेंगे, जो 2021 और 2023 दोनों संस्करणों में दिए गए 1.6 मिलियन अमरीकी डॉलर से काफी ज़्यादा है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल: दक्षिण अफ्रीका ने लंच से पहले ऑस्ट्रेलिया को दिए चार झटके

लंदन, 11 जून (एजेंसियां) मार्को यानसन और कैगिसो रबाडा ने दो-दो विकेट चटकाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को यहां प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में 2025 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन लंच तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 23.2 ओवर में 67/4 कर दिया। जब से दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीता और बादलों से घिरे आसमान में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, तेज गेंदबाजों ने टाइट लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करके और बेहतरीन मूवमेंट निकालकर उस फैसले को सही साबित किया, जिसके चलते यानसन और रबाडा ने विकेट निकाले। कुछ बेहतरीन कैचिंग के साथ, इसका मतलब था कि पहला सत्र वास्तव में प्रोटियाज के नाम रहा।

सार संक्षेप

तिलक मौजूदा काउंटी सत्र के लिए हैम्पशायर से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में खेलने के साथ अपने क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए तैयार हैं, उन्होंने मौजूदा काउंटी चैंपियनशिप सत्र के लिए हैम्पशायर के साथ अनुबंध किया है। यह कदम 22 वर्षीय खिलाड़ी के होनहार करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि वह चुनौतीपूर्ण विदेशी परिस्थितियों में अपने लाल गेंद के कौशल का परीक्षण करने के लिए तैयार हैं। तिलक, जो पहले ही भारत के लिए चार वनडे और 25 टी20 मैच खेल चुके हैं, उन्हें आखिरी बार 1 जून को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2025 क्वालीफायर 2 के दौरान मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए देखा गया था। जबकि उनकी सफेद गेंद की साख अच्छी तरह से प्रलेखित है, तिलक का लाल गेंद का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा है।

इंग्लैंड दौरे के लिए न्यूजीलैंड-'ए' टीम का ऐलान

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड-ए और इंग्लैंड-ए के बीच 23 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर और विकेटकीपर-बल्लेबाज इजी गेज को इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए 15 सदस्यीय न्यूजीलैंड ए टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड-ए की इस टीम में न्यूजीलैंड के लिए खेल चुके 11 खिलाड़ी शामिल हैं, जो इस महीने के अंत में इंग्लैंड के छह मैचों के दौरे पर जाएंगी। इस दौरे में तीन लिस्ट ए वन-डे और उसके बाद तीन टी20 मैच शामिल हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि टीम शनिवार को रवाना होगी और 23 जून को डर्बी में अपना पहला वन-डे मैच खेलेगी। असिस्टेंट कोच ब्रेंडन डोनकर्स इंग्लैंड में टीम के एकजुट होने के बाद कप्तान के नाम की घोषणा करेंगे। प्लिमर और विकेटकीपर-बल्लेबाज गेज जेस वॉटकिन इस बैटिंग यूनिट की अहम खिलाड़ी हैं। इनके अलावा हाल ही में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाली बेला जेम्स और पोली इंग्लिस, एम्मा मैकलियोड और इजी शार्प भी टीम में मौजूद हैं।

ब्राजील ने किया विश्वकप के लिए क्वालीफाई

साओ पाउलो। विनिसियस जूनियर ने पहले हाफ में किये गये गोल की बदौलत पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील ने क्वालीफायर मुकाबले में पैराग्वे पर 1-0 से जीत दर्ज कर अगले साल होने वाले फीफा विश्वकप में अपनी जगह पक्की कर ली है। ब्राजील ने मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर शानदार खेला प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को हराकर फीफा विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है।विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में गोल कर ब्राजील को बढ़त दिलाई। इसके बाद रक्षापंक्ति ने शानदार खेला का मुजाहिरा करते हुए पैराग्वे को गोल करने का कोई अवसर नहीं दिया। इस जीत के साथ ब्रजील के 25 अंक हो गये है। वहीं, हार के बाद पैराग्वे 24 अंकों पर है और उसे विश्वकप में क्वालीफाई करने के लिए एक अंक की जरुरत है। ब्राजील सितंबर में अपने अंतिम दो क्वालीफायर मुकाबलों में चिली और बोलीविया से भिड़ेगा। पैराग्वे को क्वालीफाई के लिए केवल एक अंक की आवश्यकता है, उसका सामना इक्काडोर और पेरू से होगा।

एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान बने निकोलस पूरन

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ घंटों बाद ही निकोलस पूरन को मेजर लीग क्रिकेट-2025 में एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। वेस्टइंडीज के इस तेज तर्रार बल्लेबाज को मेजर लीग क्रिकेट-2025 सीजन के लिए कप्तान बनाने का ऐलान करते हुए फ्रेंचाइजी ने कहा कि हमारे हीरो, हमारे लीजेंड, हमारे कप्तान! निकोलस पूरन- 29 वर्षीय पॉकेट डायनामाइट को कॉग्निजेंट मेजर लीग क्रिकेट के 2025 सीजन से पहले एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। बाएं हाथ के निकोलस पूरन एमएलसी 2023 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने आठ मुकाबलों में 20 चौकों और 34 छक्कों के साथ 388 रन बनाए। फाइनल में 137 रन की नाबाद पारी खेलकर निकोलस ने एमआई को विजेता बनाया था। निकोलस पूरन को उनके साथी खिलाड़ी कीरोन पोलार्ड के स्थान पर एमआई न्यूयॉर्क की कमान सौंपी गई है। अब पोलार्ड इस सीजन निकोलस पूरन की कप्तानी में खेलते नजर आने वाले हैं। मेजर लीग क्रिकेट की शुरुआत भारतीय समयानुसार 13 जून को सुबह 6.30 बजे से होगी। एमआई न्यूयॉर्क अगले दिन सीजन का अपना पहला मैच टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ खेलेगा। यह मुकाबला ऑकलैंड कोलिजीयम में आयोजित होगा। निकोलस पूरन ने वेस्टइंडीज की ओर से व्हाइट बॉल क्रिकेट ही खेला है। वह दोनों ही फॉर्मेट में टीम की कमान संभाल चुके हैं।

दिल्ली चैलेंजर 50वें गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। दिल्ली चैलेंजर ने फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) को बुधवार को पांच विकेट से हराकर 50वें गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट (पंजी.) के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दिल्ली चैलेंजर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। शुरुआती झटकों के बाद एफसीआई 149 रन पर सिमट गई। ध्रुव सिंह ने 29 (22 गेंद) (4×3, 6×1), प्रशांत वीर ने 24 (19 गेंद) और ऋषि धवन ने 22 रन (14 गेंद) बनाये। दिल्ली चैलेंजर की तरफ से शिवम शर्मा (3/29), प्रशांत चौधरी (2/16) और जुबेर (2/22) ने अच्छी गेंदबाजी की। 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली चैलेंजर ने शानदार शुरुआत की और 16.5 ओवर में 152/5 बनाकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। कुनाल चंदेला ने 47 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 47 गेंदों में 72 रन की मैच विजयी पारी खेली जबकि गौरव गौर ने 26 रन (14 गेंद) बनाये। एफसीआई की तरफ से प्रशांत वीर और ऋषि धवन ने दो-दो विकेट लिए।

अर्जुन फिर देंगे शेंग को चुनौती, संदीप सिंह की पेरिस के बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर वापसी

■ अर्जुन ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक के बाद से चार लगातार फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। अर्जुन बाबूता एक बार फिर चीन के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर शेंग लीहाओ को टक्कर देने उतरेंगे, जबकि संदीप सिंह पेरिस ओलंपिक के बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। भारत, वर्ल्ड कप पदकों की अपनी खोज जारी रखते हुए, म्यूनिख में चल रहे इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप (राइफल/पिस्टल) के तीसरे दिन (12 जून, गुरुवार) भाग लेगा। तीसरे दिन दो फाइनल मुकाबले खेले

जाएंगे, जिनमें महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) फाइनल पहले होगा, इसके बाद पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा दूसरे हिस्से में निर्धारित है। सभी फाइनल मुकाबले आईएसएसएफ के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर लाइव देखे जा सकते हैं। अर्जुन बाबूता ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक के बाद से चार लगातार फाइनल में जगह बनाई है, जहां उन्होंने चौथा स्थान हासिल किया था। शेंग ने उस प्रतियोगिता के साथ-साथ लीमा वर्ल्ड कप में भी स्वर्ण पदक जीता। वहीं अर्जुन ने लीमा में सिल्वर जीतकर पहली बार पोडियम पर जगह बनाई थी-वो भी चैंपियन से महज 0.1 अंकों से पीछे रहकर।

शेंग ने नई दिल्ली में हुए आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल्स में भी खिताब जीता, जहां अर्जुन पांचवें स्थान पर रहे थे। साल के पहले वर्ल्ड कप (ब्यूनस आयर्स) में अर्जुन के साथी रुद्रांक्श पाटिल ने गोल्ड जीता, जबकि अर्जुन सातवें स्थान पर रहते हुए एक बार फिर पदक से दूर रह गए। अर्जुन के पेरिस ओलंपिक साथी संदीप सिंह भी टीम में वापसी कर चुके हैं और किरण जाधव के साथ प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे।

12 जून...जब साइना ने दूसरी बार जीती ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। 12 जून...भारतीय खेल जगत के 'स्वर्णिम दिन' के तौर पर याद किया जाता है। इसी दिन साल 2016 में साइना नेहवाल ने बैडमिंटन में अपना लोहा मनवाया था। ये वही दिन है, जब साइना ने 'ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज' अपने नाम की थी। ऐसा नहीं कि ये साइना नेहवाल का पहला ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज खिताब था। साल 2014 में भी साइना इस टाइटल पर अपना कब्जा कर चुकी थीं, लेकिन दूसरी बार ये उपलब्धि हासिल करने के साथ उन्होंने अपने रिकॉर्ड को मजबूत कर दिया। भले ही साइना इससे पहले सुन यू के खिलाफ छह मुकाबलों में पांच अपने नाम कर चुकी थीं। उन्होंने चाइना ओपन में भी सुन के विरुद्ध जीत दर्ज की थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज के फाइनल में सून को कमतर नहीं आंका जा सकता था।

साइना उस वक्त वर्ल्ड रैंकिंग में आठवें पायदान पर थीं, लेकिन सिडनी में खेले गए इस फाइनल के पहले गेम में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रही थीं। इस दौरान उनसे कुछ गलतियां भी हुईं। वर्ल्ड रैंकिंग में 12वें पायदान पर मौजूद सुन यू ने 10-5 से बढ़त बनाने के बाद पहला गेम 21-11 से अपने नाम कर लिया। भले ही पहला गेम साइना नेहवाल के पक्ष में नहीं रहा, लेकिन अगले गेम में उन्होंने शानदार वापसी कर ली। साइना ने सुन यू के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए इस गेम को 21-14 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में वापसी के साथ साइना अपने रंग में आ गई थीं, लेकिन तीसरा गेम कांटे की टक्कर का रहा। दोनों ही खिलाड़ी प्वाइंट्स के लिए संघर्ष करती दिखीं, लेकिन आखिरकार साइना ने तीसरा गेम 21-19 से जीतकर फाइनल अपने नाम कर लिया। लंदन ओलंपिक-2012 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद साइना ने दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर सीरीज अपने नाम कर ली थी, जिसके बाद उन्होंने साल 2017 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके बाद साल 2018 में गोल्ड कोस्ट में खेला गया कॉमनवेल्थ गेम्स साइना नेहवाल के लिए बेहद खास रहा, जहां उन्होंने दो गोल्ड मेडल अपने किए। साइना ने 'मिक्स्ड टीम' और 'विमेंस सिंगल्स' में गोल्ड जीतकर बैडमिंटन जगत में अपना लोहा मनवा लिया। साइना कॉमनवेल्थ गेम्स के सिंगल्स इवेंट में दो गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय शटलर बनीं। एशियन चैंपियनशिप-2018 और एशियन गेम्स-2018 में साइना ने ब्रॉन्ज जीतकर इस साल अपना दबदबा कायम रखा, लेकिन इस शानदार साल के बाद साइना किसी बड़े इवेंट में पदक नहीं जीत सकीं। 17 मार्च 1990 को हिसार में जन्मीं साइना नेहवाल ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय शटलर हैं।

■ साइना नेहवाल का पहला ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज खिताब था

■ चाइना ओपन में भी सुन के विरुद्ध जीत दर्ज की थी

साल 2008 में बीडब्लूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतने के बाद इसी साल उन्होंने बीजिंग ओलंपिक में हिस्सा लिया, लेकिन उन्हें अपना पहला ओलंपिक पदक साल 2012 में मिला। इसके बाद साइना उन तमाम खिलाड़ियों के लिए रोल मॉडल बनीं, जो बैडमिंटन में नाम कमाने का सपना देख रहे थे। साल 2008, 2012 के बाद साइना ने 2016 रियो ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व किया था। साल 2023 में सिंगापुर ओपन में हिस्सा लेने के बाद से साइना ने कोई प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट नहीं खेला। अगले साल उन्होंने खुलासा किया।

बाबर, रिजवान और शाहीन पाकिस्तान के बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के टी-20 दौरे के लिए नजरअंदाज

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सीनियर पुरुष चयन समिति ने पूर्व कप्तानों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की अनदेखी जारी रखी है और उन्हें बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के लिए टी20 टीम से बाहर कर दिया है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन और कप्तान सलमान आगा के परामर्श से सीनियर खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने का फैसला किया। यह निर्णय व्हाइट-बॉल दौरों और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उनके हालिया प्रदर्शन पर आधारित लगता है। रिजवान की अगुआई में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका में 2-0 से टी20 सीरीज में हार का सामना किया, जिसमें बाबर ने भी हिस्सा लिया था। उसके बाद, दोनों को न्यूजीलैंड दौरे और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज से बाहर कर दिया गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान का प्रबंधन और चयन समिति बाबर और रिजवान से आगे बढ़ना चाहती है, जबकि हेसन और सलमान दोनों ने कहा है कि दोनों पूर्व सलामी बल्लेबाजों के लिए दरवाजा बंद नहीं हुआ है।

SENSEX	BSE	82515.14 ▲ 123.42	NSE	25141.40 ▲ 37.15	MCX	Gold	96957 ▲ 55	silver	105518 ▼ 1231

देशबन्धु

[अर्थ जगत

भारत का कोयला आयात अप्रैल में 4.4 प्रतिशत घटकर 2.495 करोड़ टन

नई दिल्ली । भारत का कोयला आयात अप्रैल में 4.4 प्रतिशत घटकर 2.495 करोड़ टन रह गया। अप्रैल 2024 में यह 2.610 करोड़ टन रहा था। बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 के 2.279 करोड़ टन के मुकाबले अप्रैल में कोयले का आयात 9.48 प्रतिशत अधिक रहा। अप्रैल में कुल आयात में से गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.590 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वर्ष अप्रैल में यह 1.740 करोड़ टन रहा था। कोकिंग कोयले का आयात 54.2 लाख टन रहा, जो अप्रैल 2024 में 49.7 लाख टन रहा था।

फ्री यूपीआई सर्विस होगी खत्म,व्यवस्था में बड़ा बदलाव

अब 3000 से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाने पर हो रहा विचार

नई दिल्ली। डिजिटल पेमेंट को फ्री और आसान बनाने वाली यूपीआई व्यवस्था में अब बड़ा बदलाव होने वाला है। सरकार 3000 से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाने पर विचार कर रही है। अब तक लागू 'जीरो एमडीआर' नीति को खत्म करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे बैंकों और पेमेंट कंपनियों को बढ़ते खर्च की भरपाई का रास्ता मिल सके। छोटे ट्रांजैक्शन पहले की तरह फ्री रहेंगे, लेकिन बड़े व्यापारिक भुगतान पर शुल्क लगने की संभावना है। यह कदम क्ष्ह्व इकोसिस्टम को टिकाऊ और भविष्य के लिए मजबूत बनाने की दिशा में उठाया जा रहा है।

क्या हो सकता है बदलाव? - सूत्रों के अनुसार, सरकार 2020 से लागू जीरो एमडीआर पॉलिसी को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रस्ताव के अनुसार, 3,000 रुपये तक के यूपीआई ट्रांजैक्शन फ्री रहेंगे, लेकिन इससे ऊपर के लेनदेन पर 0.3 प्रतिशत तक का चार्ज मर्चेंट्स से लिया जा सकता है। यह चार्ज सिर्फ उन्हीं व्यापारियों पर लागू होगा जिनकी सालाना कमाई अधिक है।

क्यों जरूरी हुआ यह कदम? - आज यूपीआई का हिस्सा भारत के कुल 80 प्रतिशत रिटेल डिजिटल ट्रांजैक्शन में हो चुका है। लेकिन बैंकों और पेमेंट कंपनियों को इसका कोई सीधा मुनाफा नहीं मिल रहा, क्योंकि जीरो एमडीआर नीति के तहत वे मर्चेंट से कोई फीस नहीं वसूल सकते। इस मॉडल के चलते बैंकों पर ऑपरेशनल खर्च बढ़ा है, लेकिन आमदनी नहीं बढ़ी, जिससे उनका इस सिस्टम में निवेश करने का उत्साह कम हो गया है।

अब तक कितना ट्रांजैक्शन हुआ है यूपीआई पर? - कोविड के बाद से डिजिटल पेमेंट्स में जबरदस्त उछाल देखा गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यूपीआई मर्चेंट पेमेंट्स का आंकड़ा 60 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है। इतनी बड़ी रकम को बिना किसी शुल्क के प्रोसेस करना लंबे समय तक संभव नहीं है, खासकर तब जब बैंक और फिनटेक कंपनियां इसके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर व टेक्नोलॉजी में भारी निवेश कर रही हैं।

कौन देगा सुझाव, कब होगा अंतिम फैसला? -सरकार ने यह विषय प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्रालय और आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में उठाया। अब बैंक, फिनटेक कंपनियों और एनपीसीआई से सलाह-मशविरा करके अगले 12 महीनों के भीतर कोई ठोस नीति बनाई जाएगी।

क्या रहेगा फ्री और किस पर लगेगा शुल्क?

3,000 तक के ट्रांजैक्शन - पहले की तरह बिल्कुल फ्री रहेंगे।

3,000 से अधिक के ट्रांजैक्शन - बड़े मर्चेंट्स पर 0.3 प्रतिशत तक का एमडीआर लग सकता है।

रुपे क्रेडिट कार्ड - अभी भी एमडीआर चार्ज से बचे रहेंगे।

भारत में यूपीआई ने डिजिटल क्रांति का चेहरा बदल दिया है और आज हम दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में शामिल हैं। अब सरकार की कोशिश है कि इस व्यवस्था को सिर्फ लोकप्रिय नहीं बल्कि टिकाऊ भी बनाया जाए।

अमेरिका-चीन को पछाड़ भारतीय शेयर बाजार बना सरताज

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने जबरदस्त छलांग लगाते हुए वैश्विक मंच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। मार्च 2025 की शुरुआत से अब तक भारत में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़कर 5.33 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

21 प्रतिशत की यह वृद्धि दुनिया के टॉप 10 शेयर बाजारों में सबसे तेज़ है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने अमेरिका और चीन जैसे दिग्गज बाजारों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ता शेयर बाजार बनने का गौरव हासिल किया है। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद वैश्विक स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा बाजार है।

अमेरिका के मार्केट कैप में महज 2.4 प्रतिशत का उछाल - वैश्विक स्तर पर भारत के बाद जर्मनी के बाजार ने दूसरा सबसे बड़ा लाभ दर्ज किया, जिसका एमकैप इस अवधि के दौरान लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा। कनाडा में लगभग 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि हांगकांग में 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई। जापान और यूनाइटेड किंगडम में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो दुनिया का सबसे बड़ा इक्विटी बाजार है, ने लगभग 2.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की, जबकि दूसरे सबसे बड़े चीन में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। फ्रांस और ताइवान ने क्रमश: 3.9 प्रतिशत और 3.2 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की।

निवेशकों को मिला बंपर रिटर्न - मार्च महीने से लेकर अबतक भारत के बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी में 12.5 प्रतिशत और 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमश: 20.7 प्रतिशत और 26 प्रतिशत से अधिक चढ़े हैं।

2027 तक 17 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक, भारत में 6,00,000 से अधिक एआई पेशेवर : बीसीजी

नई दिल्ली। भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) बाजार के उसके वर्तमान आकार से तीन गुना होकर 2027 तक 17 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाने की उम्मीद है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के अनुसार, ऐसा उद्यम प्रौद्योगिकी में बढ़ते निवेश, एक समृद्ध डिजिटल परिवेश और कुशल पेशेवरों के दम पर मुमकिन होगा। बीसीजी ने अपनी रिपोर्ट 'भारत की एआई छलांग उभरती चुनौतियों पर बीसीजी परिप्रेक्ष्य' में कहा कि भारत में 6,00,000 से अधिक एआई पेशेवरों, 70 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं और पिछले तीन वर्ष में 2,000 से अधिक एआई स्टार्टअप के साथ एक संपन्न एआई परिवेश है।

रिपोर्ट में कहा गया, भारत का घरेलू एआई बाजार 2027 तक तीन गुना होकर 17 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे यह एआई के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से वृद्धि करने वालों में से एक बन जाएगा। यह उद्यम प्रौद्योगिकी में बढ़ते निवेश, संपन्न डिजिटल परिवेश और कुशल पेशेवरों के दम पर मुमकिन होगा।''भारत 2025 में 45 नए डेटा सेंटर जोड़ने की योजना बना रहा है, जिससे 152 सेंटर के मौजूदा नेटवर्क में अतिरिक्त 1,015 मेगावाट क्षमता जुड़ जाएगी। सरकार की इंडियाएआई पहल, 10,000 करोड़ रुपये से अधिक के कोष के साथ, राष्ट्रीय एआई कंप्यूट अवसंरचना स्थापित करेगी जो एआई मॉडल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए 10,000 से अधिक 'ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट' तक पहुंच प्रदान करेगी। बीसीजी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं भागीदार मनदीप कोहली ने कहा, ''एआई अब एक विकल्प नहीं बल्कि एक व्यावसायिक जरूरत है। भारतीय कंपनियां परंपरागत वृद्धि के रास्तों को पार करने और वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास से प्रतिस्पर्धा करने के लिए इसका इस्तेमाल कर रही हैं।''

घर, ऑफिस और गाड़ियों में एसी के लिए नया नियम, सरकार ने तय की सीमा

नई दिल्ली। देश में एयर कंडीशनर के अत्यधिक इस्तेमाल और तेजी से बढ़ती बिजली खपत को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब घरों, दफ्तरों, दुकानों, मॉल्स, होटलों और गाड़ियों में लगे ए.सी. को 20 डिग्री सैल्सियस से नीचे और 28 डिग्री सैल्सियस से ऊपर सैट नहीं किया जा सकेगा। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने इस नए नियम की घोषणा की है।

मंत्री ने बताया कि यह पहल बिजली की बचत और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। उनका कहना है कि जैसे-जैसे देश में गर्मी बढ़ रही है, ए.सी. का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग बिजली के बिल में इजाफा कर रहा है तथा पावर सिस्टम पर दबाव डाल रहा है। अब यह नियम सभी सैक्टरों में लागू होगा और एक समान तापमान सीमा के जरिए उपभोग को नियंत्रित किया जाएगा।

अब 20 डिग्री से नीचे नहीं चलेगा ए.सी. - जैसे-जैसे देशभर में तापमान बढ़ रहा है, एयर कंडीशनर (ए.सी.) का इस्तेमाल भी तेज़ी से बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही बिजली की खपत में भी बढ़ौतरी हो रही है। सरकार का कहना है कि कई लोग ए.सी. को 16 डिग्री सैल्सियस तक सैट कर देते हैं, जिससे अत्यधिक ऊर्जा खर्च होती है और बिजली का बिल भी सामान्य से कहीं ज्यादा आता है। इसी स्थिति पर काबू पाने के लिए अब सरकार ने ए.सी. के तापमान को लेकर नई सख्त सीमा तय की है। इसके तहत अब कोई भी ए.सी. 20 डिग्री सैल्सियस से नीचे या 28 डिग्री सैल्सियस से ऊपर सैट नहीं किया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि यह कदम बिजली की बचत करने, बिलों को नियंत्रित रखने और कार्बन उत्सर्जन को घटाने में मदद करेगा। साथ ही, देशभर में ए.सी. उपयोग के मानक तय करने से ऊर्जा के क्षेत्र में एकरूपता आएगी ।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	85. 51
एक यूरो	98. 28
एक ब्रिटिश पाउंड	115. 55
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	55· 58
एक जापानी येन	0· 59

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 88 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 98 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-104 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -74 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 160 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 97550 चांदी -104800

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 97550 चांदी -104800

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 8000-9000, मीडियम बोल्ड 10000-11500, फाइन 115000-12000, एकस्ट्रा बोल्ड 13000-13500, चना दाल एवरेज 7200-7300 चना दाल मार्का 7500-7700, मसूर दाल एवरेज 7500-7600, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका9000-9200, फाइन 9200-9500, उड़द धुली 10500-11000, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 9800- 10500, फाइन 10500-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3400-3600, बेस्ट 3600-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4500-4800,एचएमटी-5200-5500 फाइन-5800-6000 दुबराज भाटापारा 5200-5300, जेजेएल चालू 5600-5800, फाइन 6000-6300, बासमती कनकी चालू 3200-3600, बासमती कनकी मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4500, मोगरा- 4300-5200, दुबार- 5200-5800, तिबार- 6500-6800, बासमती 8500-1000, बेस्ट 10000-11000 पोहा- 4500-4600, फाइन 4600-4800, मुरमुरा- 5800-6000, फाइन- 7000-8000 रु.।

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5980, 10 एम एम 5860,12 एम एम, 5800 एवं 16 एम 5800 रु.। तार- 75 रु. किलो।

सिर्फ 20 रुपये में मिलेगा दो लाख रुपये का इश्योरेंस, जरूरतमंदों के लिए वरदान

नई दिल्ली। जीवन में कभी भी कुछ भी हो सकता है, एक पल में सब कुछ बदल सकता है। ऐसे में खुद को और अपने परिवार को आर्थिक रूप से सुरक्षित करना बेहद जरूरी है। हालांकि, हर किसी के पास बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए मोटी रकम नहीं होती। लेकिन चिंता की बात नहीं है, क्योंकि सरकार गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए एक बेहद सस्ती और उपयोगी बीमा योजना चला रही है, जिसका लाभ कोई भी ले सकता है।

क्या है यह योजना? - भारत सरकार ने वर्ष 2015 में एक खास बीमा योजना की शुरुआत की थी — प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना । इस योजना का उद्देश्य है कि देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को न्यूनतम खर्च में अधिकतम बीमा सुरक्षा मिले।

सिर्फ 20 रुपये में 2 लाख रुपये का लाभ - इस योजना की सबसे खास बात यह है कि इसमें सालाना केवल 20 रुपये देकर बीमा कवर लिया जा सकता है। इस बीमा के तहत दुर्घटना में मृत्यु या पूर्ण विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये, और आंशिक विकलांगता की स्थिति में 1 लाख रुपये की राशि दी जाती है।

कौन ले सकता है लाभ? - कोई भी भारतीय नागरिक जिसकी उम्र 18 से 70 वर्ष के बीच है, इस योजना का हिस्सा बन सकता है। इसके लिए केवल बैंक अकाउंट होना जरूरी है, जिससे हर साल 20 रुपये अपने आप कट जाएं। आवेदन के लिए अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर या बैंक शाखा में जाकर फार्म भरना होता है।

कब और कितने समय के लिए होता है बीमा? - यह बीमा हर साल 1 जून से 31 मई तक मान्य रहता है और हर साल इसे रिन्यू कराना जरूरी होता है।

अब तक कितने लोगों ने उठाया लाभ? - इस योजना की पहुंच और लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 51 करोड़ से अधिक लोग इस योजना से जुड़ चुके हैं।

महंगा हुआ सोना, चांदी में भी उछाल जारी

नई दिल्ली। दो दिन लगातार गिरावट के बाद आज सोना और चांदी दोनों की कीमतों में तेजी आई है। बुधवार (11 जून) को एमसीएक्स पर सोने के भाव 97,220 रुपए, जबकि चांदी के भाव 1,06,830 रुपए के आसपास कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी-तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,344.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 3,343.40 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 16.70 डॉलर की तेजी के साथ 3,360.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.67 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 36.64 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 36.74 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एसबीआई : रेपो दर में कटौती दो साल जारी रही तो और घटेगी ब्याज लागत

परिवारों को हर साल होगी 60000 तक बचत

नई दिल्ली। रेपो दर में कटौती के बाद बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के कर्ज पर ब्याज दर घटाने से भारतीय परिवारों की सालाना 50,000 से 60,000 रुपये की बचत होगी। यह स्थिति तब होगी, जब हम यह मान लें कि खुदरा और छोटे, मझोले एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के 80 फीसदी कर्ज ईबीएलआर से जुड़े हैं। ईबीएलआर का मतलब बाहरी बेंचमार्क लेंडिंग रेट है, जो रेपो दर से जुड़ा होता है।

एसबीआई ने एक रिपोर्ट में कहा, रेपो दर घटने के तुरंत बाद ईबीएलआर से जुड़े कर्ज सस्ते होने लगे हैं। अगर आरबीआई की नरम दर की यह रणनीति अगले दो साल तक जारी रहती है, तो इससे परिवारों की ब्याज लागत में और गिरावट आएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्याज दरों में ढील के मौजूदा चक्र में आरबीआई इस साल फरवरी से अब तक रेपो दर में एक फीसदी की कटौती कर चुका है। इससे ईबीएलआर ब्याज दरें अपने आप कम हो गई हैं। नकद आरक्षित अनुपात और लिक्विडिटी कवरेज रेश्यों आदि जैसे सभी सेगमेंट को हटा दें तो बैंकों के पास 100 रुपये की प्रत्येक जमा राशि पर वाणिज्यिक कर्ज देने के लिए सिर्फ 44.4 रुपये बचते हैं।

भारत में घरेलू कर्ज उभरते देशों की तुलना में 7 प्रतिशत कम - रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में घरेलू कर्ज अन्य उभरते देशों के 49.1 फीसदी की तुलना में सिर्फ 42 फीसदी है। हालांकि, तीन वर्षों में इसमें वृद्धि हुई है। दिलचस्प बात है कि यह वृद्धि कर्ज के बजाय ग्राहकों की संख्या बढ़ने से हुई है। परिवारों पर बढ़ता कर्ज इसलिए चिंताजनक नहीं है क्योंकि पोर्टफोलियो का दो तिहाई हिस्सा बेहतर गुणवत्ता वाला है।रिपोर्ट में कहा गया है कि ज्यादातर लोग क्रेडिट कार्ड, कंज्यूमर ड्यूरेबल और अन्य पर्सनल लोन ले रहे हैं। इन सभी का हिस्सा कुल खुदरा और एमएसएमई कर्ज में 45 फीसदी है। होम और ऑटो लोन की हिस्सेदारी 25 फीसदी है। उत्पादक उद्देश्यों जैसे कृषि, कारोबार और शिक्षा क्षेत्र का कुल कर्ज में हिस्सा 30 फीसदी है।

रिपोर्ट में आरबीआई के आंकड़े के हवाले से बताया गया है, रेपो दर में सबसे अधिक 4.5 फीसदी की कटौती सितंबर, 2008 से सितंबर, 2013 के बीच हुई थी। इस दौरान रेपो दर में सर्वाधिक 4 फीसदी वृद्धि भी हुई।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.- 9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

प्लॉट उपलब्ध हैं
न्यू भेड़ाघाट के निकट प्रस्तावित रिंग रोड के पास फार्म हाउस हेतु लगभग 6000, 12000, 18000+ वर्गफुट के प्लॉट @ रु. 350 प्रति वर्गफुट उपलब्ध हैं. संपर्क करें - अनिल यादव, ग्राम सकरी
संपर्क: 6264760614
देवेन्द्र : 9993737969

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

आरक्षक - पायलट को घेरकर पीटा, वर्दी फाड़ी

शराब पिलाकर वीडियो बनाया, ट्रैक्टर जलाकर आग में फेंकने की कोशिश

दमोह, देशबन्धु। दमोह में डॉयल 100 वाहन पर तैनात पुलिस आरक्षक और पायलट से मारपीट का मामला सामने आया है। आरक्षक का आरोप है कि करीब 30 लोग उनको खींचकर खेत में ले गए और बुरी तरह मारपीट की। वर्दी फाड़ दी। इसके बाद ट्रैक्टर में आग लगाकर उसपर फेंकने की कोशिश की।

घायल आरक्षक बलराम और पायलट मनोज राजपूत देर रात एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निवास पहुंचे और आपबीती सुनाई। उनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

शिकायत पर पहुंचे थे आरक्षक और पायलट आरक्षक बलराम ने बताया कि मंगलवार रात उनकी ड्यूटी डायल 100 पर थी। करीब 9 बजे गांव के ही इंदर सिंह लोधी ने कॉल कर सूचना दी थी कि कुछ लोग उसके खेत पर कब्जा कर रहे हैं और बम फोड़ रहे हैं। सूचना के बाद बलराम अपने साथी मनोज राजपूत के साथ मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने इंदर सिंह के बारे में पूछा, लेकिन जवाब देने की बजाय वहां मौजूद करीब 30 लोगों ने दोनों को घेर लिया। उनसे कहा कि पैसे इंदर से पैसे खाकर आए हो। उनके कहने पर यहां आए हो।

बलराम ने बताया कि भीड़ ने पहले उनका मोबाइल और डायल 100 वाहन की चाबी छीनी, फिर खेत में ले जाकर लात-घूंसों और डंडों से बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। वहीं ट्रैक्टर में आग लगाई गई और उसी में दोनों को फेंकने की कोशिश की गई। घायल आरक्षक बलराम का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जान बख्शने को कहा तो शराब पिलाई और वीडियो बनाया आरक्षक बलराम का कहना है कि जब उन्होंने गांववालों के हाथ-पैर जोड़े और दया की गुहार लगाई, तो कुछ लोगों ने कहा कि ट्रैक्टर जलाने का आरोप इन पर डालते हैं।

आरोप लगाया गया कि आरक्षक और पायलट ने इंदर सिंह से पैसे लेकर मामला सुलझाने आए थे। विरोध करने पर जबरन शराब पिलाई गई और दबाव में वीडियो रिकॉर्ड किया गया। एसपी बंगले पहुंचकर सुनाई आपबीती घटना के बाद किसी तरह दोनों घायल पुलिसकर्मी गांव से निकले और देर रात दमोह एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निवास पहुंचे। वहां उन्होंने पूरी घटना की जानकारी दी। मामला गंभीर देख पुलिस ने तत्काल बड़ी संख्या में बल भेजा और गांव में छानबीन शुरू की।

दो आरोपी गिरफ्तार, 30 पर एफआईआर

पुलिस ने मामले में अब तक दो आरोपियों कल्याण उर्फ बब्बी और शालिगराम पटेल को गिरफ्तार किया है। करीब 30 अन्य अज्ञात और नामजद लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

कार्रवाई नहीं होने पर दी आत्महत्या की चेतावनी

घायल आरक्षक बलराम का कहना था कि अगर इस मामले में कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो वह घर नहीं जाएगा और आत्महत्या कर लेगा। हालांकि बाद में पुलिस की ओर से की गई त्वरित कार्रवाई से वह संतुष्ट नजर आया।

अमानक स्तर के चावल घोटाला मामले में 13 पर एफआईआर

ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया प्रकरण

जबलपुर, देशबन्धु। अमानक चावल मामले में मप्र स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन सिवनी के अधिकारियों ने राइस मिल संचालक के साथ्ज घोटाला किया था। ईओडब्ल्यू ने जांच के बाद तत्कालीन गुणवत्ता निरीक्षक जगदीश गिरी गोस्वामी एवं विनय पाण्डे सहित 13 व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

ईओडब्ल्यू से प्राप्त जानकारी के अनुसार जानकारी के अनुसार म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन लिमिटेड जिला सिवनी में पदस्थ गुणवत्ता निरीक्षक जगदीश गिरी गोस्वामी एवं विनय पांडे के खिलाफ शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत में कहा गया था कि गुणवत्ता निरीक्षकों ने मिलर्स के साथ मिलकर अमानक चावल प्राप्त कर घोटाला किया है। जिसके कारण शासन के आर्थिक क्षति हुई है। मध्य प्रदेश सिविल सप्लाई के जिला प्रबंधक सिवनी से वर्ष 2017-18 के खरीफ उपार्जित धान की मिलिंग नीति जिला सिवनी के अंतर्गत की गई धान खरीदी गयी निरीक्षण रिपोर्ट तथा प्राप्त चावल की गुणवत्ता के संबंध में जांच की गयी थी। भारतीय खाद्य निगम के क्वालिटी कंट्रोलर दीपक ठोसर के द्वारा की गयी जांच में 17 मिलर्स के चावल अमानक स्तर के पाये गये थे।

ईओडब्ल्यू ने जगदीश गिरी गोस्वामी गुणवत्ता निरीक्षक, म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन लिमिटेड, जिला सिवनी, विनय पाण्डेय, गुणवत्ता निरीक्षक, म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन लिमिटेड, जिला सिवनी, प्रो अकबर राइस मिल, जिला सिवनी, प्रो आर्यन राइस मिल जिला सिवनी, प्रो. लक्ष्मी राइस इंडस्ट्रीज, वारापत्थर, सिवनी जिला सिवनी, प्रो में दुर्गा शक्ति राइस मिल, गोकलपुर गंगेरुआ, जिला सिवनी, मेसर्स लक्ष्मी राइस इंडस्ट्रीज, चिडि?ा पलारी, सिवनी जिला सिवनी, प्रो श्री राइस मिल, भौमा, जिला सिवनी, प्रो. शुभम राइस एण्ड परवोयलिंग उद्योग, तिगरा, जिला सिवनी, प्रो. स्वास्तिक राइस मिल जिला सिवनी, प्रो त्रियम्बक राइस मिल, कटिया, जिला सिवनी, प्रो. ब्योम राइस मिल जिला सिवनी, प्रो. यश उद्योग जिला सिवनी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

शहर में कोरोना की दस्तक

अधारताल में एक वृद्धा निकली पॉजिटिव, उपचार प्रारंभ

जबलपुर, देशबन्धु। इंदौर के बाद अब जबलपुर में भी कोरोना ने दस्तक दे दी है। शहर के अधारताल क्षेत्र में रहने वाली वृद्धा की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आई है। इसके बाद उन्हे नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कालेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आइसोलेट कर इलाज शुरु कर दिया गया है। इस संबंध में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि वृद्धा की उम्र 80 वर्ष है इसी वजह से इलाज को लेकर चिकित्सकों की टीम जुट जुट गई है। वृद्धा को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, जिसके चलते उन्हें कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया। जहां पर डाक्टरों ने कोविड की आशंका के चलते जांच कराई, जिनकी रिपोर्ट पाजिटिव आई। इसके बाद उन्हे सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आइसोलेट कर इलाज शुरु कर दिया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा वृद्धा के संपर्क में आए परिजनों व अन्य लोगों की पहचान कर सेम्पल जांच के लिए भेजे जाएगें। जबलपुर में कोरोना की दस्तक के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। कोविड के उपचार से संबंधित सभी जरुरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दे दिए गए है।

टमाटर में भारी तेजी, फुटकर भाव 10 से बढ़कर 40 रूपये किलो पर

आलू के साथ हरी सब्जियां भी हुई महंगी

जबलपुर,देशबन्धु। जैसे-जैसे टमाटर सहित हरी सब्जियों की लोकल आवक घट या थम रही है, वैसे-वैसे इनके भाव पर भी तेजी का असर दिखना शुरू हो गया है। गत एक पखवाड़े पूर्व जो टमाटर 10 रूपए किलो के भाव से बिक रहा था, उसके दाम बढ़कर अब 40 रूपये किलो की ऊंचाई पर पहुंच चुके हैं। इस प्रकार देखा जाये तो टमाटर करीब 4 गुना महंगा हो चुका है। दूसरी तरफ आलू की कीमत भी बढ़ती जा रही है। फुटकर में आलू की कीमत बढ़कर 40 रूपये किलो की ऊंचाई पर पहुंच चुकी है। जबकि प्याज की कीमत पूर्व की तरह 15-20 रूपये किलो पर स्थिर बनी हुई है। दूसरी तरफ टमाटर की महंगाई के साथ हरी सब्जियों की ऊंची कीमतों ने गृहणियों की रसोई का बजट बिगाड़ रखा है। अधिकतर हरी सब्जियों की कीमत ऊंची बनी हुई है। फुटकर में जहां भिण्डी 40 रूपये किलो और शिमला मिर्च 80 रूपये किलो के ऊंचे भाव तक बिक रहे हैं वहीं भटा और तुरई 40 रूपये किलो के भाव से बिक रही है। बरबटी व परवल के भाव 40 रूपये किलो पर बने हुए हैं। कुल मिलाकर आम उपभोक्ताओं को इन दिनों महंगी सब्जियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि गत 1 माह पूर्व भरपूर आवक के चलते टमाटर के साथ हरी सब्जियों की कीमतें कुछ नरम थी। व्यापारिक सूत्रों के मुताबिक टमाटर की लोकल आवक काफी कमजोर हो गई है और हफ्ते 10 दिन में बंद हो सकती है। आवक घटने के कारण टमाटर की कीमतों में तेज उछाल आ रहा है वहीं दिशावरों से आने वाले टमाटर की पड़त महंगी बैठने के कारण भी स्थानीय बाजार में टमाटर की कीमत ऊंची हो गयी है। कहा यह भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में टमाटर की कीमत और बढ़ सकती है।

पमरे महाप्रबंधक ने सिहोरा रोड स्टेशन में किया निरीक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने जबलपुर मंडल के जबलपुर-कटनी रेलखण्ड के बीच स्थित सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन पर संरक्षा एवं यात्री सुविधाओं सहित अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों एवं अन्य अधोसरंचनात्मक निर्माण कार्यों का सघन निरीक्षण किया।

बुधवार 11 जून को महाप्रबंधक बंदोपाध्याय ने पमरे मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं मण्डल रेल प्रबंधक जबलपुर कमल कुमार तलरेजा सहित मण्डल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन पर रेल पथ, ओएचई एवं सिग्नल प्रणाली का निरीक्षण किया एवं रेल अधिकारियों को रेलवे की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

ये रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान पमरे मुख्यालय से प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक कुशाल सिंह, प्रमुख मुख्य इंजीनियर आशुतोष, प्रमुख मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर मुकेश सहित जबलपुर मण्डल के मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा, अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद कुमार, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता, गति शक्ति यूनिट संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ मण्डल अभियंता (समन्वय) जे.पी. सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

शाम को भी नहीं मिल रही गर्मी और गरम हवा से निजात

जबलपुर के साथ कई जिलों में पारा चालीस डिग्री से नहीं उतर रहा

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में इन दिनों ज्यादातर जिलों में गर्मी और धूप से लोग बेचैन हैं। चालीस डिग्री से नीचे पारा नहीं आ रहा है। अगले चौबीस घंटे भी इसी तरह की स्थिति बने रहने की संभावना है। इससे कहा जा सकता है कि लोगों को अभी उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। अब तो गर्मी की तीव्रता को इसी से समझा जा सकता है कि कूलर, पंखे और एसी का भी असर कम होने लगा है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 11 जून को जबलपुर का अधिकतम तापमान 40.6 जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक और न्यूनतम 27.3 एवं बीते साल 40.7 एवं 27.8 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। सूर्य की किरणें तो सुबह से अपना असर दिखा रही हैं। दस बजे और उसके बाद बारह बजे से शाम छ बजे तक गरम हवाओं के थपेड़े लोगों को एक मिनट भी चैन नहीं दे रहे हैं। शाम होने के बाद भी लू का असर महसूस किया जा रहा है।

मौसम में गरमाहट के चलते अब लोग ऐसे स्थान की तरफ जाने को मजबूर हैं जहां पर गर्मी से राहत मिल सके। इसमें ग्रामीण अंचल या हरे भरे स्थानों में समय व्यतीत करने का काम किया जा रहा है। नर्मदा नदी के गौरीघाट, तिलवारा, भेड़ाघाट और सरस्वती घाट में लोगों की संख्या बढ़ी हैं। वहीं नगर के टैगोर एवं भंवरताल पार्क भी इस मौसम में लोगों का सहारा बन रहे हैं। शाम पांच बजे के बाद ज्यादातर अपने बच्चों को ऐसे स्थानों पर जा रहे हैं। ताकि कुछ समय गर्मी से सकून मिल सके।

जबलपुर आई केयर

डॉ. पूजा मिश्रा
(एम.बी.बी.एस., एम.एस., नेत्र सर्जन)

प्रत्येक शुक्रवार निःशुल्क नेत्र परीक्षण
समय-सुबह 11 से 2 बजे तक

पता- खुशी प्लाजा कॉम्पलेक्स, भंवरताल गार्डन, जबलपुर

रजिस्ट्रेशन हेतु संपर्क करें- 9009101571, 0761-4003010, 8103157419

NH नेशनल हॉस्पिटल
स्थान- 703, गोलबाजार, जबलपुर
फोन नं.: 0761- 2412612, 2414612

C.G.H.S., C.S.M.A., E.S.I.C. एवं आयुष्मान द्वारा मान्यता प्राप्त

सुपर स्पेशिलिटी विभाग

● हृदय रोग (एंजियोग्रॉफी, एंजियोप्लॉस्टी, पेसमेकर) ● न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी (लकवा, मिर्गी, मूवमेन्ट डिसआर्डर, स्पाईन सर्जरी, हेड इन्जरी, ब्रेन ट्यूमर) ● यूरोलॉजी (मूत्र के सभी रोगों का इलाज एवं ऑपरेशन, प्रोस्टेड के ऑपरेशन लेजर द्वारा किडनी की पथरी के ऑपरेशन) ● शल्य चिकित्सा (हर्निया, अपेन्डिक्स, पाईल्स, फिस्टुला व आंतों में छेद एवं पेट के सभी ऑपरेशन) ● हड्डी रोग (हिप एवं नी रिप्लेशमेन्ट) ● छाती रोग ● नेफ्रोलॉजी (डायलिसिस) ● स्त्री रोग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) ● नेत्र रोग ● शिशु रोग

28 वर्षों से जहर, सर्पदंश, डेंगू, एक्सीडेंट, ट्रामा एवं अन्य एम.एल.सी. के मरीजों में सर्वाधिक जीवन रक्षा का कीर्तिमान

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसिएशन

मुर्गा छोटा	- रु. 104
मुर्गा मीडियम	- रु. 98
मुर्गा बड़ा	- रु. 88
मुर्गा जम्बो	- रु. 88

मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर	- रु. 84
मीडियम ब्रॉयलर	- रु. 94
छोटा ब्रॉयलर	- रु. 100

मोबाइल नं. 9300692405